Ranchi ● Wednesday, 26 February 2025 ● Year : 03 ● Issue : 44 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
महाशिवरात्रि आज
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi

SHARE

सेंसेक्स	:	74,602.12
निफ्टी	:	22,547.55

SARAFA

सोना	:	8,250
चांदी	:	108.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

महाकुंभ : संगम में आज आखिरी पुण्य स्नान

PRAYAGRAJ : बुधवार को यानी महाशिवरात्रि के दिन महाकुंभ का आखिरी दिन है। इस दिन श्रद्धालु संगम में अंमित पुण्य स्नान करेंगे। मंगलवार को सुबह से ही मेले में जबरदस्त भीड़ रही, हालांकि दोपहर बाद भीड़ कम हो गई। 13 जनवरी से अब तक 44 दिन में 64.33 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने संगम स्नान किया। एक्ट्रेस रवीना टंडन ने भी बेटी राशा के साथ संगम में डुबकी लगाई। वहीं, महाशिवरात्रि के स्नान पर्व को देखते हुए ट्रैफिक प्लान बदला गया है। मेला क्षेत्र में प्रशासनिक गाड़ियों को छोड़कर सभी वाहनों की एंट्री रोक दी गई है। प्रशासन ने अपील की है कि श्रद्धालु नजदीकी घाट पर स्नान करें और घर जाएं। महाकुंभ में निगरानी के लिए एयरफोर्स के जवान तैनात किए गए हैं। आखिरी स्नान से पहले फ्लाइट का किराया बढ़ गया है।

ऑस्ट्रेलिया-साउथ अफ्रीका मैच बारिश के कारण रद्द

NEW DELHI : चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच का मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया है। मंगलवार को रावलपिंडी स्टेडियम में दिन भर रुक-रुककर बारिश होती रही। ऐसे में मुकाबले का रद्द करने का फैसला लिया गया है। दोनों टीमों को एक-एक अंक मिले हैं। ग्रुप-बी की पॉइंट्स टेबल में ऑस्ट्रेलिया नंबर-1 और साउथ अफ्रीका नंबर-2 पर हैं। दोनों के पास 3-3 अंक हैं। दोनों चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में पहली बार आमने-सामने होने वाली थीं। दोनों ने एक-एक मैच जीते हैं। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड तो साउथ अफ्रीका ने अफगानिस्तान को हराया था।

एम्स में चार पैरों वाले बच्चे का हुआ ऑपरेशन

NEW DELHI : अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में चार पैरों वाले (मेडिकल टर्म में अपूर्ण परजीवी) बच्चे का सफल ऑपरेशन किया गया। यह विसंगति 10 लाख जन्म पर एक बच्चे में देखी जाती है। पिछले 17 वर्षों से कई दिक्कतों का समाना कर रहे उत्तर प्रदेश का रहने वाला किशोर अब स्वस्थ्य है और उसे एम्स से डिस्चार्ज कर दिया गया है। यह जटिल सर्जरी करने वाली डॉक्टरों के टीम ने बताया कि एम्स में यह ऐसा पहला मामला है। इससे पहले कम उम्र में ही इस तरह की विसंगतियों का इलाज किया जाता रहा है। एम्स के चिकित्सक डॉ वीके बंसल ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि 17 वर्षीय एक लड़का जनवरी के अंतिम सप्ताह में अपने पेट से पूरी तरह विकसित निचले अंग के साथ हमारे क्लिनिक में आया था। जन्म के बाद से ही वह इस अतिरिक्त अंग के साथ रहता था। जैसे-जैसे लड़का बड़ा हो रहा था उसके परजीवी अंग में स्पर्श, दर्द और तापमान महसूस होता था। उसे कभी-कभी अपने पेट और पार्श्व भाग में हल्का दर्द महसूस होता था।

विधानसभा के बजट सत्र में छाया रहा पेपर लीक का मामला, सरकार के खिलाफ नारेबाजी

विपक्ष का हंगामा, सीबीआई जांच की मांग

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को झारखंड विधानसभा सत्र के दूसरे दिन विपक्ष ने जैक पेपर लीक मामले पर जमकर हंगामा किया। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही विपक्ष के सदस्य वेल में चले गए और खूब नारेबाजी हुई। इस दौरान विपक्ष ने आरोप लगाया कि पूरे राज्य में माफिया सक्रिय हैं। इसका रैकट पूरा राज्य में फैला हुआ है। इन माफिया को सरकार का संरक्षण भी प्राप्त है। विपक्ष ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, राज्य में हर प्रतियोगी परीक्षाओं का पेपर लीक हो रहा है। अगर ऐसा ही चलता रहा, तो छात्रों का भविष्य अंधकार में है। विपक्ष ने सरकार से जैक पेपर लीक मामले पर सीबीआई जांच की आवाज उठाई। इस बीच विधानसभा के अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने सदस्यों को समझाने- बुझाने की कोशिश की, इसके बाद सदन की कार्यवाही शुरू हुई।

27 हजार रुपये मानदेय की मांग : दूसरी ओर विधायक निरल पूर्ति के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के मानदेय के सवाल पर शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि नियमावली गठन की प्रक्रिया प्रक्रियाधीन है। निरल पूर्ति ने केंद्र की तर्ज पर 27 हजार रुपये मानदेय देने की मांग की। समीर कुमार मोहंती के डीएलएड प्रशिक्षण बंद होने के सवाल पर शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि नई शिक्षा नीति में चार साल के प्रशिक्षण का प्रावधान है। फिलहाल यह मामला विचाराधीन है। 2030 के बाद डीएलएड की पढ़ाई समाप्त हो जाएगी। विधायक जयराम महतो के स्मार्ट क्लास योजना के सवाल पर कहा कि इसका कागजात उपलब्ध करा दिया जाएगा। विधायक राज सिन्हा ने मॉडल डिग्री कॉलेजों में स्टूडेंट्स और फैकल्टी का सवाल उठाया। इस संबंध में उनके अल्प सूचित प्रश्न पर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने स्वीकार किया कि उच्च शिक्षा के लिए राज्य के हर जिले में 10 से 18 करोड़ की लागत से मॉडल डिग्री कॉलेज स्थापित किए गए थे। हालांकि आंशिक तौर पर ही यह स्वीकार किया कि कॉलेजों में पर्याप्त फैकल्टी के अभाव में स्टूडेंट्स को परेशानी का सामना करना पड़ रहा। बताया कि आवश्यकता आधारित शिक्षकों के द्वारा पठन- पाठन कॉलेजों में कराया जा रहा है। मॉडल डिग्री कॉलेजों में संदर्भित विषयों में शिक्षकों के पदस्थापन के सवाल पर बताया गया कि राज्य के 9 यूनिवर्सिटीज और अंगीभूत महाविद्यालयों में 2416 सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति की जानी है।

सदन शुरू होने के पहले ही वेल में चले आए विपक्षी विधायक, कहा- छात्रों का भविष्य अंधकार में

- पूरे राज्य में माफिया के सक्रिय होने का लगाया आरोप, बोले- फैला हुआ है रैकेट
- अध्यक्ष रबींनाथ महतो के समझाने-बुझाने के बाद शुरू हुई सदन की कार्यवाही
- नियमों, परंपराओं और परिपाटियों का नए सदस्य करें गहन अध्ययन

जैक पेपर लीक केस में गिरिडीह से मास्टरमाइंड सहित 6 विद्यार्थी अरेस्ट

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) की दसवीं बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले में पुलिस ने गिरिडीह से मास्टरमाइंड सहित 6 छात्रों को अरेस्ट किया है। उन्हें कोडरमा थाना लाया गया। कोडरमा और गिरिडीह पुलिस ने संयुक्त रूप से तड़के चार बजे गिरिडीह के नागर थाना क्षेत्र में यह बड़ी कार्रवाई की। कोडरमा एसडीपीओ अनिल सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने न्यू बरबंडा में एक मकान पर रेड मारकर पकड़ा गया। पूछताछ में एक आरोपी कमलेश कुमार ने बताया कि वह अपनी गर्लफ्रेंड, जो इस बार मैट्रिक परीक्षा दे रही है, उसे देने के लिए अपने साथियों के साथ मिलकर पेपर लीक की तैयारी की थी। कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह ने बताया कि पेपर लीक मामले में रोहित कुमार, मुकेश कुमार, कमलेश कुमार, अंशु कुमार पांडेय, कृष्णा कुमार पांडेय व लाल मोहन कुमार को गिरफ्तार किया गया है। सभी छात्र हैं, पर प्रश्नपत्र पाने के लिए ये मजदूर बन गए। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि इन्हें रांची से गिरिडीह लाए गए प्रश्नपत्रों की ढुलाई के काम में लगाया गया था।

- गर्लफ्रेंड को देने के लिए मजदूर बनकर किया पेपर लीक, ढुलाई के दौरान बंडल से निकाला
- मोबाइल से प्रश्नपत्र का पीडीएफ बनाकर कर दिया था वायरल

सील काटकर निकाला गया था पेपर : डीजीपी

जैक बोर्ड मैट्रिक परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले में राज्य के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि गिरिडीह से प्रश्नपत्र लीक हुआ था। जब सील बंद प्रश्नपत्र ले जाया जा रहा था, तभी गिरिडीह में एक व्यक्ति ने ब्लेड से सील काटकर पेपर निकाल लिया था। इसके बाद उसने प्रश्नपत्र की फोटो कॉपी कराई और उसे वायरल कर दिया। डीजीपी ने यह भी बताया कि इस मामले में मुख्य साजिशकर्ता (किंगपिन) की गिरफ्तारी हो चुकी है। उससे गहन पूछताछ की जा रही है। इस मामले से जुड़े और भी कई अहम खुलासे हो सकते हैं।

मुझे दो हाइवा बालू चाहिए, कब दिलाएंगे कितना पैसा देना होगा बताएं : सीपी सिंह

बालू के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने

सीपी सिंह ने कहा कि मैं बिहार से बालू मंगवा कर काम करवा रहा हूं। जेएसएमडीसी से भी बात की तो पता चला कि ट्रक लेकर बालू के लिए जाना होगा। 2013 से जब जब हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बनी है, तब तब बालू चर्चा में रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे दो हाइवा बालू चाहिए। कब दिलाएंगे, कितना पैसा देना होगा बताएं। सीपी सिंह ने पूछा कि कितने गरीबों को फ्री में बालू दिया गया है।

ऑनलाइन आवेदन करने पर घर तक पहुंचेगा बालू : विधायक मनोज यादव ने कहा कि बालू चोरी से मिल रहा है। बिहार से रांची बालू आ रहा है। नवीन जायसवाल ने कहा कि मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने जवाब देने के बजाय पेट्रोल और डीजल के रेट पूछ लिये। प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि सदन में बालू को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए। विधायक नवीन जायसवाल ने पूछा कि कितने लाभुकों को अबुआ आवास और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बालू मिला है। एक हाइवा बालू कितने में मिल रहा है। इस पर प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि आमजनों को बालू देने के लिए राज्य सरकार गंभीर है। टैक्स के दायरे में नहीं आने वालों को फ्री में बालू मिल रहा है। 444 बालू घाटों में से 261 घाटों का एलओआई निर्गत हो चुका है। 159 बालूघाटों का एकरारनामा निष्पादित हो चुका है। 64 बालू घाटों को पर्यावरण स्वीकृति मिल चुकी है। लाभुक खुद सुविधानुसार बालू घाटों से बालू ले जाते हैं। 21 लाख सीएफटी बालू उपलब्ध है। 573 लाभुकों को एक लाख 63 हजार सीएफटी बालू दिया गया है। इस जवाब के बाद विधायक सीपी सिंह, नवीन जायसवाल और मनोज यादव ने सत्ता पक्ष को घेरा। ऑनलाइन आवेदन करने से घर तक बालू पहुंच जाएगा।

हजारीबाग में बन रहा 500 बेड का अस्पताल : डॉ. इरफान अंसारी

सदन में ध्यानाकर्षण के तहत विधायक प्रदीप यादव ने हजारीबाग सदर अस्पताल का मुद्दा उठाया। कहा कि वहां ऑफलाइन पर्ची कटाने की भी व्यवस्था होनी चाहिए। ऑक्सीजन प्लांट और मेडिकल वेस्ट डिस्पोजल मशीन भी बंद है। डॉक्टरों की कमी है। इमरजेंसी दवाएं भी नहीं हैं। इस पर स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि हजारीबाग में शेख भिखारी हॉस्पिटल 500 बेड का बन रहा है। मेडिकल कॉलेज बनने के बाद सदर अस्पताल का लोड कम हो जायेगा। 25 मई तक भवन तैयार हो जाएगा। रिक्त पदों पर नियुक्ति की जा रही है। मथुरा प्रसाद महतो द्वारा पूछे गए डीएमएफटी के सवाल पर प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट नियमावली राज्य हित में नहीं है।

गतिरोध सदन की परंपरा नहीं : स्पीकर

बता दें कि बजट सत्र के दूसरे दिन भी नेता प्रतिपक्ष के बिना ही सदन चला। स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने कहा, हमलोग यहां जनता की ढेरों अपेक्षाओं के साथ चुनकर आते हैं। राज्य की साढ़े तीन करोड़ जनता की इस सदन से आशाएं बंधी हैं कि उनके हित में और उनके लिए इस महापंचायत से समुचित कार्य हों। लेकिन, यह भी सत्य है कि कई बार गतिरोध के कारण जरूरी कार्य नहीं हो पाते हैं। इसलिए, मेरा आग्रह है कि सदन में गतिरोध न हो। आलोचना हो, विचार व्यक्त हो, अभिव्यक्ति हो। गतिरोध सदन की परंपरा नहीं है। स्पीकर ने कहा कि इस सदन में पहली बार 21 नए सदस्य चुनकर आए हैं और वे पहली बार बजट सत्र में भाग ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना : ग्रामीण विकास मंत्री ने दी जानकारी

लाभार्थियों को एक साथ मिलेंगे ₹7500 : दीपिका

होली या महिला दिवस पर खातों में ट्रांसफर की जाएगी तीनों किस्त

PHOTON NEWS RANCHI : हेमंत सरकार की मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत लाभार्थियों को जल्द ही एक साथ तीन माह- जनवरी, फरवरी और मार्च की राशि के रूप में 7500 रुपये मिलेंगे। यह जानकारी झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना के तहत होली या महिला दिवस के अवसर पर यह राशि लाभार्थियों के खातों में ट्रांसफर की जाएगी। बजट सत्र के दूसरे दिन जब विधानसभा में इस योजना से संबंधित सवाल उठाए गए, तो मंत्री ने कहा कि तकनीकी त्रुटियों के कारण राशि समय पर नहीं भेजी जा सकी है। लेकिन, अब यह समस्या हल कर दी गई है।

सरकार योजना का पूरा लाभ देने के लिए प्रतिबद्ध

मंत्री ने यह भी बताया कि झारखंड सरकार लाभार्थियों को बिना किसी बाधा के योजना का पूरा लाभ देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना के तहत पहले लाभार्थियों को 1000 रुपये की राशि दी जाती थी। लेकिन, हेमंत सोरेन सरकार ने इसे बढ़ाकर 2500 रुपये कर दिया था। हालांकि, कुछ तकनीकी समस्याओं के कारण इस राशि के वितरण में देरी हुई थी। अब इसमें सुधार करते हुए जल्द ही तीन किस्तों की राशि एक साथ ट्रांसफर की जाएगी।

- विधानसभा में सरकार से पूछे गए सवाल का मिनिस्टर ने दिया जवाब
- बेटियों के हाथों को मजबूत करने के लिए बनाई गई है योजना

महिलाएं आर्थिक रूप से बनेंगी सशक्त

मंत्री ने यह स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य महिलाओं और बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। वे सुनिश्चित करेंगे कि इस योजना का लाभ सभी लाभार्थियों को बिना किसी अड़चन के मिले। उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार की क्षमता पर विश्वास जताया और कहा कि सरकार अपने वादों को पूरा करने में सक्षम है। बता दें कि मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना को लेकर सीएम हेमंत सोरेन ने भी पिछले दिनों कहा था कि जब महिलाएं सशक्त होगी तो हमारा समाज और राज्य भी सशक्त होगा।

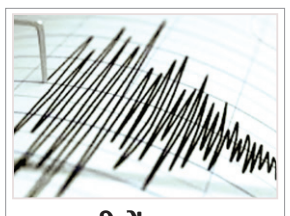

राजधानी में सुबह-सुबह लोगों ने महसूस किए भूकंप के झटके

NEW DELHI : बुधवार को सुबह-सुबह राजधानी रांची में भूकंप के झटके लोगों ने महसूस किए। लोगों को धरती डोलने का एहसास सुबह 6 बजे हुआ। भूकंप का केंद्र बंगाल की खाड़ी बताया जा रहा है। हालांकि इसकी तीव्रता कितनी थी, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। इस भूकंप से किसी के जान-माल के क्षति नहीं हुई। गौरतलब है कि इसके पहले भूकंप के झटके बंगाल और ओडिशा में देखने को मिला था। इसकी तीव्रता 5.5 बताई जा रही है। इससे पहले रात के वक्त दिल्ली में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इससे पहले 2 नवंबर को भी रांची में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। उस समय भूकंप की तीव्रता 4.3 मापी गई थी। उस वक्त भूकंप का केंद्र सरायकेला खरसावां था। इसके बाद इसी माह 4 फरवरी को भी रांची एयरपोर्ट पर भूकंप के झटके महसूस हुए थे। हालांकि सीआईएसफ की मुस्तैदी की वजह से आपाधापी की स्थिति नहीं बनी थी। अलार्म बजते ही सीआईएफ के जवान चौकन्ने हो गए थे। विशेषज्ञों के अनुसार, भूकंप के दौरान लिफ्ट का उपयोग नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह फंस सकती है या गिर सकती है। घर के अंदर हैं तो दरवाजे या खिड़कियों से दूर रहना चाहिए और अपने सिर और गर्दन को अपने हाथों से ढककर जमीन पर बैठ जाना चाहिए भूकंप के दौरान बाहर न निकलें।

- बंगाल और ओडिशा में डोली धरती रिक्टर स्केल पर 5.5 बताई गई तीव्रता

इतिहास गवाह है- भारत की समृद्धि में ईस्टर्न इंडिया का था बड़ा रोल : प्रधानमंत्री

AGENCY GUWAHATI : मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन 2025 का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भाजपा शासन के दौरान असम की अर्थव्यवस्था का मूल्य दोगुना होकर 6 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह डबल इंजन सरकार का प्रभाव है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्वी भारत और नॉर्थ-ईस्ट की भूमि आज नए भविष्य की शुरूआत करने जा रही है। एडवांटेज असम पूरी दुनिया को असम की संभावना और प्रगति से जोड़ने का महाअभियान है। इतिहास गवाह है कि पहले भी भारत की समृद्धि में ईस्टर्न इंडिया का बहुत बड़ा रोल था।

- पीएम ने एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन 2025 का किया उद्घाटन
- कहा- भाजपा शासन में असम की अर्थव्यवस्था का मूल्य दोगुना होकर हुआ 6 लाख करोड़
- अपनी स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत कर रहा हमारा देश

दुनिया को भारत की युवा आबादी पर भरोसा

मोदी ने कहा कि इस वैश्विक अनिश्चितता के बीच भी दुनिया के कई विशेषज्ञ एक बात को लेकर निश्चिंत हैं और वो है भारत का तेज विकास। भारत पर इस भरोसे की बहुत ठोस वजह है। आज का भारत, आने वाले 25 सालों की 21वीं सदी के दीर्घकालिक विजन को ध्यान में रखते हुए, एक के बाद एक कदम उठा रहा है, बड़े पैमाने पर काम कर रहा है। आज दुनिया को भारत की युवा आबादी पर भरोसा है जो बहुत तेजी से हुनरमंद हो रही है। आज दुनिया को भारत के नव मध्यम वर्ग पर भरोसा है जो गरीबी से बाहर निकलकर नई आकांक्षाओं के साथ आगे बढ़ रहा है। आज दुनिया को भारत के 140 करोड़ लोगों पर भरोसा है जो राजनीतिक स्थिरता और नीतिगत निरंतरता का समर्थन करते हैं।

चिंताजनक पॉल्यूशन कंट्रोल में लापरवाही भविष्य में बन सकती है बड़ा संकट

धान-गेहूं का उत्पादन घटा रहा बिजली संयंत्रों से निकला प्रदूषण

144 बिजली संयंत्रों की गतिविधियों और उपग्रह से मिले आंकड़ों का विश्लेषण

प्रोसिडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज पत्रिका में प्रकाशित की गई है रिपोर्ट

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : पहले चीन दुनिया का सबसे बड़ी आबादी वाला देश था। अब उसका स्थान भारत ने ले लिया है। देश की आबादी का सबसे बड़ा हिस्सा अपने भोजन के रूप में गेहूं और चावल का इस्तेमाल करता है। यह विदित है कि देश में बिजली की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बिजली संयंत्रों का संचालन कोयला के माध्यम से ही अधिक होता है। हाल के विशेष शोध में यह तथ्य सामने आया है कि बिजली संयंत्रों से निकला प्रदूषण हमारे कृषि क्षेत्र को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। बिजली संयंत्रों से निकाला नाइट्रोजन डाइऑक्साइड वातावरण में लगातार बढ़ रहा है। इसका सीधे असर गेहूं और धान के उत्पादन पर पड़ रहा है। विशेषज्ञों ने बताया है कि पिछले कुछ वर्षों में इस प्रदूषण के कारण देश के कई भागों में 10 प्रतिशत के लगभग धान और गेहूं के उत्पादन में कमी आई है। यह स्थिति हमारे किसानों के लिए अत्यंत विकेट है। वातावरण में नाइट्रोजन ऑक्साइड का बढ़ना किसानों के लिए महंगा साबित हो रहा है।

- किसानों के लिए महंगा साबित हो रहा उत्सर्जित नाइट्रोजन डाइऑक्साइड
- स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी से जुड़े शोधकर्ताओं ने इस गंभीर स्थिति का किया है विशेष अध्ययन

100 किलोमीटर के दायरे में प्रदूषण के स्तर को बढ़ा रहे बिजली संयंत्र

आसपास की फसलें हो रहीं प्रभावित

आंकड़ों के विश्लेषण से यह पता चला है कि यदि इन संयंत्रों से निकलने वाले नाइट्रोजन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन पर नियंत्रण किया जाए तो गेहूं और धान की पैदावार में सुधार हो सकता है, जिससे किसानों को सालाना 82 करोड़ डॉलर तक का आर्थिक लाभ हो सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह बिजली संयंत्र 100 किलोमीटर के दायरे में नाइट्रोजन डाइऑक्साइड के स्तर को बढ़ा रहे हैं। इससे आसपास की फसलें प्रभावित हो रही हैं। अगर मुख्य फसल सीजन (जनवरी-फरवरी और सितंबर-अक्टूबर) के समय इस प्रदूषण को नियंत्रित किया जाए तो धान की पैदावार सालाना 42 करोड़ डॉलर और गेहूं की 40 करोड़ डॉलर तक का फायदा दे सकती है। रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया गया है कि छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में, जहां बिजली उत्पादन में कोयले की बड़ी हिस्सेदारी है, वहां नाइट्रोजन डाइऑक्साइड प्रदूषण में कोयले का योगदान 13 से 19 फीसद तक है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में यह योगदान 3 से 5 प्रतिशत के बीच है।

अपहृत युवती को वापस लाने को सांसद ने किया चक्का जाम, पुलिस ने मांगे 72 घंटे

जाम से लगी थी वाहनों की लंबी कतार, आश्वासन के बाद समाप्त हुआ धरना

AGENCY RAMGARH : रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र से युवती के अपहरण को लेकर दो संप्रदायों का तनाव बढ़ता जा रहा है। अपहृत युवती को केरल से वापस लाने के लिए सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी लगातार आंदोलन कर रहे हैं। पहले उन्होंने प्रशासन को 72 घंटे की मोहलत दी। इसके बाद 24 फरवरी को मशाल जुलूस निकालकर प्रशासन को चुनौती दी। इसके बाद मंगलवार की सुबह 6 बजे रामगढ़ बोकारो राष्ट्रीय राजमार्ग 23 को चितरपुर प्रखंड में जाम कर दिया। चक्का जाम की वजह से गाड़ियों की लंबी कतारें लग गई। जिला प्रशासन ने सांसद को 72 घंटे में लड़की को वापस लाने का आश्वासन दिया। इसके बाद सड़क जाम समाप्त हुआ। आंदोलन के बाद

स्थानीय लोगों के साथ सड़क पर बैठे सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ● फोटोन न्यूज

सांसद ने कहा कि पुलिस अगर पहले ही तत्परता दिखाई होती तो जनता को सड़क पर उतरना नहीं पड़ता। लगभग 15 दिनों पहले यह वारदात हुई थी। पुलिस को लड़की को वापस लाने की मांग रखी गई थी। आज चक्का जाम कार्यक्रम में प्रशासन को झुकना पड़ा। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक लापरवाही की वजह से जनता में आक्रोश है और समाज में अफवाहें फैल रही हैं। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो इसके लिए प्रशासन को सचेत रहने की आवश्यकता है। चितरपुर प्रखंड में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए डीसी चंदन कुमार, एसपी अजय कुमार जिले के तमाम अधिकारियों और पुलिस बल के साथ पहुंचे। इस दौरान बंद समर्थकों को अपनी दुकान खोलने की बात कही। साथ ही जिस मोहल्ले में युवक और युवती का घर है, उस क्षेत्र में भी फ्लैग मार्च कर शांति व्यवस्था बनाए रखने को कहा।

किसी को कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं, पुलिस कर रही कार्रवाई : डीसी

RAMGARH : रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र में दो समुदायों के युवक और युवती के एक साथ फरार होने के बाद समाज में तनावपूर्ण स्थिति बन गई है। इस स्थिति को सामान्य करने के लिए डीसी चंदन कुमार और एसपी अजय कुमार ने खुद ही मोर्चा संभाला। चितरपुर बाजार से लेकर उन गलियों में भी पदाधिकारियों ने फ्लैग मार्च किया, जहां युवक और युवती का घर है। डीसी चंदन कुमार ने बताया कि किसी भी व्यक्ति को कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। जहां तक बात युवती और युवक के शादी की है, कानून बालिगों को पूरा संरक्षण देता है। वह अपनी मर्जी से शादी कर सकते हैं।

दावा : युवती ने परिजनों को भेजा वीडियो मैसेज

कहा- मैंने स्वेच्छा से की है शादी

RAMGARH : रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र चितरपुर, सोनार मोहल्ला निवासी युवती को घर लाने के लिए बवाल मचा है। इस बीच दावा किया जा रहा है कि आशा वर्मा ने अपने परिजनों को वीडियो मैसेज भेजा है। यह वीडियो आशा की बहन के सामने ही रिकॉर्ड हुआ है। कहा जा रहा है कि लड़की ने लव जिहाद की बातों को नकार दिया है। उसने कहा है कि उसने स्वेच्छा से शादी की है ना कि शादी के लिए कोई जबरदस्ती की गई है। मैं केरल में अपने स्वेच्छा से गालिब के साथ गई हूं। शादी की हूं और खुश हूं, मैं बालिग हूं और बहुत जल्द में अपने घर आ रही हूं। जानकारी के अनुसार युवती छह बहन और एक भाई के साथ घर में रहती थी। माता-पिता जेवर का दुकान दर्जी मोहल्ले में ही संचालित करते हैं। चार बहनों की शादी पहले ही हो चुकी है। ऐसी चर्चा है कि दुकान में बैठने के दौरान ही उसका संबंध मो गालिब के साथ जुड़ा। काम के सिलसिले में गालिब कुछ वर्षों तक दुबई में भी रहा है। इधर माता-पिता ने आशा की शादी तय कर रहे थे। जल्द ही इंगेजमेंट और शादी की तारीख तय होने वाली थी। इसी बीच 9 फरवरी को युवती मो. गालिब के साथ केरल चली गई।

चांडिल में गजराज का उत्पात, सीएम के मामा के घर का तोड़ा दरवाजा

CHANDIL : दलमा वाइल्डलाइफ सेंचुरी के गज परियोजना से भटककर एक विशाल हाथी मंगलवार सुबह चांडिल शहरी क्षेत्र में पहुंच गया। यह हाथी सबसे पहले चांडिल बाजार के दुर्गा मंदिर प्रांगण में देखा गया, जहां उसने मंदिर के गेट और चहारदीवारी को तहस-नहस कर दिया। इतना ही नहीं, यह गजराज राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मामा गुरुचरण किस्कू के घर तक भी पहुंच गया। वहां उसने कमरे का दरवाजा तोड़ दिया और अंदर रखे जन वितरण प्रणाली (ढऊर) के अनाज को खा गया। हाथी के उत्पात से घर के अन्य सामान भी बिखर गए और भारी नुकसान हुआ। गजराज के आतंक से न केवल घरों में तबाही मची, बल्कि उसने घर के बाहर खड़ी मारुति वैन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। मंगलवार सुबह इस घटना की सूचना मिलते ही चांडिल वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। स्थानीय लोगों के अनुसार, हाल के दिनों में ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग को जल्द से जल्द इन गजराजों को नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि लोगों की जान-माल की सुरक्षा हो सके।

BRIEF NEWS

वाटर शेड यात्रा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

LOHARDAGA : लोहरदगा जिला के कैरो प्रखंड में मंगलवार को झारखंड राज्य जलछाजन मिशन योजना ग्रामीण विकास विभाग प्रधानमंत्री सिंचाई योजना के तहत वाटर शेड यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी भगत, उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप शेखावत द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर जीप अध्यक्ष रीना कुमारी भगत ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य है कि किसान सरकार को योजना में अपनी सहभागिता निभाते हुए अपने अपने घर और गांव में योजनाओं का चुनाव करें। इसके तहत मेढ़ बंधी, तालाब निर्माण, डोभा निर्माण मेढ़ में वृक्षारोपण और कृषि की नई तकनीक अपनाकर अपनी आजीविका को अपनाए और जीवन मे आगे बढ़े। आज कई ऐसे किसान हैं जो परंपरागत खेती से हटकर एस्ट्रॉबेरी, गन्ना, फूल जैसे खेती अपना कर आगे बढ़ रहे हैं। इसे हर किसान को अपनाने की जरूरत है। उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप शेखावत ने कहा कि हमारा जिला ग्रामीण जिला है और यहां निवास करने वाले किसान हैं। ऐसे में जरूरत है कि पानी का रख रखाव करते है। कम पानी मे ज्यादा कृषि की तकनीक पर ध्यान दिया जाए। आज जिन किसानों को सम्मानित किया जा रहा है।

बिष्टपुर के पोस्टल पार्क में युवाओं ने दिया धरना

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर के पोस्टल पार्क में अप्रेंटिस की ट्रेनिंग करने वाले युवाओं ने धरना प्रदर्शन किया है। युवाओं का कहना है कि उन्होंने दो साल तक यहां टाटा स्टील में ट्रेनिंग की। अब टाटा स्टील उन्हें नौकरी नहीं दे रही है। उन्हें टाटा स्टील टेक्निकल सर्विसेज में नौकरी देने की बात की जा रही है। इसे वह लोग कतई नहीं मानेंगे। युवाओं ने कहा कि उनकी मांग माने जाने तक प्रदर्शन चलेगा। युवाओं ने कहा कि उन्हें टाटा स्टील या उसकी सब्सिडायरी कंपनी में नौकरी देने की बात कह कर अप्रैंटिंस की ट्रेनिंग दिलाई गई थी।

मानगो में अतिक्रमण मुक्त कराई गई भूमि

JAMSHEDPUR : मानगो अंचल के देवघर मौजा में देवघर ग्रामसभा और बिरसा सेना व अन्य कई आदिवासी संगठनों ने सरकारी खाता न० 202, प्लॉट सं० 1111, रकवा 39 डी० प्लॉट संख्या 1119, रकवा 49 डी०, प्लॉट सं० 1120, रकबा 18 डी० कुल रकवा 1.एकड़ 06 डी० सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। इस दौरान मांझी बाबा पलटन सोरेन, बिरसा सेना के केंद्रीय अध्यक्ष दिनकर कच्छप, टाईगर मुर्मू , बसू हांसदा, अजय जमुदा, विशाल बास्के , कोका मुर्मू , बिजय हेंम्ब्रम,दीपक समाद , सिलय सोय , साहेबराम मुर्मू , सुरेश पुर्ति आदि मौजूद रहे।

कुंभ से लौट रही एसयूवी ने ऑटो को मारी टक्कर, एक की हुई मौत

जीटी रोड पर गेहरा मोड़ के पास हुआ हादसा, चार लोग घायल

AGENCY DHANBAD : धनबाद में तेज रफ्तार के कारण लगातार दुर्घटनाए हो रही है। मंगलवार को एक बार फिर सब गोविंदपुर स्थित जीटी रोड पर गेहरा मोड़ के समीप कुंभ से लौट रही एक कार ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। इसमे मौके पर ही ऑटो चालक की जान चली गई, जबकि ऑटो सवार चार लोग घायल हो गए। घटना में मृत ऑटो चालक की पहचान गोविंदपुर निवासी जितेंद्र राय के रूप में हुई है। वहीं घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच भेज दिया है। वहीं, मृत ऑटो

घटनास्थल पर क्षतिग्रस्त कार ● फोटोन न्यूज

चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के जाया गया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि कुंभ स्नान कर वापस पश्चिम बंगाल लौट रहे श्रद्धालुओं की क्रेटा एसयूवी कार ने जीटी रोड पर यात्रियों से भरे ऑटो को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहन के परखच्चे उड़ गए। वहीं कार सवार सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे है।

रांची-पटना जनशताब्दी एक्स. पर पथराव, यात्रियों में दहशत

RANCHI : ट्रेनों में पथराव की घटनाएं अब आम होती जा रही हैं। ताजा मामला रांची से पटना जा रही जनशताब्दी एक्सप्रेस का है, जिस पर जमकर पत्थरबाजी हुई। इस अप्रत्याशित हमले से ट्रेन में बैठे यात्री दहशत में आ गए। पथराव से खिड़कियों के शीशे चकनाचूर हो गए, और पत्थर सीधे अंदर तक आ गिरे। यात्रियों के मुताबिक, पथराव की वजह सीट को लेकर हुआ विवाद था। ट्रेन में पहले से कुछ यात्री आरक्षित सीटों पर बैठे थे। असली यात्री के पहुंचने पर उन्होंने सीट छोड़ने से इनकार कर दिया और बहाना बनाया कि वे पहाड़पुर स्टेशन पर उतर जाएंगे।

फंदे पर लटका मिला महिला का शव, हत्या का आरोप

PALAMU : पलामू जिले के हैदरनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत भाईबिगहा में मंगलवार को पुलिस ने एक महिला का शव उसके घर में फंदे से लटका हुआ बरामद किया। महिला की पहचान इरफान खान की पत्नी खुशबू परवीण(28) के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में खुशबू के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्थिति स्पष्ट की जायेगी। शुरूआती छानबीन में पुलिस इसे खुदकुशी मानकर अनुसंधान कर रही है। बताया जाता है कि मंगलवार सुबह खुशबू का शव कमरे में फंदे से झूलता मिला। फंदे से शव को लटका देखकर खुशबू के ससुराल पक्ष के लोग सकते में

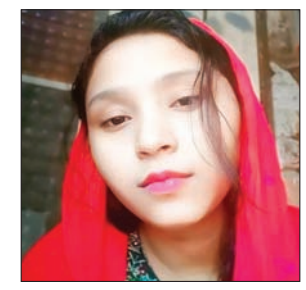

मृतका की फाइल फोटो

पड़ गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और फंदे से शव को नीचे उतारा। परिजन के अनुसार घटना के वक्त मृतका के पति घर पर नहीं थे। इरफान सउदी अरब में हैं। वहीं रहकर नौकरी करते हैं। खुशबू ने वर्ष 2012 में इरफान खान से प्रेम विवाह किया था। इरफान के परिवार वाले इस शादी के खिलाफ थे। पंचायत के हस्तक्षेप के बाद यह विवाह संपन्न हुआ था। उसके तीन बच्चे हैं।

जगन्नाथपुर डिग्री कॉलेज में एबीवीपी ने की तालाबंदी

CHAIBASA : मनोहरपुर डिग्री कॉलेज के बाद अब जगन्नाथपुर डिग्री कॉलेज में बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेतृत्व में अनिश्चितकालीन तालाबंदी कर धरना प्रदर्शन शुरू किया गया है। यह आंदोलन कॉलेज में नई बिल्डिंग में शिफ्टिंग, शौचालय, पेयजल, रिक्त पदों पर प्रोफेसरों की नियुक्ति और बिजली आपूर्ति जैसी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर किया जा रहा है।आंदोलन का नेतृत्व एबीवीपी के जिला संयोजक अभिनाश कुमार कर रहे हैं। छात्रों ने अपनी समस्याओं को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा कि कॉलेज में मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है।धरना स्थल पर हरिचरण सांडिल, पप्पू गौड़, शशिभूषण समेत दर्जनों छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

मनोहरपुर डिग्री कॉलेज में तालाबंदी चौथे दिन जारी

MANOHARPUR : मनोहरपुर डिग्री कॉलेज में विभिन्न मांगों को लेकर अभाविप द्वारा अनिश्चितकालीन तालाबंदी हड़ताल चौथे दिन भी जारी रही। आंदोलन के तहत छात्रों ने यहां चौथे दिन भी ताला बंद रखा। मांगों को लेकर नारेबाजी करते रहे। आंदोलन के कारण चौथे दिन भी पठन पाठन ठप रहा। छात्रों का कहना है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती आंदोलन जारी रहेगा।

टाटा-रांची के बीच वंदे मेट्रो ट्रेन की मांग

JAMSHEDPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे के जेडआरयूसीसी की बैठक मंगलवार को कोलकाता में हुई। बैठक में जेडआरयूसीसी के सदस्य अरूण जोशी ने टाटानगर से यात्री सुविधा से जुडे अपने सुझावों को रखा। टाटानगर से रांची के बीच नई वंदे मेट्रो ट्रेन शुरू करने और हावडा मुंबई लोकमान्य तिलक वंदे भारत (स्लीपर एडीशन) वाया टाटानगर के लिए उन्होंने रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव भेजने की बात कही। टाटानगर से चल रही राउरकेला और हावडा वंदे भारत के दिन को परिवर्तित करते हुए यहां से सातों दिन इस ट्रेन को चलाने की मांग रखी गई। टाटानगर कोचिंग डिपो में वाशिंग लाइन बढ़ाने या कोचिंग डिपो को कहीं और बनाने की मांग है। टाटानगर रेलवे स्टेशन के दूसरे प्रवेश क्षेत्र में ओला, उबर और रैपिडो के लिए पार्किंग स्थल आवंटित करने की भी मांग की गई है।

गया पुल के चलते धनबाद में फिर लगा भयंकर जाम, वाहनों की रही लंबी कतार

AGENCY DHANBAD : धनबाद के प्रमुख मार्गों पर अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है, विशेष रूप से बैंक मोड़ से लेकर श्रमिक चौक तक। लेकिन मंगलवार को यहां भयंकर जाम रहा। श्रमिक चौक से राजू यादव चौक और बेकारबांध तक वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई थीं। इस मार्ग पर जाम की समस्या मुख्य रूप से गया पुल के कारण उत्पन्न हो रही है। गया पुल का आकार संकरा है, जिससे दोनों तरफ से वाहनों का आवागमन प्रभावित हो रहा है, जबकि इस पुल के दोनों ओर चौड़ी सड़कें हैं। इस जाम से बचने के लिए केंद्रीय, कतरास और झरिया से आने वाले लोगों को कुसुंडा या हावड़ा मोटर्स होते हुए बरमसिया की ओर रुख करना चाहिए। वहीं, सरायढेला और बरवाअड्डा से आने वाले लोगों को अन्य मार्गों से बैंक मोड़ तक पहुंचना होगा।

जाम के कारण वाहनों की लगी लंबी कतार ● फोटोन न्यूज

तीन साल से लटका है ब्रिज का चौड़ीकरण

गया पुल का चौड़ीकरण तीन साल से लटका हुआ है, हालांकि इसके लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। पथ निर्माण विभाग ने इसके लिए 25 करोड़ रुपये का टेंडर निकाला था, लेकिन शीला कंस्ट्रक्शन कंपनी ने टेंडर की राशि में 20 प्रतिशत अधिक दर डाली है। ऐसे में अब तक इस परियोजना पर निर्णय नहीं हो पाया है। इसके अलावा, चार साल पहले डीएमएफटी फंड से गया पुल के चौड़ीकरण और अंडरपास बनाने की योजना बनी थी, लेकिन डीपीआर तैयार नहीं होने के कारण इस दिशा में भी काम रुक गया है।

अक्षय और स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं में सौर, पवन, जलविद्युत व ऊर्जा भंडारण संयंत्र शामिल

टाटा पावर ने 5000 मेगावाट ऊर्जा उत्पादन को असम से किया एमओयू

PHOTON NEWS JSR : टाटा पावर ने मंगलवार को एडवांटेज असम 2.0 में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। टाटा पावर ने असम सरकार के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत अगले 5 वर्षों में 30,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ राज्य में सौर, पवन, जलविद्युत और ऊर्जा भंडारण सहित 5000 मेगावाट तक की अक्षय और स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं को स्थापित करने और उनका समर्थन करने का काम किया जाएगा।

इस समझौता ज्ञापन पर असम सरकार के प्रमुख सचिव ऊर्जा डॉ. कृष्ण कुमार द्विवेदी और टाटा पावर के सीईओ और एमडी डॉ. प्रवीर सिन्हा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और असम सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस सहयोग के तहत, असम सरकार लगभग 20,000 एकड़ की अतिक्रमण-मुक्त सरकारी भूमि की पहचान और आवंटन को पट्टे के आधार पर सुगम बनाएगी और सौर, पवन, जलविद्युत और ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं के लिए उपयुक्त निजी भूमि के अधिग्रहण में सहायता करेगी। इसके अतिरिक्त, राज्य निर्बाध ट्रांसमिशन कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने और राज्य एजेंसियों के माध्यम से अक्षय ऊर्जा पार्कों की स्थापना को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास करेगा। इस पहल में ग्रुप कैप्टिव साइट्स के लिए भूमि की पहचान करना, उद्योगों और चाय बागानों को असम की भूमि आवंटन और औद्योगिक नीतियों के तहत स्वच्छ ऊर्जा तक पहुँच प्रदान करना भी शामिल होगा।

परियोजना निष्पादन में तेजी लाने के लिए, सरकार ने वैधानिक अनुमोदन, वित्तीय प्रोत्साहन और अक्षय क्षेत्र में नवाचार के लिए अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग के लिए सिंगल विंडो सिस्टम के लिए प्रतिबद्धता जताई है। परियोजना कार्यान्वयन और संचालन के लिए प्रशिक्षित कार्यबल बनाने के लिए कौशल विकास कार्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे।

असम ने अक्षय और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, अपने समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके 14,487 मेगावाट की अक्षय ऊर्जा क्षमता को अनलॉक किया है, जिसमें सौर ऊर्जा सबसे आगे है। राज्य ने महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं, जिसका लक्ष्य 2027 तक 500 मेगावाट सौर क्षमता हासिल करना है। टाटा पावर की सहायक कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने राज्य भर में अक्षय ऊर्जा को अपनाने और ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए असम पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के साथ एक और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत छत पर सौर परियोजनाओं को बढ़ाने पर केंद्रित है, साथ ही 3000 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगा, जिससे असम के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण और आर्थिक विकास को मजबूती मिलेगी।

टाटा पावर के सीईओ और एमडी डॉ. प्रवीर सिन्हा ने कहा, ₹ये समझौता ज्ञापन अक्षय और स्वच्छ ऊर्जा क्षमता विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं, जो सौर, पवन, जल और ऊर्जा भंडारण में असम की विशाल क्षमता का लाभ उठाते हैं। मजबूत नीति समर्थन, बुनियादी ढांचे के विकास और कौशल वृद्धि पहलों के साथ, यह सहयोग न केवल राज्य की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा बल्कि आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को भी बढ़ावा देगा। टाटा पावर टिकाऊ ऊर्जा समाधान देने के लिए प्रतिबद्ध है जो असम सरकार के हरित भविष्य के दृष्टिकोण और 2030 तक 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ संरेखित है।₹ राज्य में, टाटा पावर ने पहले ही 20 मेगावाट की मजबूत सौर रूफटॉप क्षमता, 300 से अधिक ईवी होम चार्जर और 20 से अधिक सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों के साथ महत्वपूर्ण प्रगति की है। ये प्रयास राज्य के हरित ऊर्जा समाधानों और इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के प्रयासों में योगदान करते हैं।

मैट्रिक की परीक्षा लिखते धराया 11वीं का छात्र

पुलिस गिरफ्त में छात्र ● फोटोन न्यूज

PALAMU : जिले के सतबरवा के बलवंत सिंह नामधारी मेमोरियल कॉलेज में मंगलवार को दूसरे छात्र के नाम पर मैट्रिक की सोशल साइंस की परीक्षा दे रहा एक छात्र पकड़ा गया है। उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उड़नदस्ता कृष्ण मुरारी तिर्की ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि बलवंत सिंह नामधारी मेमोरियल कॉलेज में दूसरे के नाम पर परीक्षा दे रहे एक फर्जी छात्रा को पकड़ा गया है। पकड़ा गया छात्र स्तरोन्नत उवि सोहडीखास के छात्र नॉलेज यादव की जगह परीक्षा लिख रहा था, जिसका रोल नंबर 59 और रोल कोड संख्या 31135 है। मजिस्ट्रेट राजीव रंजन कुमार, एएसआई सुख सागर सिंह और पुलिस बल के जवानों ने वीक्षक की पहचान पर मुन्ना भाई की तर्ज पर परीक्षा दे रहे फर्जी छात्र को हिरासत में ले लिया है। वीक्षक रीना कुमारी ने बताया कि गहन जांच के दौरान छात्र को पकड़ा गया। कॉलेज सुपरीटेंडेंट अजय प्रसाद छात्र के पकड़े जाने के समय मौजूद थे। उन्होंने कहा कि छात्र को पूछताछ के लिए पुलिस को सौंप दिया गया है। फर्जी परीक्षार्थी की पहचान ललेंद्र कुमार के रूप में हुई है। 18 फरवरी से मैट्रिक के एग्जाम में नॉलेज यादव के नाम पर परीक्षा दे रहा था।

BRIEF NEWS

आरबीएल बैंक ने रांची में खोला पहला ब्रांच

RANCHI : मंगलवार को आरबीएल बैंक की रांची में पहली शाखा का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन के दौरान परेश गट्टानी, राजेश बथवाल, हेमंत कुमार और विधायक सीपी सिंह उपस्थित थे। वहीं आरबीएल बैंक के सुदीप चटर्जी, कुमार अभिषेक और गोपाल कुमार भी मौजूद थे। इस दौरान बताया गया कि आरबीएल बैंक की यह शाखा झारखंड में दूसरी और भारत में 58वीं शाखा है। बैंक का नारा अपनों का बैंक है, जो अपने ग्राहकों को बेहतर ब्याज दर और अन्य बैंकिंग उत्पादों की सुविधाएं प्रदान करता है। सुदीप चटर्जी ने आगामी समय में अन्य शाखाओं के उद्घाटन का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि हमारा बैंक अपने सेविंग्स खातों में 75% तक ब्याज देने का दावा करता है, जो इसे एक आकर्षक विकल्प बनाता है।

मौसम साफ होते ही बढ़ने लगा तापमान

RANCHI : राज्य भर में मौसम साफ होते ही तापमान में बढ़ोत्तरी दर्ज की जाने लगी। मंगलवार को रांची में अधिकतम तापमान 28.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि सोमवार को यह 27.1 डिग्री था। इसी प्रकार जमशेदपुर में 30.5 डिग्री के मुकाबले मंगलवार को तापमान 32 डिग्री दर्ज किया गया। इसके अलावा चाईबासा में भी मंगलवार को सोमवार की तुलना में अधिकतम तापमान में एक डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई। यहां का तापमान 31.8 डिग्री के मुकाबले 32.4 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं रांची और आसपास के इलाकों में मंगलवार को दिनभर मौसम साफ रहा, दोपहर में आंशिक बादल छाया रहा। तीन चार दिनों पूर्व हुई बारिश के कारण धूप में तपिश नहीं है। वहीं शाम में ठंड का एहसास हुआ। मौसम विभाग के अनुसार 27 से एक मार्च तक राज्य के उत्तर झपश्चिमी जिले पलामू, गढ़वा, कोडरमा, लातेहार और लोहरदगा में आंशिक बादल छाये रहने की संभावना है।

कमल भूषण हत्याकांड
छोटू कुजूर की जमानत याचिका पर सुनवाई कल

RANCHI : जमीन कारोबारी कमल भूषण हत्याकांड मामले में मुख्य आरोपी डब्लू कुजूर के भाई छोटू कुजूर की जमानत याचिका पर 27 फरवरी को सुनवाई होगी। इस मामले में अभियोजन गवाही पूरी हो गयी है। अभियोजन पक्ष की ओर से साक्ष्य के तौर पर एफएसएल की रिपोर्ट भी कोर्ट में पेश की जा चुकी है। साथ ही हत्याकांड का आरोपी मुनावर अफाक अब सरकारी गवाह बन गया है, उसने मुख्य आरोपियों के खिलाफ गवाही दी है। बता दें कि कमल भूषण की हत्या की 30 मई 2022 को रातू रोड स्थित गैलेक्सी मॉल के पास हुई थी।

आज सुबह 5 से रात 10 बजे तक शहर में बड़े वाहनों की नहीं होगी एंट्री

महाशिवरात्रि को लेकर राजधानी के ट्रैफिक सिस्टम में किया गया बदलाव

- शिव बारात को ध्यान में रखकर छोटे वाहनों के मार्ग भी किए गए निर्धारित
- बोड़ेया तक ही जा सकेंगे कांके से रांची आने वाले सभी वाहन
- बिरसा चौक तक ही जा सकेंगी चाईबासा और खूंटी से आने वाली गाड़ियां

PHOTON NEWS @ RANCHI

रांची : बुधवार को राजधानी रांची में महाशिवरात्रि पर निकलने वाली शिव बारात को लेकर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। शहर में विभिन्न स्थानों से आने वाले वाहनों के लिए नए रूट निर्धारित किए गए हैं, ताकि शिव बारात में किसी तरह की असुविधा न हो। ट्रैफिक रूट में बदलाव के अनुसार बड़े वाहनों की नो ट्री का समय सुबह पांच बजे से रात 10 बजे तक रहेगा। इसी तरह छोटे वाहनों का भी रूट मैप तय किया गया है। नए ट्रैफिक सिस्टम के अनुसार, कांके से रांची आने वाले वाहन बोड़ेया तक ही जाएंगे। चाईबासा-खूंटी से आने वाली गाड़ियां बिरसा चौक तक ही जा सकेंगी। गुमला-सिमडेगा से रांची आने वाले वाहन कटहल मोड़ तक ही सीमित रहेंगे। पलामू-लोहरदगा से आने वाली गाड़ियां सिर्फ पिस्का मोड़ तक ही आ सकेंगी। गुमला-सिमडेगा से आने वाले वाहन आइटीआइ बस स्टैंड तक ही जाएंगे।

मेट्रो गली से न्यू मार्केट तक का रूट

बूटी मोड़, बरियातू मार्ग से छोटे वाहन करमटोली चौक से जेल चौक की ओर जा सकेंगे। बोड़ेया रोड से आनेवाले वाहन करमटोली चौक से जेल चौक की ओर बढ़ सकते हैं। मेट्रो गली से न्यू मार्केट तक वाहनों की अनुमति होगी। हरमू रोड में जुलूस के यू-टर्न के बाद ही रातू रोड, न्यू मार्केट चौक से कांके की तरफ या किशोरी यादव चौक की ओर वाहन जा सकेंगे।

रातू रोड की ओर प्रवेश वर्जित

बारात के दौरान पिस्का मोड़ से सभी प्रकार के वाहनों का रातू रोड की ओर प्रवेश वर्जित रहेगा। शहर के अन्य मार्गों पर छोटे वाहनों का परिचालन सामान्य रूप से जारी रहेगा। यात्री नए मार्गों का पालन करें और अनावश्यक भीड़ से बचें। यातायात नियमों का पालन करें और वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें। आपातकालीन स्थिति में यातायात पुलिस की सहायता लें। आम नागरिक शिव बारात वाले रूट का कम-से-कम प्रयोग करें।

जमशेदपुर से आने वाले वाहनों के लिए इंतजाम

जमशेदपुर से रांची आने वाले वाहन दुर्गा सोरेन चौक तक ही जा सकेंगे. कांके-पतरातू से रांची आने वाले वाहन चांदनी चौक तक ही सीमित रहेंगे। बूटी मोड़ से बरियातू आने वाले वाहन केवल बूटी मोड़ तक ही आ सकेंगे बड़े वाहन, मालवाहक वाहन और सिटी राइड बसें इन मार्गों से नगर क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर सकेंगी। पंडरा पिस्का मोड़ से नगर क्षेत्र की ओर सभी भारी वाहन, मालवाहक वाहन और सिटी राइड बसों का परिचालन बंद रहेगा।

पहाड़ी मंदिर परिसर को साफ करते निगम के सफाई कर्मी ● फोटोन न्यूज

रांची नगर निगम ने महाशिवरात्रि को लेकर चलाया विशेष अभियान

तीन शिफ्ट में मंदिरों के पास कराई जा रही साफ-सफाई

PHOTON NEWS @ RANCHI

महाशिवरात्रि पर्व के मद्देनजर रांची नगर निगम ने शहर के शिवालयों और मंदिरों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाने की पहल की है। इस अभियान का उद्देश्य श्रद्धालुओं को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। नगर निगम क्षेत्र में स्थित पहाड़ी मंदिर सहित सभी प्रमुख शिवालयों और मंदिरों के आस-पास सफाई कार्य किया जा रहा है। नगर निगम ने 3 शिफ्टों में सफाई कराने का निर्देश दिया है।

मंदिर तक पहुंच पथ चकाचक

नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे इस विशेष सफाई अभियान के तहत शिवालयों के आस-पास के क्षेत्रों के साथ-साथ मंदिरों तक पहुंचने वाले सभी संपर्क पथों पर झाड़ू, कूड़े का उठाव, नालियों की सफाई और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव जैसे कार्य किए जा रहे हैं। यह सफाई अभियान तीन शिफ्टों में संचालित हो रहा है, ताकि अधिक से अधिक समय तक सफाई का काम सुचारू रूप से चल सके।

वाटर टैंक और चलंत शौचालय

साथ ही, रांची नगर निगम ने श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अन्य महत्वपूर्ण उपाय भी किए हैं। श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न मंदिरों के बाहर वाटर टैंकर की व्यवस्था की गई है, जिससे उन्हें पानी की सुविधा आसानी से मिल सके। इसके अलावा चलंत शौचालयों की व्यवस्था भी की गई है ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। रांची नगर निगम ने शिवरात्रि पर यह सुनिश्चित किया है कि पर्यावरण को भी ध्यान में रखा जाए और किसी प्रकार की गंदगी या प्रदूषण न फैले।

विधायक दल की बैठक में लिए गए निर्णय के बाद निर्धारित कर दिया गया काम

कांग्रेस के 4 मंत्रियों को प्रमंडल का जिम्मा विधायकों को दो-दो जिलों का प्रभार

PHOTON NEWS @ RANCHI

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की विधायक दल की बैठक 23 फरवरी को हुई थी। इसकी अध्यक्षता विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने की थी। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के राजू और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश भी इस महत्वपूर्ण बैठक में उपस्थित थे। इस बैठक में लिए गए निर्णय के तहत पार्टी के मंत्रियों को प्रमंडल का दायित्व सौंपा गया है। जबकि विधायकों को दो-दो जिलों का प्रभार दिया गया। ये विधायक प्रत्येक महीने अपनी जिम्मेदारी के अनुसार जिला कांग्रेस कमेटी की बैठकों में भाग लेंगे और संगठन को जिला अध्यक्ष के साथ मिलकर ग्रास रूट स्तर तक मजबूत करने का काम करेंगे। साथ ही वे बूथ लेवल ऑफिसर की नियुक्ति भी करेंगे। पार्टी कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाने के लिए बैठकें आयोजित करेंगे। मंत्रियों को 10 या 11 तारीख को संबंधित प्रमंडल के मुख्यालय का दौरा करने की जिम्मेदारी दी गई है, ताकि वे जिला अध्यक्ष व प्रखंड अध्यक्ष के साथ बैठक कर सरकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर चर्चा कर सकें और जनता की शिकायतों का समाधान करवा सकें। वहीं विधायकों को जिलावार दायित्व सौंपे गए हैं।

मंत्रियों को दिए गए प्रमंडल

1. राधाकृष्ण किशोर- पलामू एवं कोल्हान प्रमंडल
2. डॉ. इरफान अंसारी- उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल
3. दीपिका पांडेय सिंह- संथाल परगना प्रमंडल
4. शिल्पी नेहा तिर्की- दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल

विधायकों की जिम्मेदारी

प्रदीप यादव को देवघर, व दुमका, राजेश कच्छप को पूर्वी सिंहभूमव जामताड़ा, डॉ. रामेश्वर उरांव को लोहरदगा व पलामू, रामचंद्र सिंह को लातेहार व गढ़वा, नमन विक्सल कोनगाड़ी को खूंटी व रांची, भूषण बाड़ा को सिमडेगा व गुमला, कुमार जयमंगल को धनबाद व कोडरमा, सोना राम सिंकू को पश्चिमी सिंहभूम व सरायकेला-खरसावां, ममता देवी को रामगढ़ व हजारीबाग, निशात आलम को पाकुड़ व साहेबगंज, सुरेश बैठा को गोड्डा व चतरा, श्वेता सिंह को बोकारो व गिरिडीह।

हैंडलूम सेक्टर में काम करने वालों के लिए सरकार प्रतिबद्ध : उद्योग सचिव

PHOTON NEWS @ RANCHI

राज्य के उद्योग सचिव अरवा राजकमल ने कहा कि झारखंड के इतिहास में पहली बार इस तरह का स्टेट हैंडलूम एक्सपो ऑर्गेनाइज किया जा रहा है। एक्सपो एक ऐसा प्लेटफार्म है, जो न केवल झारखंड के हैंडलूम सेक्टर में काम करने वाले बुनकरों को प्रोत्साहित कर रहा है बल्कि पूरे देश के अन्य राज्यों को भी मंच दे रहा है। उद्योग सचिव अरवा राजकमल मंगलवार को मोराहबादी मैदान में स्टेट हैंडलूम एक्सपो के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। सचिव राजकमल ने कहा कि झारखंड एक विकसित होता हुआ राज्य है, यहां के लोग काफी कला प्रेमी हैं। यहां की संस्कृति में जो कला है, उसका स्वरूप यहां की कलाकृतियों में दिखाई देती है। हैंडलूम एक्सपो हर साल यहां ऑर्गेनाइज करने के लिए हम लोग एक संकल्प लेंगे और जो बुनकर समितियां हैं, उन्हें शेड बनाने से लेकर, उनके मशीन लगाने तक कई सारे सब्सिडीज सरकार के द्वारा दिया जाएगा। प्रति साल सैकड़ो की संख्या में इस तरह का सहयोगी समितियां को भी हम लोग राशि प्रदान करने का काम किया करते हैं। इस साल भी मैं आपको उम्मीद दिलाता हूं कि बजट के अनुरूप ज्यादा से ज्यादा लाभुकों को चयनित करके हम लोग इस योजना का लाभ उनको देंगे।

झारक्राफ्ट की एमडी कीर्तिश्री ने कहा कि झारक्राफ्ट की ओर से पहली बार स्टेट हैंडलूम एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 80 से अधिक स्टॉल हैं। देश के विभिन्न कोने से हमारी बुनकर कम्युनिटीज ने अपना स्टॉल लगाया है।

मोरहाबादी मैदान में स्टेट हैंडलूम एक्सपो का उद्घाटन करते उद्योग सचिव ● फोटोन न्यूज

बेड़ो में चोरों ने दो घरों में चोरी की वारदात को दिया अंजाम

PHOTON NEWS @ RANCHI

मंगलवार को दिनदहाड़े बेड़ो में दो अलग अलग जगहों पर अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पहली घटना प्रखंड सह स्वास्थ्य विभाग में बने सरकारी क्वार्टर में नर्स कांति देवी के घर से चोरी की। इस घटना से कॉलोनी में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी देवप्रताप प्रधान घटनास्थल पहुंचे और घटना की जानकारी ली। ड्यूटी समाप्त होने के बाद जब अपने क्वार्टर पहुंचीं तो देखा कि उनकी अलमारी खुली हुई थी। दस से पंद्रह हजार नकद और एक जोड़ी पायल नहीं थी। दूसरी घटना में बेड़ो के देवी टोली गांव निवासी दुलारी कच्छप के बंद घर में लगभग दिन के एक बजे अज्ञात चोरों ने नकद व जेवरात सहित अन्य सामान की चोरी कर ली। दुलारी कच्छप ने बेड़ो थाना में अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज कराया है। बताया कि गोदरेज में रखा 20 हजार नकद और जेवरात सहित अन्य सामान नहीं था।

सीआरपीएफ की महिला कर्मचारियों को ऑर्किड ने दी सीपीआर की ट्रेनिंग

PHOTON NEWS @ RANCHI

मंगलवार को ऑर्किड मेडिकल सेंटर ने सेम्बो स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 60 से अधिक महिला कर्मचारियों के लिए एक विशेष कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। इसका उद्देश्य महिलाओं को हार्ट अटैक की स्थिति में क्या किया जाए इसको लेकर प्रशिक्षित करना था। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ डॉ. ऋषभ कवल और ऑर्किड की इमरजेंसी टीम ने सभी को सीपीआर तकनीक, हृदय गति रुकने के लक्षणों की पहचान और आपातकालीन स्थितियों में उचित निर्णय लेने की प्रक्रिया के बारे में बताया। यह पहल महिलाओं को न केवल कार्यस्थल पर बल्कि उनके रोजमर्रा के जीवन में भी जागरूक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऑर्किड का यह प्रयास समाज में लोगों को हृदय स्वास्थ्य और जीवन रक्षक तकनीकों के प्रति जागरूकता बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रशिक्षण देते सीआरपीएफ के जवान ● फोटोन न्यूज

भाजपा ने मुख्यमंत्री आवास को ढहाने के मामले पर बोला हमला

क्या दिल्ली की तर्ज पर हेमंत झारखंड में भी बनाने जा रहे शीश महल : प्रतुल शाहदेव

PHOTON NEWS @ RANCHI

मंगलवार को भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि झारखंड सरकार पूर्व के अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार से बहुत ज्यादा प्रेरित रहती है। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के संबंध भी अति मधुर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में अपने लिए शीश महल बनाना शुरू किया था। अब सूचना आ रही है कि झारखंड में भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इसी का अनुसरण करने जा रहे हैं। अधिकारिक मुख्यमंत्री आवास, जिसमें पिछले ढाई दशकों में अनेक मुख्यमंत्रियों ने निवास किया, उसको भवन निर्माण प्रमंडल-1 ने टेंडर निकालकर जमींदोज कर दिया। पूरे तरीके से भवन को ढहाने का काम जारी है। प्रतुल ने कहा यह ऐतिहासिक धरोहर थी, क्योंकि झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री से लेकर अनेक मुख्यमंत्री ने यहां निवास किया था।

उच्च स्तरीय बैठक का दौर जारी

प्रतुल शाहदेव ने कहा अब विभाग की लगातार उच्च स्तरीय बैठकें हो रही हैं, ताकि नए भवन का डीपीआर बन सके। जो जानकारियां मिल रही हैं, उसके अनुसार दिल्ली के शीश महल की तर्ज पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लिए एक सभी आधुनिक सुख सुविधा से लैस शीश महल बनाने पर चर्चा चल रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की तर्ज में अनेक भवनों को हेमंत सोरेन जी ने मिलाकर मुख्यमंत्री आवास बना दिया है।

मंदिर के साथ न हो छेड़छाड़

प्रतुल शाहदेव ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास के परिसर में स्थित हनुमान मंदिर के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं होगी। हनुमान मंदिर की भव्यता पर जरा सभी आंच नहीं आनी चाहिए। सरकार को यह बात सुनिश्चित करनी चाहिए क्योंकि यह सनातनियों के आस्था से जुड़ा प्रश्न है। साथ ही कहा कि जिस प्रदेश में डेढ़ वर्षों में एक भी अबुआ आवास का गृह प्रवेश नहीं हुआ। जहां आज भी बड़ी संख्या में लोगों के सर पर छत नहीं है। ऐसे राज्य में इस तरह की अगर फिजूल खर्ची करने की सोची जा रही है तो यह प्रदेश के आदिवासी मूल निवासी जनता के साथ क्रूर मजाक होगा। प्रतुल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और सत्ताधारी गठबंधन से मांग की कि वो रांची में बनने वाले शीश महल को लेकर स्थिति स्पष्ट करें।

पांच न्यायिक पदाधिकारियों को एलएम की उपाधि के बाद तीन अग्रिम वेतन वृद्धि की स्वीकृति

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट से अनुशंसित झारखंड वरीय न्यायिक सेवा के पांच न्यायिक पदाधिकारियों को एलएम की उपाधी प्राप्त करने के बाद तीन अग्रिम वेतन वृद्धि की स्वीकृति प्रदान की गई है। इनमें जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश धीरज कुमार, दीपक बर्णवाल, बिरेंद्र कुमार, शिवनाथ त्रिपाठी और आशुतोष कुमार पांडेय शामिल हैं। उक्त अग्रिम वेतन वृद्धि वेतन का हिस्सा होगी और महंगाई भत्ता इसके अनुसार तय होगा। इस संबंध में कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। इसके अलावा चार सेवानिवृत न्यायिक पदाधिकारियों को भी एलएलएम उपाधी प्राप्त करने के बाद तीन अग्रिम वेतन वृद्धि की स्वीकृति दी गई है।

शरीर में सूजन और तेज धड़कन की समस्या से जूझ रही थी मरीज

रिम्स में 35 साल की महिला की हुई ओपेन हार्ट सर्जरी

- एक्सपर्ट डॉक्टरों की टीम ने दी नई जिंदगी अचानक सांस लेने में होती थी तकलीफ
- जन्म से ही महिला के हृदय में थे दो छेद
- मरीज का इलाज आयुष्मान योजना के तहत किया गया नि:शुल्क

PHOTON NEWS @ RANCHI

झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स के कार्डियोथोरैसिक वेस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग ने पलामू जिले से आई एक 35 साल की महिला की सफल ओपेन हार्ट सर्जरी की है। महिला का हार्ट जन्म से एक गंभीर बीमारी से प्रभावित था, जिसे मेडिकल भाषा में एट्रियोवेंट्रीकुलर सेप्टल डिफेक्ट (एवीएसडी) कहा जाता है। इस बीमारी में दिल में दो तरह के छेद होते हैं-एक एट्रियल सेप्टल डिफेक्ट और दूसरा वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट। इसके साथ ही माइट्रल और ट्राइकसपिड वाल्व की बनावट में भी खराबी होती है। इस बीमारी का बचपन में ही इलाज संभव था, लेकिन अब तक इलाज नहीं हो सका था। पिछले कुछ वर्षों से उसे सांस फूलने, शरीर में सूजन और तेज धड़कन की समस्या हो रही थी। महिला की ईकोकार्डियोग्राफी और कार्डियक सीटी स्कैन से एवीएसडी की पुष्टि हुई।

मरीज की स्थिति में हो रहा सुधार

सीटीवीएस विभाग की टीम ने सफलतापूर्वक ओपन हार्ट सर्जरी की। जिसमें महिला के माइट्रल और ट्राइकसपिड वाल्व का रिपेयर किया गया और दिल के दोनों छेदों को बंद किया गया। ऑपरेशन के बाद, महिला की स्थिति में सुधार देखा गया है। महिला को सीटीवीएस आईसीयू के रिकवरी वार्ड में शिफ्ट किया गया है, जहां उनकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

सर्जरी टीम में ये रहे शामिल

सीटीवीएस टीम का नेतृत्व डॉ. राकेश चौधरी ने किया, जबकि टीम में डॉ. शिव प्रिये, डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. पूर्वा, डॉ. रवीना, डॉ. पशुपति और डॉ. प्रिया शामिल थे। ऑपरेशन और पोस्ट-ऑपरेशन देखभाल में ओटी असिस्टेंट राजेंद्र, खुशबू, सरोज, अभिषेक, सीटीवीएस आईसीयू इंचार्ज सिस्टर सुनीता, प्रिसिला, रीना, परफ्यूजनिस्ट अमित, फ्लोर स्टाफ प्रीति और सूरज ने अहम योगदान दिया।

सारंडा में पुलिस ने नक्सलियों के 2 बंकर किए ध्वस्त, हथियारों का जखीरा बरामद

सीआरपीएफ व पुलिस के संयुक्त अभियान में मिली सफलता, राइफल व गोलियों सहित अन्य सामान भी मिले

हथियारों के साथ सीआरपीएफ और पुलिस अधिकारी व बरामद अन्य सामान ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले में नक्सल प्रभावित क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ पुलिस को एक कामयाबी मिली है। सीआरपीएफ और जिला पुलिस ने संयुक्त सर्च अभियान में नक्सलीयो का 2 डम्प ध्वस्त कर दिया है। यहां से पुलिस ने हथियार का जखीरा बरामद किया हैं।

पश्चिमी सिंहभूम जिला के एसपी आशुतोष शेखर ने बताया कि प्रतिबंधित भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के उग्रवादियों ने टोटों थानाअतर्गत जंगली,पहाडी क्षेत्र में हथियार गोला-बारूद छुपाकर रखा था।

सूचना मिलने पर 197 सीआरपीएफ और पुलिस के जवान टोटों थाना अंतर्गत ग्राम सरजामबुरू, तुम्बाहाका, पूर्ति टोला एवं जीम्कीइकीर के आस-पास जंगली, पहाडी क्षेत्र में पहुंचे और सर्च अभियान शुरू किया। सरजामबुरू और तुम्बाहाका के पास जीम्कीइकीर वन क्षेत्र में नक्सलियों के दो डम्प को ध्वस्त किया गया।

यहां से जमीन के नीचे ड्रम में रखी गई रायफल , गोली, नक्सली वर्दी सहित अन्य सामान बरामद हुआ है।

इन क्षेत्रों में नक्सलियों के खिलाफ हो रही कार्रवाई

नक्सलियों के विरुद्ध पुलिस का साल 2022 से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसमें गोईलकेरा थाना क्षेत्र के ग्राम कुईडा, छोटा कुईड़ा, मारादिरी, मेरालगडा, हाथीबुरु, तिलायबेडा बोयपाईससाग, कटम्बा, बायहातु, बोरोय, लेमसाडीह के सीमावर्ती क्षेत्र तथा टोटों थाना के ग्राम हुसिपी, राजाबासा, तुम्बाहाका, रेगड़ा, पाटातोरब, गोबुरू, लुईया आदि इलाका शामिल है।

इन नक्सलियों के खिलाफ चल रहा अभियान

प्रतिबंधित भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ सारंडा इलाके में हैं। इन्हीं को दबोचने के लिए यह अभियान चल रहा है।

पुलिस ने ये हथियार किए हैं बरामद

एम० 16 राइफल (5.56 एम०एम०)-01, 303 बोल्ट एक्शन राइफल-05, 315 बोर राइफल-03, फैक्ट्री मेड एयर गन-01, एम० 16 राइफल का मैगजीन-02, बोल्ट एक्शन राइफल मैगजीन-05,315 बोर राइफल मैगजीन-03,5.56 एम०एम० का कारतूस-21, 7.62 एम०एम० का कारतूस 17, 315 बोर राइफल का कारतूस-267,303. बोल्ट एक्शन राइफल का कारतूस-227,वायरलैस सेट-03,बैटरी-02,नक्सली कपडा-11 थान,ऐम्युनिशन पाउच-08अन्य दैनिक उपयोग का सामान आदि।

प्रदर्शन करते ग्रामीण ● फोटोन न्यूज

जमीन अधिग्रहण के विरोध में ग्रामीणों का अर्धनग्न प्रदर्शन

CHAIBASA : अखिल भारतीय क्रांतिकारी आदिवासी महासभा ने ग्रामीण क्षेत्रों में बिना ग्राम सभा किए विकास के नाम पर ग्रामीणों की जमीन के अधिग्रहण के विरोध में अर्धनग्न प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में शामिल पुरुषों ने अर्धनग्न प्रदर्शन करते हुए बिना ग्राम सभा किए जमीन के अधिग्रहण का जमकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने पुराने उपायुक्त कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन कर राष्ट्रपति और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। जॉन मिरान मुंडा ने कहा कि कोल्हान क्षेत्र पांचवी अनुसूची क्षेत्र के तहत आता है। यहां नियंत्रण एवं प्रशासन तथा संरक्षण का अधिकार राष्ट्रपति और राज्यपाल को है। लंबे समय से विकास के लिए आदिवासियों की जमीन बिना ग्राम सभा किए ही ली जा रही है। इन्हीं जमीनों पर यहां विभिन्न कंपनियों का निर्माण हुआ है। उन्होंने बताया कि उनका विरोध शहर से सटे 30 गांव से होते हुए रिंग रोड के निर्माण और राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 75 ई चाईबासा हाट गम्हरिया सड़क में आरओबी के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए पेसा कानून के तहत ग्राम सभा कराई जाए। ग्राम सभा की अनुमति के बाद ही भूमि अधिग्रहण हो। भूमि अधिग्रहण के बाद आदिवासियों को जमीन का उचित मुआवजा दिलाया जाए।

जगन्नाथपुर में 407 को बस ने मारी टक्कर दो मजदूर घायल

GHATSILA : गालूडीह थाना क्षेत्र के जगन्नाथपुर गांव के पास एनएच 18 पर मंगलवार की शाम 4 बजे टाटा 407 को तीर्थ यात्रियों से भरी बस ने टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में टाटा 407 वाहन पर सवार दो मजदूर घायल हो गए। जबकि, बस पर सवार तीर्थयात्री बाल बाल बच गए। दोनों घायल मजदूरों को हाईवे पेट्रोलिंग वाहन से घाटशिला अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया गया। अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सक डॉ आरएन टुडू ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को छोड़ दिया गया। ऊपर पावड़ा निवासी घायल मजदूर शंभू सिंह और सुखलाल हेंब्रम ने बताया कि वह दोनों जमशेदपुर के गोविंदपुर ईंट अनलोड करके वापस घाटशिला आ रहे थे। तभी यह हादसा हुआ।

जुगसलाई में युवक पर फायरिंग मामले में महिला समेत चार गिरफ्तार

मुख्य आरोपी अभी भी फरार, गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही पुलिस

PHOTON NEWS JSR: जुगसलाई में 16 फरवरी को हुए युवक इसरार पर फायरिंग के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। इस घटना में घायल युवक इसरार को बदमाशों ने गोली मारी थी। पुलिस ने इस मामले में एक महिला समेत चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से एक पिस्तौल, चार कारतूस, चार स्मार्टफोन और एक स्कूटी बरामद की गई है। इस मामले में पुलिस ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सभी गिरफ्तार बदमाशों को मीडिया के सामने पेश किया और उन्हें जेल भेज दिया है। अभी भी इस केस का मुख्य आरोपी भाकुड़ पुलिस की पकड़ से बाहर है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

पत्रकारों को जानकारी देते सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ● फोटोन न्यूज

एसआइटी ने की बदमाशों की गिरफ्तारी

सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि पुलिस ने जुगसलाई के गरीब नवाज कॉलोनी के रहने वाले जाहिद हुसैन उर्फ विक्की, अरमान उर्फ पतला, कदमा के शास्त्री नगर के रहने वाले समीर कालिंदी और धतकीडीह की निखत परवीन उर्फ पूजा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि जाहिद हुसैन उर्फ विक्की का अपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस ने इन बदमाशों को पकड़ने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया था। इस टीम का नेतृत्व डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर तौकीर आलम कर रहे थे।

खरकई ब्रिज के पास से पकड़े गए बदमाश

पुलिस को सूचना मिली थी कि एक महिला और कुछ युवक खरकाई रेलवे ब्रिज के पास एक पिस्तौल के साथ घूम रहे हैं। पुलिस ने तुरंत छापामारी कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। महिला निखत परवीन उर्फ पूजा ने बताया कि जो पिस्टल उसके पास थी, वह खुर्शीद उर्फ भाकुड़ और निजाम का था। 16 फरवरी को गरीब नवाज कॉलोनी में फायरिंग के बाद खुर्शीद फरार हो गया था और उसने अपना पिस्तौल निखत को रखने के लिए दिया था। निखत ने यह पिस्तौल जाहिद, अरमान और समीर को देने के लिए लाया था, तभी पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

पिस्तौल के साथ पुलिस के हत्थे चढ़ा बदमाश

JAMSHEDPUR : जुगसलाई के आरपी पटेल स्कूल के पास एक बदमाश पिस्तौल लेकर घूम रहा था। पुलिस को सूचना मिली थी कि वह किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। इसके बाद पुलिस ने छापामारी करते हुए उसे धर दबोचा। इस बदमाश का नाम पिंटू सिंह है, जो जुगसलाई के छपरहिया मोहल्ले का रहने वाला है। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के बाद उसके पास से एक पिस्तौल और एक स्कूटी बरामद की। सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि पिंटू सिंह को पुलिस ने मौके से पकड़ा और उसे मेडिकल जांच के लिए एमजीएम अस्पताल ले जाया गया। जांच के बाद पुलिस ने उसे जेल भेज दिया। सिटी एसपी ने बताया कि पिंटू सिंह के बारे में जानकारी मिलने के बाद फौरन एक टीम का गठन किया गया। इसके बाद जब पुलिस पिंटू को पकड़ने के लिए पहुंची तो वह भागने लगा। इस पर पुलिस कर्मियों ने उसे दौड़ा कर पकड़ लिया।

कदमा में आपराधिक घटना की साजिश रच रहे दो बदमाश गिरफ्तार, देसी कट्टा बरामद

घटना की जानकारी देते सिटी एसपी ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : कदमा थाना क्षेत्र के रामजन्म नगर स्थित छठ घाट के पास से पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, ये दोनों बदमाश आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। सिटी एसपी शिवाशीश कुमार ने मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि गिरफ्तार बदमाशों में कदमा थाना क्षेत्र के रामजन्म नगर काली मंदिर रोड के पास का रहने वाला गणेश महतो और सरायकेला के सिहनी गांव का करण तंतुबाई शामिल हैं। करण तंतुबाई फिलहाल कदमा के रामजन्म नगर रोड नंबर 1 में अपने नाना बुद्धेश्वर तंतुबाई के घर में रह रहा है। पुलिस ने करण के पास से एक देसी कट्टा बरामद किया है। उन्होंने बताया कि प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद पुलिस ने दोनों बदमाशों को एमजीएम अस्पताल भेजकर मेडिकल जांच करवाई और फिर उन्हें जेल भेज दिया। पुलिस ने यह भी बताया कि इन दोनों बदमाशों का आपराधिक इतिहास रहा है, और दोनों पहले भी जेल जा चुके हैं। गणेश महतो तो डेढ़ महीने पहले ही जेल से बाहर आया था। गौरतलब है कि गणेश महतो की कदमा इलाके में दहशत है। इन बदमाशों की गिरफ्तारी से लोगों ने चैन की सांस ली है।

समाचार सार

दीनदयाल शिशु विद्या मंदिर में बनेगा छात्रावास

GOILKERA : दीनदयाल शिशु विद्या मंदिर गोइलकेरा में करीब एक करोड़ रुपये की लागत से भगवंती देवी छात्रावास का निर्माण होगा। इसको लेकर विद्यालय परिसर में विधिवत रूप से भूमि पूजन किया गया। छात्रावास का निर्माण कार्य गुजरात के सूरत की संस्था मातुश्री काशीबा हरिभाई गोटी चेरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा कराया जाएगा। ट्रस्ट द्वारा पूरे भारत में सरस्वती धाम योजना के तहत 351 विद्यालय एवं छात्रावास के निर्माण कार्य का लक्ष्य है। ट्रस्ट के धनजी भाई बनानी ने कहा कि ट्रस्ट की ओर से पूरे भारत में शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग का कार्य करते हुए राष्ट्र निर्माण का प्रयास किया जा रहा है। ताकि कोई भी बच्चा गरीबी के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। मौके पर वनवासी कल्याण केंद्र गोइलकेरा के संरक्षक डॉ अनिल प्रधान, संरक्षक आलोक रंजन सिंह, अध्यक्ष रमेश नाग, सचिव अनंत प्रसाद गुप्ता, रांची रिम्स के डॉक्टर मनोज कोड़ा, 20 सूत्री अध्यक्ष अकबर खान, मुखिया गणेश बोदरा, सीताराम बेसरा, ओम जयसवाल, रामचंद्र जायसवाल, रामचंद्र प्रसाद गुप्ता, सुनील गुप्ता, स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

पूर्णापानी में शिवलिंग की हुई प्राणप्रतिष्ठा

GHATSILA : घाटशिला प्रखंड के बड़ाजुड़ी पंचायत के पूर्णापानी गांव में मंगलवार को शिव लिंग की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की गई। पुजारी दिव्यलोचन कर और बापी पाणिग्रही ने विधिवत पूजा अर्चना व मंत्रोच्चारण के बीच प्राण प्रतिष्ठा कराई। इसके बाद ग्रामीणों द्वारा महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू उपस्थित थी। देवयानी मुर्मू ने विधिवत पूजा अर्चना कर सुख, शांति व समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर गांव के लोगों को जलाभिषेक करने में काफी सुविधा होगी। इस मौके पर ग्राम प्रधान आनंद सिंह, चंद्रमोहन सिंह, राजेन सिंह, सुनील सिंह, भरत सिंह, पक्षीराज सिंह, वासुदेव सिंह,अपिन सिंह,अजित सिंह, संतोष सिंह, सुशांत गोराई, समेत अनेक लोग उपस्थित थे।

खाद्य योजनाओं का लाभ हर लाभुक तक पहुंचे : डीसी

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा में जिला आपूर्ति कार्यालय द्वारा पिल्लई हॉल में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने की। कार्यशाला का उद्देश्य राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के बारे में जागरूकता बढ़ाना और योजनाओं के कार्यान्वयन में पारदर्शिता और निगरानी सुनिश्चित करना था। उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने कहा कि कार्यशाला योजनाओं की समीक्षा के लिए नहीं, बल्कि योजनाओं के कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न तकनीकी और अन्य जानकारी से उपस्थित लोगों को अवगत कराने के लिए आयोजित की गई थी।

सीएससी से नकद समेत कीमती सामान ले भागे चोर

मुकरुडीह स्थित सीएससी

JAMSHEDPUR : बोड़ाम थाना क्षेत्र के मुकरुडीह में सीएससी का ताला तोड़ कर चोरों ने नकदी समेत लाखों रुपए का सामान पार कर दिया है। घटना की जानकारी पुलिस को दे दी गई है। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। सीएससी कदमजोड़ा गांव के पारितोष महतो का है। पारितोष महतो ने बताया कि सोमवार की शाम 6:00 बजे उन्होंने काम कर-के सीएससी को बंद कर दिया था। सीएससी केंद्र में बड़ासुसनी गांव स्थित ग्रामीण बैंक का बीसी भी है। विभिन्न जगहों से लाकर तीन लाख रुपए कैश रखे गए थे। इससे लेनदेन भी किया गया था। पारितोष महतो का कहना है कि लॉगिन आईडी करके देखा जाएगा कि बैंक के ग्राहकों को कितने रुपए दिए गए। ग्राहकों को देने के बाद जो भी रुपए थे वह सब चोर पार कर ले गए हैं। इसके अलावा चोर जेरॉक्स मशीन, प्रिंटर, लैपटॉप आदि सामान भी पार कर ले गए हैं। कैश बॉक्स में ढाई लाख रुपए रखे हुए थे। इसको भी चोरों ने पार कर दिया है। घटना के बाद से मुकरुडीह में सनसनी फैली हुई है। लोगों का कहना है कि बोड़ाम पुलिस की लापरवाही से इस तरह की घटना घट रही है। पुलिस इन दिनों गश्त में कोताही बरत रही है।

शिवरात्रि पर दोमुहानी घाट पर होगी भव्य स्वर्णरेखा आरती

JAMSHEDPUR : दोमुहानी घाट पर शिवरात्रि को लेकर स्वर्णरेखा आरती का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति के मनोज झा ने बताया कि जो लोग कुंभ नहीं जा सकें हैं वे स्वर्णरेखा घाट पर आरती का आनंद ले सकते हैं। इसमें बनारस के अस्सी घाट के प्रसिद्ध आचार्य मोहित जी के नेतृत्व में काशी के पंडित भव्य स्वर्णरेखा आरती करेंगे। इसके साथ ही नदी पूजन भी पुरोहितों की देख रेख में होगा। संध्या 5 बजे पहले नदी पूजन होगा। इसके बाद भव्य आरती का आयोजन होगा। इस दौरान अलौकिक पुष्प वर्षा और आतिशबाजी भी की जाएगी। इस बार कार्यक्रम में एक लाख से ज्यादा लोगों के जुटने की उम्मीद है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में आयोजन समिति के मनोज झा, बबुआ झा, सुरेंद्र गुप्ता, अजय मिश्रा, बबन शुक्ला, लखीन्द्र करुआ, अनिल सिंह, ईश्वर सिंह, प्रभात ठाकुर, संजय तिवारी समेत आयोजन समिति के अन्य लोग उपस्थित रहे।

सीएस एग्जीक्यूटिव व प्रोफेशनल कोर्स का परिणाम जारी, शहर के कई छात्र हुए सफल

PHOTON NEWS JSR : इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) की सीएस एग्जीक्यूटिव और सीएस प्रोफेशनल कोर्स की परीक्षा का रिजल्ट मंगलवार को जारी कर दिया गया। यह परीक्षाएं 21 से 30 दिसंबर के बीच कराई गई थीं। परीक्षा में शामिल छात्र आधिकारिक वेबसाइट icsi.edu से परीक्षा परिणाम डाउनलोड कर सकते हैं।

जमशेदपुर के कई छात्र हुए सफल : अगर जमशेदपुर की बात करें तो प्रोफेशनल प्रोग्राम (2017 सलेबस) में 41.67 प्रतिशत अभ्यर्थी मॉड्यूल-I में उत्तीर्ण हुए। मॉड्यूल-II में 46.15 प्रतिशत और मॉड्यूल-III में 16.67 प्रतिशत। इसी प्रकार प्रोफेशनल प्रोग्राम (2022 सलेबस) परीक्षा में जमशेदपुर शहर से 21.43 प्रतिशत

मान्या कुमारी

अभ्यर्थी मॉड्यूल-I में उत्तीर्ण हुए मॉड्यूल - II में 36.36 प्रतिशत अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए हैं। एग्जीक्यूजिव (2017 सलेबस) प्रोग्राम परीक्षा जमशेदपुर शहर में 25.93 प्रतिशत मॉड्यूल-I और 36.36 प्रतिशत अभ्यर्थी मॉड्यूल - II में उत्तीर्ण हुए हैं। इसी प्रकार एग्जीक्यूजिव (2022 सलेबस) प्रोग्राम परीक्षा जमशेदपुर शहर में 12.50 प्रतिशत मॉड्यूल-I और 23.08 प्रतिशत अभ्यर्थी मॉड्यूल - II में उत्तीर्ण हुए हैं। जमशेदपुर परीक्षा केंद्र से मान्या कुमारी, एग्जीक्यूजिव प्रोग्राम (2017 पाठ्यक्रम) ने परीक्षा में ऑल-इण्डिया चौथी रैंक प्राप्त किया है एवं जमशेदपुर शहर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

कुल इस प्रकार रहा झारखंड का परिणाम: प्रोफेशनल प्रोग्राम (2017 सलेबस) में,झारखंड से मॉड्यूल - I में 43.24 प्रतिशत उम्मीदवार उत्तीर्ण हुए है। वहीं मॉड्यूल -II 29.79 प्रतिशत जबकि 31.58 प्रतिशत मॉड्यूल-III में सफल हुए हैं। इसी प्रकार, प्रोफेशनल कार्यक्रम परीक्षा (पाठ्यक्रम - 2022) में, झारखंड राज्य से मॉड्यूल-' में 33.93 प्रतिशत और मॉड्यूल - कक्र में 34.00 प्रतिशत अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए।

विधानसभा में विधायक सुखराम उरांव के सवाल पर मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने दिया जवाब

आधुनिक संस्थान के तौर पर विकसित होगा जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर विधायक सुखराम उरांव ने झारखंड विधानसभा में मंगलवार को जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय के जीर्णोद्धार का मुद्दा उठाया। इस पर जवाब देते हुए मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने जवाब दिया कि सरकार ने महाविद्यालय चक्रधरपुर को एक आधुनिक संस्थान के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड ने डीपीआर तैयार किया है। इसका जीर्णोद्धार कार्य और नए विज्ञान ब्लॉक, कला ब्लॉक और बहुउद्देशीय ब्लॉक को शामिल किया गया है। डीपीआर पर प्रशासनिक स्वीकृति की कार्रवाई चल रही है।सरकार ने महाविद्यालय के जीर्णोद्धार और नए भवनों के निर्माण के लिए डीपीआर तैयार करने और प्रशासनिक स्वीकृति की कार्रवाई करने की बात कही है। सरकार ने महाविद्यालय को एक आधुनिक संस्थान बनाने जा रही है। विधायक ने विधानसभा को बताया कि महाविद्यालय की जर्जर हालत और छात्रों को हो रही परेशानी को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र में एकमात्र जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय है। इसमें इंटर और ग्रेजुएशन के तीनों संकायों को मिलाकर 7000 छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। विधायक ने कहा कि महाविद्यालय का अपना भवन नहीं होने से तत्कालीन राजा स्वर्गीय अर्जुन सिंह के महल में पढ़ाई हो रही है। क्या सरकार चक्रधरपुर के जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय भवन का निर्माण कराने पर विचार कर रही है? यदि हां, तो कब तक? यदि नहीं, तो क्यों? विधायक सुखराम उरांव ने महाविद्यालय की जर्जर हालत पर चिंता व्यक्त की और छात्रों को हो रही परेशानियों को दूर करने की मांग की। उन्होंने सरकार से जल्द से जल्द महाविद्यालय के नए भवन का निर्माण कराने का आग्रह किया। इस पर नगर विकास विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि उन्होंने कहा कि स्वर्गीय अर्जुन सिंह के महल परिसर को महाविद्यालय ने 1980 में खरीदा था। सरकार ने भवन का जीर्णोद्धार कराया है।

अर्का जैन की स्किल स्टार्ट-अप प्रदर्शनी में दिखा छात्रों का आत्मविश्वास, उद्यमशीलता को मिली उड़ान

JAMSHEDPUR : अर्का जैन विश्वविद्यालय के नर्सिंग स्कूल ने टोस्ट मास्टर क्लब के सहयोग से स्किल स्टार्ट अप प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य छात्रों में आत्मविश्वास और उद्यमिता की भावना को बढ़ावा देना था। यह आयोजन जेईएच ऑडिटोरियम में सुबह 9 बजे से शुरू हुआ और इसमें विश्वविद्यालय के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. शाहीन फातमा, जो कि अर्का जैन विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश में सहायक प्रोफेसर और टोस्ट मास्टर क्लब की सक्रिय सदस्य हैं, ने छात्रों के साथ संचार और सार्वजनिक भाषण कला में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने छात्रों को प्रभावी रूप से अपने विचारों को प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया और इस दौरान एक दिलचस्प गतिविधि का संचालन भी किया, जिसने छात्रों को अपने डर पर काबू पाने और आत्म-विश्वास बढ़ाने का अवसर दिया। डॉ. शाहीन फातमा द्वारा संचालित गतिविधि ने छात्रों में रचनात्मक सोच को बढ़ावा दिया और उन्हें यह सिखाया कि कैसे वे बिना किसी झिझक के अपने विचार साझा कर सकते हैं। इस दौरान उन्होंने छात्रों को यह समझाया कि विचारों को प्रभावी तरीके से प्रस्तुत करने के लिए आत्मविश्वास बेहद आवश्यक है।

BRIEF NEWS

भागलपुर के स्कूल में 7 बच्चे अचानक हुए बीमार

BHAGALPUR : भागलपुर जिले के परसबन्ना पंचायत स्थित मध्य विद्यालय नारायणपुर में मंगलवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब प्रार्थना सभा के दौरान सात छात्र-छात्राएं अचानक बीमार हो गए। कुछ बच्चों को उल्टी शुरू हो गई, जबकि कुछ बेहोश होकर गिर पड़े। इस घटना से स्कूल में अफरातफरी मच गई और परिजनों को तुरंत सूचना दी गई। सुबह की प्रार्थना सभा के दौरान कक्षा चार की सूफी प्रवीण और कक्षा पांच की नाजिया खातून को अचानक उल्टी होने लगी। दोनों छात्राओं की हालत बिगड़ती देख वहां मौजूद अन्य छात्रों में दहशत फैल गई। शिक्षकों ने तुरंत दोनों के परिजनों को सूचना देकर घर भेज दिया। वहीं, कुछ समय बाद कक्षा सप्तम के छात्र-छात्राओं की भी तबीयत खराब होने लगी। सानिया खातून, महजबीना खातून, मनीष कुमार, अजीज, शहंशाह और अशरफ अचानक कमजोरी महसूस करने लगे।

गांधी मैदान में 'हम' का दलित समागम 28 को

PATNA : पटना के गांधी मैदान में जीतन राम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा 28 फरवरी को दलित समागम करने जा रही है। पार्टी प्रमुख और बिहार सरकार में मंत्री संतोष सुमन ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शिरकत करेंगे। मंत्री सुमन ने कहा कि गांधी मैदान में दलित समागम में महाजुटान होने जा रहा है। पूरे प्रदेश से लाखों लोग आ रहे हैं, यह एक ऐसा कार्यक्रम है जिसमें गरीब और दलित समाज के लोग आ रहे हैं। समाज के पिछड़े गरीब लोग आकर समागम में अपने अधिकारों की बात करेंगे। अपने प्रतिनिधित्व की बात करेंगे। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा दलितों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जागरूकता प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाएगी।

जमीन सर्वे के लिए 8 प्रमंडलों में लगा सर्वर

PATNA : बिहार में जमीन सर्वे के काम में आने वाली हर परेशानी को विभाग ठीक करने में लगा है। इसी कड़ी में बिहार के 9 प्रमंडलों में से 8 प्रमंडलों के में इसके लिए अलग सर्वर लगया गया है। जो कि काम भी करने लगा है। सारण प्रमंडल का अपना सर्वर भी आज शाम से काम करना शुरू कर देगा। इस नई व्यवस्था से भूमि सर्वे के काम में और तेजी आएगी। खासकर सर्वे अमीन द्वारा तेरीज का डाटा अपलोड करने और रैयत द्वारा स्वघोषणा को ऑनलाइन अपलोड करने में आ रही समस्या दूर हो जायेगी। इससे पहले भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशक कमलेश कुमार सिंह ने शास्त्रीनगर स्थित राजस्व सर्वे प्रशिक्षण संस्थान में आज स्वघोषणा की प्रगति की जिलावार समीक्षा की। दूसरे चरण के जिन 18 जिलों में भूमि सर्वेक्षण का काम शुरू हुआ है उनमें सर्वाधिक संतोष जनक प्रगति दरभंगा जिले की रही।

महाशिवरात्रि आज, शिवालयों में मुकम्मल हुई तैयारी

69 स्थानों पर मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस की प्रतिनियुक्ति

- मंदिरों और शिवालयों में उमड़ने वाली भीड़ के मद्देनजर सुरक्षा का किया गया विशेष इंतजाम
- शिवालय सहित मेला स्थल पर सीसीटीवी और वीडियोग्राफी किए जाने का निर्देश

PHOTON NEWS @ ARARIYA
महाशिवरात्रि को लेकर जिले के सभी शिवालयों और मंदिरों में तैयारी जोर शोर से की जा रही है। शिवालय सहित मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया संवारा जा रहा है। कुसाकांटा के सुन्दरनाथ धाम मंदिर, मदनपुर में मदनेश्वरधाम, रानीगंज के बसेटी स्थित इन्द्रमतेश्वरधाम, फारबिसगंज के बड़ा शिवालय, शंकरपुर के शिव मंदिर, जोगबनी के शिव मंदिर सहित अन्य मंदिरों में महाशिवरात्रि पर होने वाले पूजा अर्चना को लेकर परिसर में साफ सफाई, रंग रोगन के साथ ही फूलमालाओं से सजाया संवारा जा रहा है। महाशिवरात्रि को लेकर मंदिरों और शिवालयों में उमड़ने वाली भीड़ के मद्देनजर जिला प्रशासन ने भी सुरक्षा व्यवस्था की विशेष तैयारी की है। जिला प्रशासन की ओर से 69 स्थानों को चिन्हित कर वहां मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस अधिकारियों और बलों की प्रतिनियुक्ति की है। इसके अलावे चौक चौराहों पर पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति को लेकर डीएम अनिल कुमार और एसपी अंजनी कुमार के द्वारा संयुक्त आदेश निकाला गया है। डीजे सहित द्विअर्थी गीतों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया गया है। साथ ही विधि व्यवस्था संधारण को लेकर जिला मुख्यालय में कंट्रोल रूम के साथ ही अररिया सदर और फारबिसगंज अनुमंडल क्षेत्र के लिए अनुमंडल प्रशासन को जिम्मेवारी सौंपी गई है। मंदिर और शिवालय सहित मौके पर लगने वाले मेला स्थल पर सीसीटीवी और वीडियोग्राफी किए जाने का निर्देश दिया गया है। महाशिवरात्रि के मौके पर खासकर कुसाकांटा के सुन्दरनाथ धाम मंदिर,मदनपुर स्थित मदनेश्वरनाथ धाम मंदिर, रानीगंज के बसेटी स्थित इन्द्रमतेश्वरधाम मंदिर, फारबिसगंज के बड़ा शिवालय, शंकरपुर शिव मंदिर में हजारों की भीड़ जलाभिषेक के लिए उमड़ती है। जिसमें अररिया जिला सहित पड़ोसी जिला और आबादी संख्या में नेपाल से शिव भक्त पूजा अर्चना और जलाभिषेक के लिए इन मंदिरों में पहुंचते हैं।

संस्थान के शताब्दी समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने लिया भाग, कहा-

पटना मेडिकल कॉलेज बिहार की अमूल्य धरोहरों में से एक

PHOTON NEWS @ PATNA
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि पटना मेडिकल कॉलेज बिहार की अमूल्य धरोहरों में से एक है। इस संस्थान का पुरातनता को संरक्षित करने और आधुनिकता की ओर निरंतर अग्रसर होने का गौरवशाली इतिहास रहा है। पटना मेडीकल कालेज एवं हास्पिटल (पीएमसीएच) एशिया के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में से एक रहा है। इस संस्थान के पूर्व छात्रों ने अपनी प्रतिभा, सेवा और समर्पण के बल पर देश-विदेश में अपना और पीएमसीएच का नाम रोशन किया है। वह मंगलवार को पटना मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के शताब्दी समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहीं थीं। राष्ट्रपति ने कहा कि इलाज के लिए दूसरे शहर या राज्य में जाने से कई तरह से नुकसान होता है, जैसे इलाज में देरी, भोजन, आवास और रोजगार की समस्या। इससे बड़े शहरों के चिकित्सा संस्थानों पर भी बोझ पड़ता है। देश भर में अच्छे चिकित्सा संस्थानों का विकेंद्रीकरण इन सभी समस्याओं को हल करने में मददगार साबित होगा। चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई और इंदौर जैसे शहर विशिष्ट उपचार के केंद्र के रूप में विकसित हुए हैं। बिहार को भी ऐसे कई केंद्र विकसित करने चाहिए। इससे न केवल बिहार के लोगों को अच्छी चिकित्सा मिलेगी, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि पीएमसीएच और इसके पूर्व छात्र अपने अनुभव से इस प्रयास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। यह तकनीक का युग है। चिकित्सा क्षेत्र में भी तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स जैसी तकनीकें चिकित्सा प्रक्रिया को सरल और सटीक बना रही हैं। उन्होंने पीएमसीएच के सभी हितधारकों से नवीनतम तकनीकों को अपनाने के लिए हमेशा तैयार रहने का आग्रह किया। कहा कि इससे न केवल इलाज आसान होगा, बल्कि डॉक्टरों का ज्ञान और दक्षता भी बढ़ेगी। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे डाक्ट शोधकर्ता, चिकित्सक, शिक्षक और परामर्शदाता भी हैं। इन सभी भूमिकाओं में वे लोगों और समाज की सेवा करते हैं और राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हैं।

पीएमसीएच के शताब्दी वर्ष समारोह में मंच पर राष्ट्रपति और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ● फोटोन न्यूज

पीएमसीएच में इलाज को आते थे दूसरे राज्यों के भी लोग : नीतीश कुमार

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि पटना चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (पीएमसीएच) का विशेष महत्व रहा है। यहां इलाज के लिए दूसरे राज्य के लोग भी आते थे। 25 फरवरी, 1925 को पीएमसीएच की स्थापना की गई थी। देश में उस समय बहुत कम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल थे। उन्होंने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया कि हम इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ते थे, तब उस समय पीएमसीएच के छात्रों से जो हमारे मित्र हुआ करते थे, उनसे मुलाकात होती थी। वह मंगलवार को पीएमसीएच के बाबू सभागार में आयोजित शताब्दी समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी मौजूद रहे।

जलालपुर बालू घाट डकैती का आरोपी गिरफ्तार, चोरी की कार भी हुई बरामद

PHOTON NEWS @ DEHRI
रोहतास जिले के नासरीगंज थाना क्षेत्र के जलालपुर बालू घाट डकैती कांड के फरार आरोपित राहुल उपाध्याय को एक चोरी के कार साथ सोमवार रात राजपुर नासरीगंज मार्ग से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी पर आधे दर्जन के अधिक अपराधिक मामले दर्ज है।
एसपी रौशन कुमार के अनुसार गत 17 जनवरी की रात बालू घाट में लगभग एक दर्जन अपराधियों ने डकैती की घटना को अंजाम दिया गया था। इस कांड के उद्वेदन के लिए एसडीपीओ बिक्रमगंज के

नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया था। विशेष टीम द्वारा कांड में संलिप्त दयाशंकर कुमार, राहुल कुमार, अजीत कुमार उर्फ बनरा ,अमन कुमार ,अनीश कुमार व दीपक कुमार को लूट गए 40हजार रुपए नगद एवं घटना में प्रयुक्त दो बाइक के साथ गत 19 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने बताया कि कांड के अनुसंधान व घटनास्थल पर उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज के अवलोकन से नासरीगंज थाना क्षेत्र के बरडीहा निवासी राहुल उपाध्याय उर्फ बाबा की भी संलिप्त पाई गई थी। इसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही थी। सोमवार रात उसके राजपुर मार्ग से नासरीगंज आने की सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा राहुल को चोरी के एक शिफ्ट डिजायर कार बीआर01 इबी 7347 के साथ गिरफ्तार किया गया। कार को जब्त किया गया है। इस संबंध में अलग से नासरीगंज थाना में प्राथमिकी किया गया है। सकी भी जांच की जा रही है।

लैंड फॉर जॉब : लालू परिवार को 11 मार्च को पेश होने का नोटिस

PATNA : दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में मंगलवार को लैंड फॉर जॉब्स मामले में कोर्ट ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उइकद्वारा दायर फाइनल चार्जशीट पर विचार करते हुए लालू यादव, उनके बड़े बेटे तेजप्रताप और बेटी हेमा यादव समेत अन्य आरोपियों को 11 मार्च को अदालत में उपस्थित होने का आदेश जारी किया है। इस केस में कुल 79 व्यक्तियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की गई है। जिसमें 30 लोक सेवक शामिल हैं। पहले से ही मामले का फैसला सुरक्षित रख लिया गया था, लेकिन आज की कार्यवाही ने मामले में नया मोड़ ला दिया है।

लालू यादव और तेजस्वी पर एक बार फिर बरसे जदयू नेता नीरज कुमार

PHOTON NEWS @ PATNA
सीएम नीतीश की पार्टी जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने आज मीडिया कंपनी से बात करते हुए आरजेडी पर जमकर निशाना साधा। आरजेडी की चुनौती पर पलटवार करते हुए नीरज कुमार ने कहा कि आरजेडी को ज्ञान का अभाव है। बिहार बीजेपी के अध्यक्ष, जेडीयू के अध्यक्ष, लोजपा रामविलास के अध्यक्ष, हम के अध्यक्ष और आरएलएम के अध्यक्ष, यानी बिहार में जो एनडीए के पांच दल हैं उनके प्रदेश अध्यक्ष पहले ही इस बात का ऐलान कर चुके हैं कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही 2025 का

बिहार विधानसभा चुनाव एनडीए लड़ेगा। 2025 से 2030 फिर से नीतीश।

जेनिथ पब्लिक स्कूल में सात सौ से अधिक बच्चों का हुआ हेल्थ चेकअप

बच्चों की आंख, नाक, कान, गला, त्वचा आदि की हुई जांच

PHOTON NEWS @ ARARIYA
जोगबनी के जेनिथ पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के स्वास्थ्य जांच को लेकर मंगलवार को हेल्थ चेकअप कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के सात सौ से अधिक बच्चों के आंख, नाक, कान, त्वचा, दांत, गला आदि की जांच चिकित्सकों के द्वारा की गई। नेपाल के विराटनगर के एक प्रतिष्ठित निजी अस्पताल के चिकित्सक डॉ बबीता साह,डॉ विवेक साह,डॉ विजॉय साह,डॉ रुखसार प्रवीण,डॉ चंदन भारती, डॉ देविका चौलगाई, अलीना पौडेल,नेहा चौधरी,जितेंद्र कुमार मेहता, कामेश्वर पंडित, डॉ देओप्रणा देवी राय आदि ने बच्चों के आंख, नाक, कान, गला, त्वचा आदि की जांच करते हुए मेडिकल चिकित्सीय परामर्श दिया। मौके पर स्कूल की प्राचार्या कविता खान ने बताया कि स्कूल प्रबंधन पढ़ाई के साथ साथ सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते आई है। यही कारण है कि बीच बीच में इस तरह के हेल्थ चेकअप कैम्प लगाकर बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की साथ स्वास्थ्य के प्रति बच्चों को जागरूक करने की दिशा में काम किया जाता है।

पहली बार पटना पहुंची मोनालिसा, दो शब्दों में किया अभिवादन

PATNA : महाकुंभ 2025 में रुद्राक्ष की माला बेचने आई मोनालिसा ने कभी नहीं सोचा होगा कि वह सोशल मीडिया पर वायरल हो जाएगी। अनोखी भूरी आंखों और मुस्कान की वजह से मोनालिसा काफी पॉपुलर हो गई। उनके रील्स देखते ही देखते वायरल होने लगे। अत्यधिक ध्यान और भीड़ से परेशान होकर मोनालिसा को उसके परिवार ने वापस घर भेज दिया। उनकी लोकप्रियता यहीं नहीं रूकी, उन्हें एक फिल्म में काम करने का भी ऑफर मिल गया। अब उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आ रही है। निर्देशक सनोज मिश्रा के साथ मोनालिसा पहली बार पटना पहुंची। उन्होंने पटना पहुंचते ही कहा- नमस्ते पटना।

राजद एमएलसी सुनील सिंह की सदस्यता बहाल करने का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने भी एमएलसी सुनील सिंह पर लगे आरोप को सही ठहराया : विजय चौधरी

PHOTON NEWS @ PATNA
बिहार सरकार में जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने आज यह राजद एमएलसी सुनील सिंह की सदस्यता बहाल करने के निर्णय पर कहा कि बिहार विधान परिषद् द्वारा सदस्य सुनील सिंह को अयोग्य घोषित करने के मामले में जो तथ्य सामने आए हैं, उनके अनुसार उच्चतम न्यायालय ने उनके विरुद्ध लगाए आरोप को सही ठहराया है। सिर्फ सजा की मात्रा अधिक होने के कारण उसे कम करते हुए फैसले की तिथि से

उन्हें राहत दी है।
विजय चौधरी ने कहा कि साथ ही सुप्रीमो कोर्ट ने बीते सात महीने जब उनकी सदस्यता निरर्हित रही है, उसे उनके दोष के लिए सजा के रूप में माना है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि सदस्य का सदन में उनका आचरण अशोभनीय एवं घृणित था। यह बात जोर देकर कही गई है कि यह फैसला उन पर लगे आरोप से उन्हें मुक्त नहीं करता है, बल्कि उन्हें चेतावनी देते हुए यह भी कहा है कि वे भविष्य में ऐसा आचरण नहीं कर सकते हैं। विजय चौधरी ने कहा कि अतः ये तो किसी के समझने की बात है कि न्यायालय ने किसे सही एवं किसे गलत कहा है।

न्यायालय का आदेश | फुलवरिया जलाशय परियोजना रजौली में कई विस्थापितों को नहीं मिला जमीन का मुआवजा

नवादा समाहरणालय को किया जाएगा कुर्क

- नवादा व्यवहार न्यायालय के सब जज प्रथम आशीष रंजन की अदालत ने नवादा समाहरणालय और जिला अतिथि गृह भवन को कुर्क करने का दिया है आदेश

2015 में 10 लाख 27 हजार 388 रुपये का करना था भुगतान

नवादा समाहरणालय और जिला अतिथि गृह भवन में ढोल बजाकर नवादा व्यवहार न्यायालय कर्मी ने वादी के अधिवक्ता रंजीत पटेल के साथ कुर्क का इश्तेहार चिपकाया। बता दें कि वादी के पक्ष से अधिवक्ता रंजीत कुमार पटेल इस मामले को देख रहे हैं। बिहार सरकार की उदासीनता के कारण साल 2015 में इस मामले में 10 लाख 27 हजार 388 रुपये 27 पैसे का भुगतान किया जाना था, जो भुगतान नहीं किए जाने के कारण प्रतिवर्ष 15 प्रतिशत सूद की राशि के साथ भुगतान करना होगा, जो लगभग 25 लाख रुपये राशि भुगतान करना होगा। राशि का भुगतान नहीं किए जाने पर नवादा समाहरणालय और जिला अतिथि गृह भवन की नीलामी का आदेश दिया जाएगा। न्यायालय के आदेश से सरकारी महकमे में हड़कंप मच गया है। अब देखना है कि सरकार इस मामले में क्या निर्णय ले पाती है।

PHOTON NEWS @ NAVADA
देश संविधान और कानून से चलता है और उसके लिए न्यायालय है। ऐसे ही एक मामले में न्यायालय ने संज्ञान लिया है। नवादा व्यवहार न्यायालय के सब जज प्रथम आशीष रंजन की कोर्ट ने मंगलवार को नवादा समाहरणालय और जिला अतिथि गृह भवन को कुर्क करने का आदेश दिया है। फुलवरिया जलाशय परियोजना रजौली में कई विस्थापितों की जमीन का मुआवजा अब तक नहीं दिया गया हैं, जिसको लेकर नवादा व्यवहार न्यायालय में कई वाद दर्ज हैं। नवादा व्यवहार न्यायालय सब जज प्रथम आशीष रंजन ने इजराइ वाद संख्या 3/2002 में शांति देवी वगैरह बनाम बिहार सरकार वगैरह जिला समाहर्ता नवादा, कार्यपालक अभियंता फुलवरिया जलाशय परियोजना रजौली नवादा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सह विशेष भूअर्जन पदाधिकारी नवादा मामले में नवादा समाहरणालय और नवादा परिसदन भवन (जिला अतिथि गृह भवन) को कुर्क करने का आदेश दिया गया है।

पांच मिनट के अंतराल पर पति-पत्नी का निधन

MUZAFARPUR : गोबरसही स्थित श्रीनगर कॉलोनी निवासी 97 वर्षीय सेवानिवृत्त एडीएम देवव्रत प्रसाद व उनकी पत्नी 90 वर्षीया चंद्रलेखा श्रीवास्तव का पांच मिनट के अंतराल में हो गया। सोमवार की सुबह पहले देववत प्रसाद का निधन हुआ। इसके बाद उनकी पत्नी का। दोनों का अंतिम संस्कार मुक्तिधाम में किया गया। मुखाग्नि उनके बड़े पुत्र मुन्ना ने दी। मुन्ना ने बताया कि पिता गायत्री परिवार से जुड़े हुए थे। कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। माता की उम्र भी अधिक थी, लेकिन वह बहुत बीमार नहीं थी। दोनों का एक साथ चले जाना बहुत दुखद है। इनके निधन पर उत्पल रंजन, पंकज प्रकाश, गौतम आनंद, चिरंजीवी अन्नू, वार्ड पार्षद सुषमा देवी, अमित सहाय, अमित प्रकाश श्रीवास्तव व ममता वर्मा ने निधन पर शोक जताया।

वन एवं पर्यावरण मंत्री ने बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

PHOTON NEWS @ PATNA
बिहार सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा आयोजित राज्य पक्षी महोत्सव कलरव 2025 का आयोजन नागी नकटी पक्षी अभयारण्य में 27 और 28 फरवरी को किया जा रहा है। इसी क्रम में आज अरण्य भवन, पटना से बाइक रैली को वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली नागी पक्षी अभयारण्य, जमुई तक जाएगी और पक्षी संरक्षण, जैव विविधता तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने का कार्य करेगी। मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने इस अवसर पर कहा कि कलरव महोत्सव का उद्देश्य बिहार की समृद्ध जैव विविधता और पक्षी संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि बिहार

में पक्षियों की अनेक दुर्लभ प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनका संरक्षण करना हमारी जिम्मेदारी है। इस तरह के आयोजन से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि पर्यटन को भी नया आयाम मिलेगा। उल्लेखनीय है कि राज्य पक्षी महोत्सव कलरव 2025 राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जो प्रदेश में पक्षी संरक्षण को प्रोत्साहित करती है। इस आयोजन में विशेषज्ञों, प्रकृति प्रेमियों और शोधकताओं को भी आमंत्रित किया गया है। यह एक पर्यावरण हितैषी और पर्यटन को बढ़ावा देने वाला महोत्सव है।

शिवलिंग-ज्योतिर्लिंग का रहस्य

डॉ. जंगबहादर पाण्डेय 'तारेश'
पूर्व अध्यक्ष, हिंदी-विभाग
रांची विश्वविद्यालय

शिव देवाधिदेव हैं, इसीलिए महादेव हैं। भक्तों के लिए भोले और शत्रुओं के लिए भाले हैं। आमतौर पर शिवलिंग को गलत अर्थों में लिया जाता है, जो कि अनुचित है या उचित यह हम नहीं जानते। वायु पुराण के अनुसार, प्रलयकाल में समस्त सृष्टि जिसमें लीन हो जाती है और पुनः सृष्टिकाल में जिससे प्रकट होती है, उसे लिंग कहते हैं। इस प्रकार विश्व की संपूर्ण ऊर्जा ही लिंग का प्रतीक है। वस्तुतः यह संपूर्ण सृष्टि बिंदु-नाद स्वरूप है। बिंदु शक्ति है और नाद शिव। यही सबका आधार है। बिंदु एवं नाद अर्थात शक्ति और शिव का संयुक्त रूप ही तो शिवलिंग में अवस्थित है। बिंदु अर्थात ऊर्जा और नाद अर्थात ध्वनि। यही दो संपूर्ण ब्रह्मांड का आधार है। इसी कारण प्रतीक स्वरूप शिवलिंग की पूजा-अर्चना की जाती है। ब्रह्मांड का प्रतीक ज्योतिर्लिंग शिवलिंग का आकार-प्रकार ब्रह्मांड में घूम रही हमारी आकाश-गंगा की तरह है। यह शिवलिंग हमारे ब्रह्मांड में घूम रहे पिंडों का प्रतीक है, कुछ लोग इसे यौनांगों के अर्थ में लेते हैं और उन लोगों ने शिव की इसी रूप में पूजा की और उनके बड़े-बड़े पंथ भी बन गए हैं। ये वे लोग हैं जिन्होंने धर्म को सही अर्थों में नहीं समझा और अपने स्वार्थ के अनुसार धर्म को अपने सांचे में ढाला। शिवलिंग का अर्थ है भगवान शिव का आदि-अनादि स्वरूप। शून्य, आकाश, अनन्त, ब्रह्माण्ड और निराकार परमपुरुष का प्रतीक होने के कारण इसे लिंग कहा गया है। 'स्कंद पुराण' में कहा है कि आकाश स्वयं लिंग है। धरती उसका पीठ या आधार है और सब अनन्त शून्य से पैदा हो उसी में लय होने के कारण इसे लिंग कहा है। वातावरण सहित घूमती धरती या सारे अनन्त ब्रह्माण्ड (ब्रह्मांड गतिमान है) का अक्स/धुरी ही लिंग है। पुराणों में शिवलिंग को कई अन्य नामों से भी संबोधित किया गया है जैसे- प्रकाश स्तंभ लिंग, अग्नि स्तंभ लिंग, उर्जा स्तंभ लिंग, ब्रह्मांडीय स्तंभ लिंग आदि। लेकिन बौद्धकाल में धर्म और धर्म-ग्रंथों के बिगाड़ के चलते लिंग को गलत अर्थों में लिया जाने लगा जो कि आज तक प्रचलन में है।

ज्योतिर्लिंग ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में पुराणों में अनेक मान्यताएं प्रचलित हैं। वेदानुसार ज्योतिर्लिंग यानी 'व्यापक ब्रह्मात्मलिंग' जिसका अर्थ है 'व्यापक प्रकाश'। जो शिवलिंग के 12 खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रह्म, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है।

आसमानी पत्थर ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार विक्रम संवत के कुछ सहस्राब्दी पूर्व संपूर्ण धरती पर उल्कापात का अधिक प्रकोप हुआ। आदि मानव को यह रुद्र (शिव) का आविर्भाव दिखा। जहां-जहां ये पिंड गिरे, वहां-वहां इन पवित्र पिंडों की सुरक्षा के लिए मंदिर बना दिए गए। इस तरह धरती पर हजारों शिव मंदिरों का निर्माण हो गया। उनमें से प्रमुख थे 108 ज्योतिर्लिंग। शिव पुराण के अनुसार उस समय आकाश से ज्योति पिंड पृथ्वी पर गिरे और उनसे थोड़ी देर के लिए प्रकाश फैल गया। इस तरह के अनेक उल्का पिंड आकाश से धरती पर गिरे थे। हजारों पिंडों में से प्रमुख 12 पिंड को ही ज्योतिर्लिंग में शामिल किया गया। हालांकि कुछ ऐसे भी ज्योतिर्लिंग हैं, जिनका निर्माण स्वयं भगवान ने किया। गौरतलब है कि हिंदू धर्म में मूर्ति की पूजा नहीं होती, लेकिन शिवलिंग और शालिग्राम को भगवान का विग्रह रूप माना जाता है और पुराणों के अनुसार भगवान के इस विग्रह रूप की ही पूजा की जानी चाहिए। शिवलिंग जहां भगवान शंकर का प्रतीक है तो शालिग्राम भगवान विष्णु का।

शिव' का अर्थ है 'परम कल्याणकारी शुभ' और 'लिंग' का अर्थ है- 'सृजन ज्योति'। वेदों और वेदान्त में लिंग शब्द सूक्ष्म शरीर के लिए आता है। यह सूक्ष्म शरीर 17 तत्वों से बना होता है। 1- मन, 2- बुद्धि, 3- पांच ज्ञानेन्द्रियां, (आंख,कान,नाक,जीभ और त्वचा) 4- पांच कर्मेन्द्रियां (हाथ,पैर ,मुख, लिंग और गुदा) और पांच वायु (व्यान,समान,अपान,उदान और प्राण)। भ्रकुटी के बीच स्थित हमारी आत्मा या कहें कि हम स्वयं भी इसी तरह है। बिंदु रूप। लिंग के मूल में ब्रह्मा, मध्य में विष्णु और ऊपर प्रणवाख्य महादेव स्थित हैं। केवल लिंग की पूजा करने मात्र से समस्त देवी देवताओं की पूजा हो जाती है। लिंग पूजन परमात्मा के प्रमाण स्वरूप सूक्ष्म शरीर का पूजन है। शिव पुराण में शिवलिंग की पूजा के विषय में जो तथ्य मिलता है वह तथ्य इस कथा से अलग है। शिव पुराण में शिव को संसार की उत्पत्ति का कारण और परब्रह्म कहा गया है। इस पुराण के अनुसार भगवान शिव ही पूर्ण पुरूष और निराकार ब्रह्म हैं। इसी के प्रतीकात्मक रूप में शिव के लिंग की पूजा की जाती है। भगवान शिव ने ब्रह्मा और विष्णु के बीच श्रेष्ठता को लेकर हुए विवाद को सुलझाने के लिए एक दिव्य लिंग (ज्योति) प्रकट किया था। इस लिंग का आदि और अंत ढूंढते हुए ब्रह्मा और विष्णु को शिव के परब्रह्म स्वरूप का ज्ञान हुआ। इसी समय से शिव के परब्रह्म मानते हुए उनके प्रतीक रूप में लिंग की पूजा आरंभ हुई।

प्रभु श्रीराम ने लंका विजय के पूर्व समुद्र तट पर रामेश्वरम में शिव लिंग की स्थापना की थी और कहा था-

लिंग थापी बिधिवत करि पूजा।
सिव समान प्रिय मोहि न दूजा।
बिनु छल विश्वनाथ पद नेहू।
राम भक्त कर लक्षण एहू।

जनजातीय हितों व श्रद्धा पर केंद्रित हो नई वननीति

ANALYSIS

डॉ. प्रवीण गुगनानी

दो वर्ष में पौधे नहीं उगे तो अनुबंध समाप्ति का अधिकार शासन के पास सुरक्षित रहेगा। इन वनों का कार्बन क्रेडिट, वन विभाग के माध्यम से विक्रय करेंगे। इस नीति के अनुसार एक हजार हेक्टेयर तक के जंगल को यदि कोई निजी कंपनी विकसित करना चाहेगी तो वनों की पुनर्स्थापना का भी प्रावधान है। अनुबंधित वनों से प्राप्त वनोपज का पांचवां भाग वन समिति और शेष चार भाग वन विकास निगम और निजी कंपनी को मिलेंगे। फल वनोपज का आधा भाग निजी कंपनी को प्राप्त होगा। मप्र में 37 लाख हेक्टेयर क्षेत्र बिगड़े वन हैं, इसे ही निजी क्षेत्र में सौंपने की तैयारी है। नई नीति के अन्तर्गत निजी निवेशकों का इन वनीय क्षेत्रों की उपज व कार्बन क्रेडिट पर प्रथम अधिकार होगा। नई नीति का नाम सीएसआर एवं कंपनी एनवायरमेंट रिस्पांसिबिलिटी एवं अशासकीय निधियों के उपयोग से वनों की पुनर्स्थापना है। इसके अंतर्गत मप्र में निजी निवेशक न्यूनतम दस हेक्टेयर वन का चयन कर सकेंगे। नई वन नीति में कई विसंगतियाँ हैं, जिससे वनीय विविधता की हत्या हो जाएगी। जिस प्रकार समर्थन मूल्य के कारण मप्र व अन्य प्रदेशों की कृषि विविधता समाप्त हो गई है, उसी प्रकार वन विविधता समाप्त हो जाएगी। जब वनीय विविधता समाप्त होगी तो सर्वप्रथम वनीय जैव विविधता, बड़ी तीव्रता से समाप्त होगी।

वनग्राम, वनों से सटे राजस्व ग्राम, जनजातीय समाज, वनों के भीतर कृषि का अधिकार, जनजातीय समाज को वनों के सीमित उपयोग की अनुमति आदि-आदि विषय मप्र में एक बड़ा सामाजिक सरोकार का प्रश्न रहे हैं। यह प्रश्न अब गहरा रहा है। मप्र सरकार कंपनी, संस्था, व्यक्ति या स्वयंसेवी संस्था को बिगड़े जंगल अनुबंध पर साठ वर्ष हेतु देने के प्रस्ताव पर विचाररत है। नई नीति में निजी क्षेत्र को विभाग के अनुसार नए पौधे लगाने होंगे। दो वर्ष में पौधे नहीं उगे तो अनुबंध समाप्ति का अधिकार शासन के पास सुरक्षित रहेगा। इन वनों का कार्बन क्रेडिट, वन विभाग के माध्यम से विक्रय करेंगे। इस नीति के अनुसार एक हजार हेक्टेयर तक के जंगल को यदि कोई निजी कंपनी विकसित करना चाहेगी तो वनों की पुनर्स्थापना का भी प्रावधान है। अनुबंधित वनों से प्राप्त वनोपज का पांचवां भाग वन समिति और शेष चार भाग वन विकास निगम और निजी कंपनी को मिलेंगे। फल वनोपज का आधा भाग निजी कंपनी को प्राप्त होगा। मप्र में 37 लाख हेक्टेयर क्षेत्र बिगड़े वन हैं, इसे ही निजी क्षेत्र में सौंपने की तैयारी है। नई नीति के अन्तर्गत निजी निवेशकों का इन वनीय क्षेत्रों की उपज व कार्बन क्रेडिट पर प्रथम अधिकार होगा। नई नीति का नाम सीएसआर एवं कंपनी एनवायरमेंट रिस्पांसिबिलिटी एवं अशासकीय निधियों के उपयोग से वनों की पुनर्स्थापना है। इसके अंतर्गत मप्र में निजी निवेशक न्यूनतम दस हेक्टेयर वन का चयन कर सकेंगे। नई वन नीति में कई विसंगतियाँ हैं, जिससे वनीय विविधता की हत्या हो जाएगी। जिस प्रकार समर्थन मूल्य के कारण मप्र व अन्य प्रदेशों की कृषि विविधता समाप्त हो गई है, उसी प्रकार वन विविधता समाप्त हो जाएगी। जब वनीय विविधता समाप्त होगी तो सर्वप्रथम वनीय जैव विविधता, बड़ी तीव्रता से समाप्त होगी। वनवासियों हेतु हर वृक्ष का हर उत्सव व ऋतु में अलग-अलग आस्था का सम्बंध होता है। हजारों-लाखों प्रकार के जीव-जंतुओं का भोजन, उनकी औषधियां, उनकी रहवासी आवश्यकताएं सभी कुछ समाप्त हो जाएंगे। जीव-जंतु तो छोड़िए, जनजातीय समाज और नगरीय समाज को मिलने वाली हजारों वनीय औषधियां, जड़ी-बूटियां,

रसायन, मौसमी उत्पाद सभी कुछ समाप्त हो जाएंगे। प्रकृति की अविरल धारा के समक्ष एक बड़ा अवरोध व परिवर्तन उपस्थित होगा जिससे कई प्रकार की असंगतियाँ-विसंगतियां देखने को मिलेंगी। अनुबंध पर जंगल लेने वाले व्यसायी केवल लाभ से सरोकार रखेंगे। निजी वन व्यवसायी और कम्पनियां आदि; राष्ट्रीय, पर्यावरणीय, सामाजिक, धार्मिक विषयों के प्रति कोई सरोकार या संवेदनशीलता रखने से तो रहे। व्यावसायिक लाभ ही एकमेव लक्ष्य होगा, इससे वनोपज में असंतुलित वृद्धि तो हो सकती है किंतु पर्यावर्णीय हानि, जैव व वन विविधता की हानि व वनवासी समाज के साथ शासन व शेष समाज के सम्बंध बिगड़ सकते हैं। नई वन नीति की सम्पूर्ण समीक्षा की आवश्यकता है। या तो यह नीति रद्द हो या फिर इस नीति में वनीय, विविधता, जैव विविधता, जलीय सरंचनाओं, वनीय पशु-पक्षियों की आवश्यकताओं, वनवासी बंधुओं की आजीविका आदि विषय में सुरक्षा की गारंटी हो। नई वन नीति में जिसे बिगड़े वन कहा जा रहा है, उसकी परिभाषा भी तय नहीं है। ग्राम सभा की अनुमति की शर्त भी बड़ी ही आसान व एक औपचारिकता मात्र है। केवल मूल्यवान लकड़ी प्रदान नहीं करने वाले वनों को बिगड़ा हुआ वन मान लेना एक बड़ी प्रदूषित, शोषक, स्वार्थी व एकपक्षीय नीति है। वनवासी बंधुओं की धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक आवश्यकताओं एवं पर्यावरण को दृष्टिगत रखते हुए वनीय विविधता बनी रहे, यह परम आवश्यक है। इस नई वन नीति से हमारी आने वाली पीढ़ियां कई वन उत्पादों के केवल नाम ही सुन पाएगी। आज जिस प्रकार कृषि क्षेत्र में केवल दो चार प्रकार के अन्न का उत्पादन हो रहा है व शेष फसलों का उन्मूलन होता जा रहा है, वही स्थिति वनों में भी देखने को मिलेगी। प्रत्येक ऐसे वृक्ष को जिससे आर्थिक लाभ नहीं होता है या कम लाभ होता है, उसे कुल्हाड़ी की बलि चढ़ाकर वहां व्यावसायिक लाभ की दृष्टि से मूल्यवान पेड़ लगा दिए जाएंगे। लाभमात्र के मूलमंत्र से पारिस्थितिकी संतुलन व ईको सिस्टम समाप्त होगा। वनों में ये कंपनियां बेतहाशा इको टूरिज्म को बढ़ावा देंगी, यह लाभप्रद तो अवश्य ही होगा किंतु इसके गंभीर साइड इफेक्टस भी हो सकते हैं। आशंका है कि वनों को लेकर अंधाधुंध दोहन की या केवल लाभ की नीति से पर्यावरण असंतुलन उत्पन्न हो सकता है। वर्ष 2020 में मुख्यमंत्री शिवराज चौहान के समय भी इस प्रस्ताव को लाया गया था जो बाद में फाइलों में बंद हो गया। फाइलों में बंद इस जिन्न को मप्र वन विभाग के नौकरशाहों ने पुनः बाहर निकाला है। यद्यपि यह मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार की संवेदनशीलता ही है कि सरकार ने अभी एकतरफा निर्णय नहीं लिया है तथापि मुख्यमंत्री को जनजातियों के प्रति असंवेदनशील, वन नीति से सावधान रहना होगा। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कुछ ही दिन पहले एक टास्क फोर्स की मीटिंग हुई थी, जिसमें वन अधिकार कानून के तहत ग्राम सभाओं को अपने परंपरागत वन क्षेत्र के पुनर्निर्माण, संवर्धन, संरक्षण एवं प्रबंधन के अधिकार देने का निर्णय हुआ था। संभवतः इसी को ध्यान में रखकर मुख्यमंत्री ने इस वन नीति के प्रारूप को अभी सहमति नहीं दी होगी। मप्र शासन ने नई वननीति के संदर्भ में जनता से सुझाव व आपत्तियां मांगी हैं। सभी पर्यावरणविदों को सुझाव देना चाहिए, कहीं ऐसा न हो कि शासकीय आय बढ़ाने के इस उपक्रम को वन शोषण का धत्कर्म बना दिया जाए। वन विकास के नाम पर कहीं हमारे वन, व्यवसाइयों व दलालों की भेंट न चढ़ जाएं। मप्र की जनता से प्राप्त होने वाले सुझावों और आपत्तियों को देखते हुए नीति में वांछनीय परिवर्तन या संपूर्णतः अस्वीकृत भी किया जा सकता है। मप्र की भाजपा सरकार की ओर से यह शुभ संकेत है और एक अवसर भी। वस्तुतः स्टेट फॉरेस्ट रिपोर्ट 2023 में यह निष्कर्ष था कि मध्यप्रदेश, 97 हजार वर्ग किमी वनक्षेत्र वाला देश का सबसे बड़ा राज्य है। इसमें यह तथ्य भी उभरकर आया था कि 2021 की तुलना में 2023 में मप्र में 612 वर्ग किमी जंगल कम हो गए हैं। मप्र में चालीस प्रतिशत से कम घनत्व वाले वनों को बंजर भूमि या ओपन फॉरेस्ट कहा गया है। इस वनभूमि को ही निजी क्षेत्रों में देना प्रस्तावित है। मप्र सरकार का लक्ष्य इस बंजर भूमि पर वनक्षेत्र बढ़ाना है। किंतु इस लक्ष्य के पीछे कहीं उद्योगपति इनका शोषण न करने लग जाएँ। इस हेतु शासकीय व सामाजिक विजिलेंस का एक बड़ा नेटवर्क निर्मित करना होगा। ग्राम समितियों को नई नीति में शासन की आंख, कान, नाक बनाकर सोशल विजिलेंस का नया उदाहरण समूचे देश के समक्ष प्रस्तुत किया जा सकता है। प्रस्तावित ड्राफ्ट के पहले भाग में सीएसआर और सीईआर (कॉपोरेट एन्वायरमेंट रिस्पांसबिलिटी) निधि से वन विकास का उल्लेख है। दूसरे भाग में निजी निवेश से ओपन फारेस्ट के विकास का लक्ष्य है। यह ड्राफ्ट रोजगार सृजन, राजस्व की सृजन आदि विषय में भी अस्पष्ट है। एक सुझाव यह भी है कि नई वन नीति समूचे मप्र हेतु एक जैसी न बने। इस नीति को क्षेत्रवार, भौगोलिक विशेषताओं, विशिष्टताओं, वनीय बंधुओं की आवश्यकतानुसार, वनीय बंधुओं की परंपराओं आदि को ध्यान में रखकर वनीय बंधुओं के रोजगार सृजन के लक्ष्य, वनवासी बंधुओं के विस्थापन-स्थापन की सधी हुई दृष्टि से निर्मित करना होगा। मप्र की नई वननीति व्यवसाय नहीं अपितु वनवासी समाज केंद्रित हो, यह ध्यान में रखना ही होगा।

विकसित हो भीड़ नियंत्रण का प्रभावी तंत्र

देश में हम आए दिन भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों के मरने की खबरें पढ़ते रहते हैं। हाल ही में महाकुंभ स्नान के दौरान प्रयागराज में भीड़ में भगदड़ के चलते 37 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के कुछ दिनों बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों की भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही दुर्घटनाएं बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद हैं। देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है, जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारें भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। ऐसा कोई स्थायी तंत्र विकसित नहीं किया जाता है, जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके। भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। भगदड़ प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है। इसमें संपत्ति से अधिक जान की क्षति होने की संभावना रहती है। भीड़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के वैश्विक डेटाबेस के मुताबिक सन 2000 के बाद से भारत में 50 से ज्यादा विनाशकारी सामूहिक समारोहों में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई। इन दुर्घटनाओं को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन तंत्र विकसित करने की बहुत जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर कुंभ जैसे बड़े आयोजनों में इसकी काफी जरूरत महसूस होती है। भगदड़ बेहद खतरनाक और घातक स्थिति होती है। किसी भी जगह जब भीड़ उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है और लोगों के पास निकलने का रास्ता नहीं होता है, भीड़ की वजह से लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलती है, ऐसी स्थिति में किसी तरह की अफवाह या दुर्घटना होने पर भीड़ बेकाबू हो जाती है। इसे भीड़ में हलचल भी कहा जाता है। इसकी वजह से ही भगदड़ की स्थिति बनती है। इसी तरह भीड़ में हलचल का मतलब भीड़ का बेतरतीब तरीके से एक से ज्यादा दिशाओं में एक ही समय में आगे बढ़ना है। ऐसे में लोगों को चलने के लिए जगह कम होती है वो एक-दूसरे के बीच दब जाते हैं। जब लोग एक-दूसरे से बहुत नजदीक होते हैं तो ह्यफोर्सेज का ट्रांसमिशनह्ल यानी बल का संचरण हो सकता है। इस फोर्स ट्रांसमिशन को आपने भी कभी न कभी तब महसूस किया होगा जब आप एक बहुत भीड़भाड़ वाली किसी लाइन में खड़े हुए होंगे। जब पीछे से अचानक धक्का लगता है, तो व्यक्ति खुद भी उस धक्के को अपने से आगे खड़े व्यक्ति को ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसे में अपना संतुलन बनाए रखना और अपने पैरों पर खड़े रहना लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है। ये पहली बार नहीं था जब किसी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मची हो। इसके पहले भी समय-समय पर भगदड़ मचने की खबरें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की जान भी चली गई। 27 अगस्त 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी। 25 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। इसमें 340 से ज्यादा श्रद्धालु कुचले गए थे। 3 अगस्त 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में मची भगदड़ में 162 लोगों की मौत हो गई थी। 30 सितंबर 2008 राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में 63 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जनवरी 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में सबरीमाला मंदिर में एक जीप की टक्कर से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हर की पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई थी। 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से भगदड़ मच गई थी जिसमें 20 लोगों की मौत हो गई थी। 13 अक्टूबर 2013 मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्र के जश्न के दौरान भगदड़ मचने से 115 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरे का जश्न समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मच गई जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुष्करम उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर भगदड़ मचने से 27 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। 1 जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 लोगों की मौत हो गई थी। 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के मौके पर एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। इसी तरह रेलवे स्टेशनों पर भी भगदड़ के कारण कई बड़ी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। 28 सितंबर 2002 को लखनऊ में बसपा की रैली से वापस लौटते समय ट्रेन की छत पर चढ़ने से चार लोगों की करंट लगने से मौत हो गई थी। 13 नवंबर 2004 को नई दिल्ली स्टेशन पर छठ पूजा के दौरान बिहार जाने वाले ट्रेन का प्लेटफार्म अचानक बदलने से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए ओवरब्रिज पर मची भगदड़ में चार यात्रियों की मौत हुई थी। 03 अक्टूबर 2007 को मुगलसराय जंक्शन पर भगदड़ मचने के कारण 14 महिलाओं की मौत हो गई थी।

Social Media Corner

सच के हक में...

एडवांटेज असम शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। राज्य की गतिशील कार्यबल और तीव्र वृद्धि इसे एक अग्रणी निवेश गंतव्य में बदल रही है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

भाजपा सरकार ने मध्य प्रदेश को बीमारू राज्य से ऊपर उठाकर विकासशील राज्य बनाया। आज राज्य भारत की प्रेरक शक्ति है। भोपाल में मोदी जी द्वारा उद्घाटन किए गए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के समापन समारोह को शामिल हुआ।

(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

जेएसससी-सीजीएल और मैट्रिक परीक्षा पेपर लीक की घटना ने झारखंड के लाखों होनहार युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है। सदन के बाहर एनडीए विधायकों के साथ पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच और जनहित के मुद्दों पर राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर युवाओं को न्याय देने की मांग की। भाजपा एनडीए गठबंधन पूरी ताकत के साथ सड़क से लेकर सदन तक हेमंत सरकार के कुशासन का मुंहतोड़ जवाब देगी।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

ठीक नहीं विदेशी रक्षा सामग्री पर निर्भरता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल की अमेरिका यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सबसे उन्नत लड़ाकू विमान एफ-35 की भारत को बिक्री की पेशकश की। इसके बाद से देश में बहस छिड़ी हुई है कि भारत को ये विमान खरीदने चाहिए या नहीं। इसका एक कारण यह है कि अमेरिका की तरह रूस ने भी भारत को अपने सबसे उन्नत लड़ाकू विमान सुखोई-57 को बेचने का प्रस्ताव दिया है। इस प्रस्ताव में सुखोई-57 का भारत में रूस द्वारा निर्माण और उसके कलपुर्जों के निर्माण का काम भारतीय कंपनियों को दिया जाना भी शामिल है। रूस इस सौदे में भारत को पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान की तकनीक भी हस्तांतरित करने को तैयार हो सकता है, जिसमें फाइटर जेट इंजन निर्माण से लेकर रडार तकनीकी भी शामिल होगी। विडंबना यह है कि भारत में बहस इस पर केंद्रित रहती है कि किस देश से कौन सा हथियार खरीदा जाए। जहां हम इस प्रश्न को लेकर उलझे हैं कि पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान अमेरिका से खरीदे जाएं या रूस से, वहीं चीन ने छठी पीढ़ी के स्वनिर्मित लड़ाकू विमान का परीक्षण शुरू कर दिया है। भारत चौथी पीढ़ी के स्वनिर्मित हल्के लड़ाकू विमान तेजस की वायुसेना को अपेक्षित आपूर्ति ही नहीं कर पा रहा है। इसे लेकर बीते दिनों वायुसेना प्रुमख ने भी असंतुष्टि जाहिर की। अगर हम यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिकी दबाव मान लेते तो संभव है कि तेजस के लिए जरूरी अमेरिकी कंपनी जीई के इंजन मिल गए होते। वैसे तेजस भी पूरी तरह स्वदेशी नहीं है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि रूस सैकड़ों प्रतिबंधों और दबावों के बावजूद तीन सालों से यूक्रेन युद्ध इसलिए जारी रख पा रहा है, क्योंकि वह हथियारों के निर्माण और ऊर्जा संसाधनों के मामले में आत्मनिर्भर हैं। यह क्षमता ही किसी देश को सही मायनों में संप्रभु महाशक्ति बनाती हैं। इस क्षमता का ही परिणाम है कि अमेरिका के नए सत्ताधीश यह बखूबी समझते हैं कि रूस जैसी आत्मनिर्भर शक्ति को निर्णायक रूप से हराया नहीं जा सकता और वे अब रूस से समझौते की बात कर रहे हैं। भारत विभिन्न देशों पर अपनी निर्भरता के चलते आज तक कोई युद्ध इतने समय तक चला ही नहीं पाया और युद्ध के मैदान में जीती बाजी भी हम विदेशी दबाव के चलते वार्ता की मेज पर हारते रहे हैं। 1971 का युद्ध गुलाम कश्मीर पर कोई निर्णायक फैसला लिए बिना जल्दबाजी में इसलिए समाप्त किया गया था, क्योंकि सोवियत नेता अमेरिका से एक सीमा से अधिक रार नहीं बढ़ाना चाहते थे और हम रक्षा और दूसरे मामलों में सोवियत संघ पर निर्भर थे। यही कारण है कि भारत के पहले सीडीएस रहे स्वर्गीय जनरल बिपिन रावत चाहते थे कि भारत अपने रक्षा उपकरण स्वयं ही बनाए और वे अगर विदेशी रक्षा उपकरणों से गुणवत्ता में थोड़े कमतर भी हों तो भी स्वदेशी उत्पादों को ही वरीयता दी जानी चाहिए। जनरल रावत का कहना था कि यदि कोई स्वदेशी रक्षा उत्पाद गुणवत्ता के 70 प्रतिशत मानक भी पूरे कर दे तो विदेशी साजोसामान के मुकाबले उसे वरीयता मिलनी चाहिए। अगर ऐसा किया जाए तो देश का धन देश से बाहर नहीं जाता और बिना किसी दूसरे देश की नीतिगत प्राथमिकताओं का दबाव झेले ऐसे रक्षा उपकरणों का अनवरत उत्पादन किया जा सकता है। उच्च गुणवत्ता वाले ऐसे रक्षा उपकरणों का क्या ही लाभ, जिसके निमार्ता देश के विभिन्न मामलों में नीतिगत दबाव भारत को झेलने पड़ें? जहां तक गुणवत्ता का प्रश्न है तो तकनीकी विकास एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें असफलताओं से भी सीखने को मिलता है और समय के साथ खामियों को गहन अनुसंधान से दूर किया जा सकता है। चंद्रयान-2 की असफलता के बाद चंद्रयान-3 में किए गए सुधारों के चलते वह बेहद सफल रहा। गुणवत्ता में क्रमिक सुधार का चीन सबसे बड़ा उदाहरण है। चीन भी शुरूआती दिनों में हथियारों के लिए सोवियत संघ पर निर्भर था, परंतु उसने जो लड़ाकू विमान और युद्धक उपकरण एक बार सोवियत संघ से खरीदे, उनकी नकल कर वैसे ही उत्पाद स्वयं बनाने की कोशिश की। रिवर्स इंजीनियरिंग के माध्यम से बनाए गए ये उत्पाद प्रारंभ में अच्छी गुणवत्ता वाले नहीं थे, परंतु चीन निरंतर अनुसंधान में लगा रहा।

विदेशी प्रभाव

भारत में यूएसएड की मौजूदगी पर विवाद यह दिखाता है कि सार्वजनिक विमर्श उत्तरोत्तर विक्षिप्त रूप लेता जा रहा है। यह देश के आत्मविश्वास और वैश्विक हैसियत को कमजोर बना रहा है। भाजपा और कांग्रेस राजनीतिक रस्साकशी में लिप्त रही हैं और अब वे यूएसएड द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं तथा विदेशी संपर्कों पर एक दूसरे को घेरने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि, बहस के नाम पर मचे इस ज्यादातर कोलाहल को ईंधन उन झूठी सूचनाओं और गलत व्याख्याओं से मिल रहा है, अक्सर जिसका स्रोत ट्रंप प्रशासन द्वारा इशारों-इशारों में लगाये जाने वाले आक्षेप बन रहे हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन अंतरराष्ट्रीय सहायता को अमेरिकी संसाधनों की बबार्दी के रूप में देखता है। अमेरिका द्वारा अपनी सहायता संबंधी प्राथमिकताओं का दोबारा आकलन करने के अपने कारण हो सकते हैं, लेकिन यह अफसोसनाक है कि भारत के प्रमुख राजनीतिक दल बिना किसी बारीक समझ के उन्हीं तर्कों को दोहरा रहे हैं। यूएसएड ने लंबे समय से भारत में परियोजनाओं को मदद दी है, जिनमें सरकार के साथ साझेदारी वाली परियोजनाएं भी शामिल हैं। इन पहलकदमियों के विस्तार और प्रभाव पर सत्यापन-योग्य आंकड़ों के अभाव में, चर्चाओं का अधकचरी सूचनाओं पर आधारित और पूर्वाग्रह से ग्रस्त होना तय है। वैश्वीकृत दुनिया में, जहां देश सरहदों के पार से पूंजी, तकनीक और प्रतिभा के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं, अपने राजनीतिक विरोधी को विदेशी एजेंट करार देना एक आसान प्रोपगैंडा तरकीब हो सकती है, लेकिन यह घरेलू राजनीतिक माहौल को जहरीला बनाता है और एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभरने की भारत की महत्वाकांक्षाओं को कमजोर करता है। यह सच है कि विदेशी सहायता सॉफ्ट पावर का एक औजार हो सकती है, और अक्सर मजबूत राष्ट्र दूसरे देशों के घरेलू मामलों को प्रभावित करने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, यह सच्चाई स्वीकार करने के लिए एक जिम्मेदार और नपे-तुले दृष्टिकोण की जरूरत होती है, न कि जरूरत से ज्यादा तीखी प्रतिक्रिया की जो खुद को ही नुकसान पहुंचाती हो।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Universe: Kartikeya of Punjab, and the southern Kartikeya

In the state of Punjab stands the temple of Achaleshwar Mahadev at Gurdaspur, while in nearby Haryana is the temple of Pehowa at Kurukshetra. What connects these two sites is their association with Kartikeya, the mighty son of Shiva and Parvati. Kartikeya is no longer a widely worshipped deity in North India, but he remains extremely popular in Tamil Nadu, where he is venerated as Murugan, Subramanyam, or the bright jewel.The earliest depictions of Kartikeya in history appear on the coins of the Yaudheyas, a warrior clan that once controlled the Punjab region, which are over 2,200 years old. Kartikeya was also seen on the coins of Audumbara kings, who controlled the hilly parts of Punjab, near Pathankot, 2,100 years ago. This suggests that Kartikeya was among the earliest deities worshipped in the Punjab region, dating back to Mauryan times. He was called Mahasena, the great divine commander of divine armies, and much admired by soldiers of the region.

In Mahabharata, composed 2,000 years ago, Kartikeya was produced by the collaboration of many gods to kill the demon Taraka. He was called the son of the hermit-god Shiva and his consort, Shakti. Later, in Puranic times, 1,500 years ago, the elephant-headed Ganesha also came to be identified with Shiva and Shakti. In artworks, from 1,000 years ago, we find Shiva's family depicted on temple walls: Shiva, Shakti and their two sons — Kartikeya, with his spear and peacock, and Ganesha with his stylus made of tusk and his inkpot, later linked to sweets (modak).

But there was strife in this family. The athletic Kartikeya was overshadowed by his corpulent and cerebral younger brother. In stories, in the race to go around the world three times, Ganesha won, as he smartly went around his parents, declaring they were spiritually his whole world. Kartikeya, who flew around the material realm of three worlds, was sidelined. Wives were given to Ganesha. Ganesha's name began to be taken first in rituals, since he was seen as the embodiment of smart work, one who removes obstacles.

Kartikeya was angry with his father, and left Mount Kailash. Kartikeya was also angry with his mother. When he killed all the demons, and helped Indra regain control over paradise (Swarga), all women went to Shakti and expressed their fear of Kartikeya's violent masculine energy. He was seen as the embodiment of fiery Mars. He was the creator of martyrs and widows. The women feared he would, like a marauding conqueror, disrespect them. So, to protect themselves, whenever Kartikeya approached, they would acquire his mother's face. So all women appeared like Shakti to Kartikeya. He realised he could never see any woman erotically or romantically. So, he could never marry. Furious, he left Kailash, refusing to meet his mother.Kartikeya tore away his skin and burnt it atop a mountain (Krunach, in Uttarakhand). Having burnt his skin, Kartikeya suffered. At the Achaleshwar lake, he bathed. At Pehowa, he stands in a temple where no woman is allowed; and oil is poured on his image.

Shiva tried to pacify him at Achaleshwar, but failed. Shakti tried to pacify him at Pehowa, but failed.

Kartikeya became the first woman-shunning Hindu ascetic, a Nath, who smears his body with ash to reduce the pain of burning skin. He stays eternally a boy (Kumara). This is why some people in Himachal and Punjab equate the peacock-riding boy-god Kartikeya with the peacock-riding boy-sage, Balak-nath. In Tamil Nadu, the mountains of Palni are said to have been brought from the North by Rishi Agastya, with the help of the Asura Hidimba, on the orders of Parvati, who wanted to ensure her son did not miss his mountain home. In Tamil temples, Kartikeya is called Murugan. He is a warrior god and a romantic god, with two wives: Devasena, daughter of the celestial Indra, and Valli, daughter of a local mountain tribe. In Tamil temples, Ganesha is not married. He is the scribe of sages, interested in intellectual matters. So the Northern Kartikeya, though related, is ritually and narratively very different from Southern Murugan.In the Deccan regions.

India vs Pakistan, matchless

Just like life itself, a sporting contest between the neighbours cannot be seen in a vacuum

It is that time once again when you are asked to make sense of an India-Pakistan cricket encounter. It is a question that challenges your understanding of history, politics, nationalism, commerce and yes, of the sport itself. No matter how much you try to look at the Champions Trophy clash between the two nations — torn apart by a bloody partition more than seven decades ago — as just another cricket match, you can't.Just like life itself, a sporting contest between any two countries cannot be seen in a vacuum. In this case, the two nations have fought three violent wars, politically fought at every international forum and after 2007, never played a bilateral cricket series against each other, with India refusing to visit Pakistan for almost two decades now.Yet, cricket they must play, even if it means playing at a neutral venue, as the refusal to do so could invite sanctions when it comes to an International Cricket Council (ICC) event. In the changing times when India holds unchallenged control over international cricket politics because of the money it generates from the game, it can get away with any breach of rules. It is so powerful that it forced the ICC to take an unprecedented decision to let India play all its Champions Trophy matches at Dubai, though Pakistan are the hosts of the tournament. The cricketing world order today has no space for Pakistan's protest and all the time to address India's concerns. When money, sorry India, speaks, the world listens.In similar situations in the past, nations had to forfeit their matches and concede points when they refused to play another country in ICC tournaments. In the 1996 World Cup, which India and Pakistan co-hosted with Sri Lanka, teams from the West Indies and Australia had to concede their matches against Sri Lanka as they refused to play in that country due to political reasons. Ironically, India and Pakistan made a joint team to play Sri Lanka in solidarity with their island nation neighbours. That was a bygone era of cricket politics when the world had just begun to realise the money-making potential of the game in India because of live television and India's opening up of its economy. Pakistan may have still been an enemy nation but in international cricket politics, it was India's friend and a strong ally. Unlike today, India's cricket board was not an extension of the government and had the courage to take many decisions that the Indian state may not have liked.

From a purely cricketing perspective as well, times have changed. India are the powerhouse of skill as well, especially in the shorter format, and Pakistan are struggling to stay afloat. To put it simply, Pakistan are no match for India and if one were to predict an Indian defeat on Sunday, even Pakistanis would express disbelief and a section of Indians will dub you anti-national.In this world of hyper-nationalism and social media troll army, nostalgia for those rich and rewarding past encounters between the now nations would be a dangerous territory to touch. When politics prevented the two nations from playing in each other's country, a neutral venue in Sharjah was found in the 1980s to milk the money-making opportunity the cricketing rivalry offered. Sharjah, a tiny dot on the map of the United Arab Emirates, became a breeding ground for the jingoistic crowd of expats from the two countries to express visceral hatred for each other, but cricket rivalry created many new icons and thrilling finishes.In my own memory, some o the best moments of my reporting days are the three visits I made to Pakistan —- 1997, 2004 and 2005. The vast army of cricket fans that visited Pakistan will bear testimony to the love and affection which people showered on us. Lahore was more Punjabi than the Amritsar I had lived in during my school and college days. Its generosity was touching and the desire for peace with India heartwarming. The positive impact of people-to-people contact, which the then Prime Minister Atal Bihari Vajpayee encouraged in 2004, when telling the Indian team to "sirf match hi nahin dil bhi jeet ke aana" (not just matches, win people's hearts as well), was evident anywhere one went in Pakistan. At the Lahore stadium where India lost the Test match, many Pakistani spectators were holding Indian flags and cheering the Indian team.One had been witness to similar scenes in Chennai in 1999 when Wasim Akram's Pakistan beat India and then took a victory lap while the packed stadium gave them a standing ovation.In the past many years now, India and Pakistan have only played each other in ICC tournaments, encounters which are few and far between. Pakistan is no longer the team it once was and India look near invincible in their dominance of the cricketing field. Many fans believe that India-Pakistan matches are now nothing but overhyped contests, though there is little doubt they still generate television revenues, media frenzy and a lot of ammunition to social media warriors and the flag-waving, chest-thumping nationalists.

Bumblebee, buzzing against the odds

There's a quiet magic in watching Himalayan meadows bloom, as flowers of myriad colours and shapes sprout up on the green grass once the snows relent. It is within this endearing tapestry of natural beauty that one can make an acquaintance with bumblebees, flitting restlessly between blossoms, their fuzzy bodies dusted in golden pollen, defying the thin air and cold with a fervour that belies their gentle appearance.Bumblebees are vital pollinators in the Himalaya and the Northern Hemisphere as a whole, especially for wild flowering plant species in higher elevations where other pollinators cannot survive. These industrious insects exhibit remarkable adaptations that enable them to thrive in cold, high-altitude environments.One of the most intriguing aspects of bumblebees is their ability to fly despite having a large body mass relative to their wing size. This apparent paradox is resolved through their unique flight mechanics. By rapidly flapping their wings in a figure-of-eight pattern, they create little pockets of air, or vortices, that generate lift, which allows them to hover and navigate efficiently in the thin air.Their thick, insulating body hair, known as 'pile', helps conserve heat and increases the surface area for pollen to stick to their bodies as they travel across nearly 6,000 flowers on a favourable day. Additionally, they possess the ability to shiver their flight muscles and generate body heat, an important pre-condition for many insects to be able to fly.Bumblebees are among the most effective pollinators in the sub-alpine and alpine ecosystems. Their robust bodies and long tongues enable them to access nectar from a variety of flowering plants, including those that other pollinators cannot reach. Species such as the Himalayan blue poppy and Rhododendron rely heavily on bumblebee pollination for reproduction.Today, bumblebees face severe threats from climate change and human activities. Rising temperatures are altering flowering times and shrinking their suitable habitats, while the pervasive use of pesticides threatens their populations by directly causing mortality or impairing foraging and navigation skills.Their activity not only supports plant biodiversity, but also sustains the livelihoods of local communities. Consider the case of apple plantations, where bumblebees, along with other species like honeybees, are important pollinators. As the populations of these species decline, farmers in some regions of China, and even in the Western Himalayan regions of Himachal Pradesh and Uttarakhand, have been forced to pollinate the crops by hand, a time-consuming and labour-intensive process.

Centre vs Tamil Nadu

Unsavoury row over three-language formula

The Assembly elections in Tamil Nadu are still over a year away, but the political slugfest between the BJP and the ruling DMK has already reached fever pitch. A no-holds-barred verbal duel is in progress over the three-language formula, which figures prominently in the National Education Policy (NEP), 2020. The formula is ostensibly aimed at promoting multilingualism, but Deputy CM Udhayanidhi Stalin has termed it the Centre's ploy to impose Hindi on the southern state. He has also accused the BJP-led Union Government of not releasing funds for the NEP's implementation in Tamil Nadu. Hitting back at the state government, Union Education Minister Dharmendra Pradhan has urged the DMK to prioritise the interests of young learners and rise above political differences. The obvious victims of this unsavoury confrontation are the students, who are facing uncertainty and confusion over the languages they can learn besides their mother tongue.As education is on the Concurrent List, it requires concurrence between the Centre and states to ensure the success of various schemes. The Centre is rightly laying stress on the NEP, which is an overarching and holistic document, but it must give freedom to the states to proceed in accordance with their specific requirements. A one-size-fits-all approach undermines India's rich linguistic diversity. Moreover, political affiliations and considerations should not come in the way of release of funds for the education sector. No state should be subjected to discrimination if it decides not to implement the NEP in toto.

The Tamil Nadu government is not helping matters by laying bare its aversion to Hindi. It should not force students to opt for one language over another. Parents and teachers have a key role to play here as they can help learners make an informed decision. The Centre and the state must try to reach common ground for the sake of the children's future — and the nation's too.

Don't choke education budget to enforce NEP

Sorting out issues constitutes my daily nightmare, of the digital kind

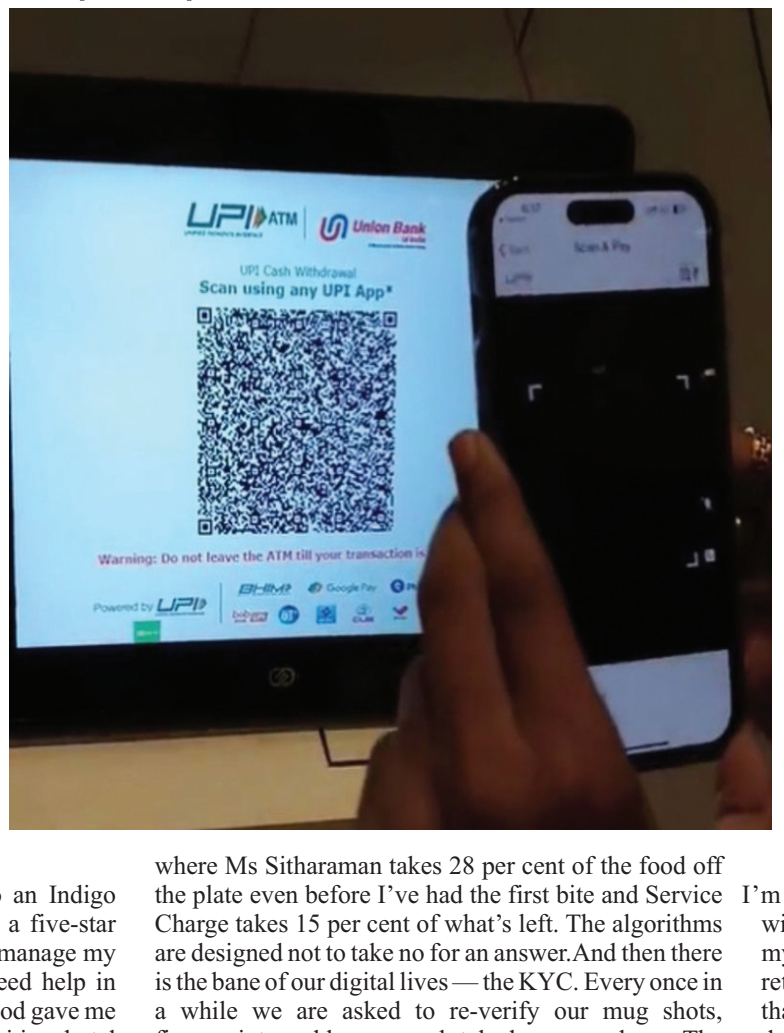

Unlike our Prime Minister or Mr Narayana Murthy, I do not labour for 18 hours a day; in fact, I don't labour at all — having toiled for 35 years, I have now left it to others to clear out the mess I've created during that period. But this doesn't mean I don't put in many productive hours every day — for, as the L&T chairman never said: "They also serve who only stand and stare." Deleting the hours I spend in sleeping, and staring at Neerja, I do work for about four hours every day at my office table, which I picked up at a Delhi chor bazaar just before someone nicked my wallet. But — and here's my grouse and the trigger for this piece — about two of these hours are spent sorting out issues with my banks.

This constitutes my daily nightmare, of the digital kind. All banks have now gone online and that has its advantages, especially in the matter of withdrawing cash through ATMs, making payments, opening FDs, etc, through net-banking. Beyond these, however, if you have an issue like change of phone number or address, or suspect credit or debit, or closing an account, and need to contact the bank or its manager, or do a KYC, then you need to gird up your loins, prepare for a few frustrating weeks and long for the old days when you could drop in at the branch to have a cup of tea with the Branch Manager while your issue was sorted out in a cordial manner. Not anymore. These days, you have to deal with an anonymous, faceless, algorithmic monster called Customer Service, legal fiction which you are led to believe exists (like God) but actually doesn't (again, like God).I have accounts in four banks, having decided to spread the risks when they start collapsing whenever Mr Adani decides to buy Cyprus or St Kitts and move there with his trillions. But, since it's now quite clear that he is happy to stay in India and buy this country instead, I decided to close two of these accounts before dementia catches up with me and I forget about all of them. I've been waging a battle with one of these banks for the last month to close one account. A Speed Post letter to the BM has elicited no acknowledgement — I suspect he is also legal fiction and doesn't exist. Three emails to Customer Service ("we value our relationship with you") have elicited three identical responses, saying it can't be done online and that I should visit the branch with as many papers as I carried to my UPSC interview 50 years ago.I pointed out that I am a senior citizen and should not be expected to physically go to the branch which is 20 km away: no response from the bot at the other end, but I thought I could hear a snicker from the bank's URL. The account is still not closed. I think I shall bequeath it in my will to someone I detest, preferably a 'bhakt', or some dandy from St Stephen's College (do I need to tell you that I'm from Hindu College?)There are other missiles in the armoury of Customer Service which they unleash in the wee hours of the night. One morning you'll be suddenly informed that your basic savings account has been upgraded to Burgundy or Platinum or Super Value, which requires you to maintain a few lakhs in your account at all times, on pain of penalty charges. In return, you will get your own Relationship Manager, free access to an Indigo airport lounge and a discount on meals at a five-star restaurant. I've tried telling them that I can manage my own relationships, thank you, and don't need help in managing them; that I wouldn't fly even if God gave me wings; that it makes no sense to have biryani in a hotel where Ms Sitharaman takes 28 per cent of the food off the plate even before I've had the first bite and Service Charge takes 15 per cent of what's left. The algorithms are designed not to take no for an answer.And then there is the bane of our digital lives — the KYC. Every once in a while we are asked to re-verify our mug shots, fingerprints, addresses and telephone numbers. The public sector banks, those remnants of the dinosaurs, insist that you physically visit their branches to do so, even if you are on the International Space Station with Sunita Williams. (Incidentally, you now have to do this also for your FASTag, gas connection, insurance policies, mutual funds, etc). It doesn't matter a whit that you've had an account with the bank for 40 years, or that it's a pension account verified by the AG himself, or that you've never, ever, defaulted on a loan or a credit card payment, or ever had any dealings with Suresh the Con-man, or Mallya or Choksi or Nirav Modi. While people like these gentlemen are siphoning off thousands of crores from the banks, we cannot touch our own moneys.

One can't help but feel that we are rushing too fast into wholesale digitalisation without adequately preparing our personnel, processes and culture for it, just like Mr Gadkari with his expressways and Ms Sitharaman with her GST. Sometimes, one longs for the older ways. I recollect my dad, after retirement in Kanpur, used to visit his bank branch two or three times every week, have a gossip session with the BM, get tips on investments, encash a cheque or two over tea and aloo ki tikkis, and return home a satisfied customer. He died of old age, not the effects of dealing with Customer Service and Digital India. Me, I'll probably die of an embolism caused by a Customer Service algorithm.

I'm considering closing all my bank accounts, withdrawing the funds and going into partnership with my village moneylender; he's promised me an annual return of 8 per cent (no TDS, of course), which is more than what these banks give. Problem is, he wants me to do a KYC too!

Dalal Street holiday: Is the stock market open or close on Maha Shivratri 2025

New Delhi. Dalal Street has been under pressure over the past two months with the Sensex and Nifty falling continuously, but will get a much-needed break on February 26.Stock markets will remain closed on Wednesday, February 26, on account of Maha Shivratri. Both the Bombay Stock Exchange (BSE) and the National Stock Exchange (NSE) will observe a holiday, halting all trading activity for the day.This will be the first stock market holiday of 2025. As per the holiday list announced by the exchanges, there will be a total of 14 market holidays during the year.With the holiday on Maha Shivratri, there will be no trading in the equity segment, equity derivatives, currency derivatives, interest rate derivatives, commodities, and securities lending and borrowing (SLB) segment. Trading will resume on Thursday, February 27, as per normal market hours.Stock markets usually operate from Monday to Friday, except on declared holidays. They remain closed on Saturdays and Sundays. However, this year, markets were open on Saturday, February 1, for the Union Budget session.On a typical trading day, the Indian stock market follows a schedule that includes:

Pre-opening session: 9:00 am to 9:15 am
Continuous trading session: 9:15 am to 3:30 pm
Closing session: 3:40 pm to 4:00 pm
Morning block deal session: 8:45 am to 9:00 am

The most number of stock market holidays in 2025 will be in April and October, with three holidays each. March and August will have two holidays each. February, May, November, and December will have only one stock market holiday each.

Investors and traders should plan their activities accordingly, considering the scheduled holidays throughout the year.

Donald Trump's latest order triggers sharp sell-off in China tech stocks

New Delhi. Chinese technology stocks fell sharply after US President Donald Trump introduced new restrictions on US investments in Chinese companies. The move has further increased tensions between the two biggest economies in the world, leading to concerns about financial and technological separation.The Hang Seng Tech Index dropped by as much as 4.4% on Tuesday, marking its biggest fall since November. Alibaba Group Holding Ltd. saw its shares plunge 7.9% in Hong Kong, following a 10% decline in its American depositary receipts. The Nasdaq Golden Dragon China Index, which tracks US-listed Chinese companies, also fell by 5.2% overnight.

These losses have raised concerns about the strong rally seen in Chinese tech stocks earlier this year, which was driven by investor confidence in artificial intelligence and new developments like DeepSeek. While investors had initially dismissed Trump's earlier tariff measures, the latest orders have made them reconsider the risks of growing US-China tensions.Over the weekend, Trump announced stricter scrutiny of foreign companies listed in the US, focusing on their ownership structures. He also increased pressure on US pension and endowment funds to limit investments in China's high-tech sector.

"Given the strong rise in AI-related Chinese stocks this year, the uncertainties created by Trump's actions could lead to profit-taking. If these orders are implemented, there is a risk that AI supply chains could be affected," Charu Chanana, chief investment strategist at Saxo Markets, told Bloomberg.Chinese internet giants have been gaining investor confidence this year, especially with positive developments in artificial intelligence. However, the latest market drop shows how quickly investor sentiment can change when new risks emerge.

Parliamentary panel meets for reviewing I-T Bill 2025

New Delhi. The select parliament panel constituted to review the Income-Tax Bill, 2025 met for the first time on Monday. As per sources, members of the panel were briefed about the new Bill, and some of the members raised initial doubts and questions about the Bill. Apart from that nothing much happened, said one of the members in the panel.

The panel was set up to review the new I-T Bill, and submit its report by March 10. After the panel's report is submitted, the government would try and incorporate the changes suggested by the panel.

The Bill would then be tabled again in parliament and once it is passed by Parliament and becomes an Act, new rules and forms will be notified. Simultaneously,

the government will develop software to set up the systems and processes for various administrative and quasi-judicial functions. The Bill is expected to come into force by 1 April 2026.The 31-member panel is headed by BJP Lok Sabha member of parliament (MP) Baijayant Panda. Other members include Nishikant Dubey, P P Chaudhary, Bhartruhari Mahtab and Anil Baluni (all BJP), and opposition MPs like Deepender Singh Hooda of the Congress, Mahua Moitra of the TMC, Supriya Sule of the NCP (SP) and N K Premachandran of the RSP.he new Bill is more about consolidation of scattered tax provisions, simplification and elimination of redundant laws than about rate ir structural changes.

Sebi proposes tighter rules for index derivatives. Here's what it means

In a consultation paper released late Monday, Sebi said it wants to link stock derivative position limits to the cash market. The idea is to cap the market-wide position limit at the lower of 15% of a stock's free-float market cap or 60 times its average daily delivery value.

New Delhi. The Securities and Exchange Board of India (Sebi) wants to tighten the rules for index derivatives and cut down position limits in stock derivatives to reduce risks in the market, reported news agency Reuters.The regulator is worried that heavy speculation in futures and options (F&O) is spilling over into the broader market, which has been shaky after hitting record highs in September 2024.In a consultation paper released late Monday, Sebi said it wants to link stock derivative position limits to the cash market. The idea is to cap the market-wide position limit at the lower of 15% of a stock's free-float market cap or 60 times its average daily delivery value.Sebi believes this will help curb manipulation and bring better alignment between derivatives and cash market liquidity.The markets regulator has also proposed that derivatives on indices other than benchmark Sensex and Nifty50 should only be offered if the index meets a certain criteria.

"Index derivatives are cash-settled, but the nexus between cash and derivative markets nevertheless exists," Sebi said. "If a high proportion of index weightage is attributable to a small number of stocks, participants could effectively replicate a large (and unmonitored) position in those constituents, giving rise to fears or risks of market manipulation and/ or excessive market volatility," it added.For index derivatives, Sebi is proposing that only indices with at least 14 stocks should be eligible.

It also wants to ensure no single stock dominates an index—so the top three stocks together can't have more than 45% weight, and no single stock can have more than 20%.This is to prevent traders from building large, unmonitored positions in a few stocks via index derivatives, which could distort prices.Sebi is also looking at bringing a pre-open session for futures, just like in the cash market. This would start with current-month futures on stocks and indices to improve price discovery.These proposals come after Sebi already made derivatives trading tougher in October by raising entry barriers and increasing trading costs for retail investors. The regulator has invited feedback from market participants on these new rules till March 17.

DBS to reduce workforce by 4,000 in 3 years because of AI adoption: CEO

New Delhi. DBS Group expects a 10% reduction in its workforce in the next three years as artificial intelligence adoption goes deeper into the operations, its chief executive Piyush Gupta said on Monday.

Gupta said AI is different and unlike any other technologies adopted in the past and added that he is struggling to create new jobs for the first time in his over 15-year stint at the helm of the Singapore-based bank. "This year, my current projection is that in the next three years, we are going to shrink our workforce by 4,000 or 10%," Gupta said at a Nasscom event in Mumbai. Gupta added, "AI is very powerful. It can self-create and also mimick." Gupta said in the last 10 years, there have not been any job cuts in the group.He reminisced that in 2016-17, the bank embarked on a digital transformation which was seen impacting 1,600 people but added that almost all of them were repurposed in consultation with the unions and other representatives.

However, the current challenge in the age of AI is also revolving around how to repurpose the workforce. The bank has been cautious about relying fully on AI when it comes to customer outreach because of aspects like hallucinations but added that it has done first use case on reaching customer directly and plans to broadbase it by end of the year. DBS started implementing generative AI solutions two years back, and the entire benefits of generative AI are yet to be seen, Gupta said.

Tata Capital IPO to soon make Dalal Street debut as board clears listing plans

New Delhi. Tata Capital has approved its plan to launch an initial public offering (IPO), in which the non-banking financial company (NBFC) will issue 23 crore new shares, reported news agency Reuters. Existing shareholders will also sell their stakes through an offer for sale (OFS), the company announced on Tuesday.

The financial services arm of the Tata Group is required to list on the stock exchanges by September this year, as per the Reserve Bank of India's (RBI) regulations for "upper layer" non-banking financial companies.

Tata Capital will be the first company from the Tata Group to launch an IPO since Tata Technologies went public in November 2023.

The company has not shared further details on the size of the IPO, expected valuation, or timeline. However, the listing is expected to be closely watched by investors, given the strong brand value of the Tata Group and the steady growth of India's financial services sector.

Tata Capital was established in 2007 and

provides various types of loans, including home loans, personal loans, business loans, and loans against property. It also offers wealth management and investment services.

Tata Sons, the holding company of the Tata Group, is the largest shareholder in Tata Capital, with a 92.8% stake as of March 2024. The IPO will reduce its ownership, but the extent of dilution will depend on the final structure of the offering.In addition to clearing its IPO plans, Tata Capital's board has also approved a rights issue of Rs 1,504 crore ($173 million). This move will help the company strengthen its capital base ahead of the public listing.

Sensex, Nifty snap losing streak to open higher, but FII selling remains concern

The S&P BSE Sensex was up 81.16 points to 74,535.57, while the NSE Nifty50 gained 11.40 points to 22,564.75 as of 9:25 AM.

New Delhi. Benchmark stock market indices broke their losing streak to open higher on Tuesday, driven by gains in auto sector stocks in early trade.The S&P BSE Sensex was up 248.95 points to 74,703.36, while the NSE Nifty50 gained 51.90 points to 22,605.25 as of 9:25 AM.Dr. V K Vijayakumar, Cief Investment Strategist, Geojit Financial Services said that the market is oversold, largecap valuations are fair and short positions in the market are high."This warrants a bounce back particularly if a short covering happens. But the real issue is the relentless FII selling in the cash market which has touched 43200 crores in February so far. Since cash market selling and shorting in the derivatives market have been profitable for FIIs, they might continue to sell and try to profit from the negative momentum in the market. It is the sustained DII buying that is preventing the market from a capitulation," he added.

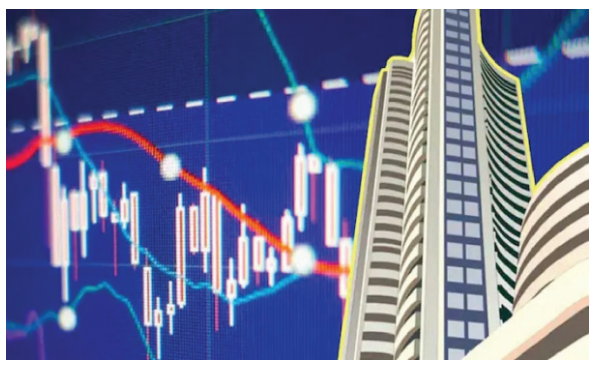

Among the gainers, M&M led the pack with a rise of 2.41% as auto sector was the biggest gainer in eary trade, followed by Bajaj Finance NSV which gained 1.63%. Bharti Airtel also performed well, climbing 1.51%, while Bajaj Finance added 1.30% and IndusInd Bank rounded out the positive performers with a 1.15% increase.On the downside, Hindalco was the biggest loser, dropping 2.94%. NTPC declined by 1.03%, while Coal India fell 0.97%. Larsen & Toubro slipped 0.94%, and Hero MotoCorp decreased by 0.88%.

"Trump tariff uncertainty will continue to weigh on markets. Domestically we need indications of a growth and earnings recovery in India. Investors should stay with quality stocks which will bounce back when the inevitable recovery happens. Patience is the key," said Vijayakumar.

The Nifty Smallcap100 rose 0.53%, while the Nifty Midcap100 also moved higher, adding 0.28%. The India VIX, often referred to as the fear gauge, declined by 3.11%.

India, UK resume trade talks; tariff, business visa key issues

Commerce minister Piyush Goyal says business mobility is a separate issue, and that business visas would certainly be part of the trade negotiations.

New Delhi. Commerce minister Piyush Goyal on Monday clarified that the ongoing Free Trade Agreement (FTA) with the United Kingdom would only consider the issue of business visas and not discuss immigration. He said nowhere in the world immigrations are part of the trade negotiations. Goyal was responding to a media query after the resumption of free trade talks with the UK on Monday.

"They are two (immigration and free trade negations) are two different subjects and India has never discussed immigration in any free trade negotiations," Goyal said.His counterpart – Secretary of State for the Department for Business and Trade of the United Kingdom Jonathan Reynolds – seconded Goyal's statement as he said that the UK government treats the two matters separately.He, however, clarified that business mobility is a separate issue, and that business visas would certainly be part of the trade negotiations. Goyal also added that student visas are akin to business visas and they would also be part of the trade talks with the UK.The trade talks with the UK began after a hiatus of nine months. The 14th round of negotiations for the FTA, which began on January 10 last year, was underway till May 2024 when the process was paused by the UK side due to their elections.When asked if the trade negotiations would be completed in the current financial year, Goyal said it's never too early and never too late to conclude a good agreement.I have consistently maintained in all our trade negotiations over the years that trade agreements are for a long term future. One has to Crystal gaze into 20, 30 or 50 years into the future and make a robust agreement, which is agreement from both sides. And therefore, we should not rush into things," said Goyal.

According to a press statement by the ministry of commerce, both sides have agreed to resume negotiations towards a balanced, mutually beneficial and a forward-looking deal that delivers mutual growth and builds on the strengths of the two complementary economies.While 14th rond of discussions have taken place, there are a few thorny issues left to be resolved between the two countries. India is demanding greater access for its skilled professionals from sectors like IT and healthcare in the UK market, besides market access for several goods at nil customs duty. The UK, on the other hand, is seeking a tariff cut in import duties on goods such as scotch whiskey, electric vehicles, lamb meat, chocolates and certain confectionary items.

"Many of the tariffs that India has are really to protect us from non-market and non-transparent economies or economies which are known for predatory pricing or dumping of goods, and I think between the UK and India, we have much more flexibility and ability to significantly reduce tariffs to make businesses more competitive between the two countries," Goyal said while responding to a question on tariff.

Vaginal entry of penis not needed for rape under Pocso: Kerala High Court

Even a slightest physical contact with a child's external genitalia constitutes penetrative sexual assault under the Pocso Act, Kerala High Court ruled, rejecting the argument that full vaginal penetration is necessary.

- Rape accused challenges conviction citing intact hymen
- Court rejects argument, says slightest physical contact with vagina suffices
- Upholds life sentence for assaulting 4-year-old neighbour

NEW DELHI. The Kerala High Court recently ruled that the entry of a penis into the vagina is not essential to constitute penetrative sexual assault under the Protection of Children from Sexual Offences (Pocso) Act.A bench comprising Justices PB Suresh Kumar and Jobin Sebastian clarified that penetration is not restricted to full vaginal penetration but also includes even the slightest physical contact with the victim's external genitalia--labia majora or vulva."In other words, penetration of the male genital organ within the labia majora or the vulva, with or without any emission of semen or even an attempt at penetration into the private part of the victim completely, partially, or slightly, would make out the offence of penetrative sexual assault under the Pocso Act as well," the Bar and Bench quoted the court order.

The court made these observations while holding a person found guilty of sexually assaulting a 4-year-old girl.

The accused approached the High Court, challenging his conviction by a lower court, arguing that the victim's testimony was unreliable and that there was no conclusive medical proof of penetration. He even cited medical reports stating that the victim's hymen was intact and claimed that the prosecution failed to establish penetration.

The High Court, however, rejected this argument, stating that the absence of hymenal rupture did not negate the offence of rape or penetrative sexual assault.

The accused repeatedly raped and sexually assaulted a minor girl, who was his neighbour, at his residence in Kasargod. The crime came to light when the child complained of genital pain to her mother, which led to a hospital inspection, where the authorities informed the police.The accused was found guilty by the trial court and sentenced to life imprisonment along with a Rs 25,000 fine.

Legal experts appear before ONOE committee

NEW DELHI. Former Law Commission of India chairperson Ritu Raj Awasthi appeared on Tuesday before the Joint Parliamentary Committee studying the two bills for simultaneous Lok Sabha and assembly polls as the panel began consulting experts and stakeholders.

IAS officer Niten Chandra, the secretary of the high-level Kovind committee, also shared his views with the panel.Former chief justice of India U U Lalit is also scheduled to appear before the committee during its day-long meeting.E M Sudarsana Natchiappan, a senior advocate and former Congress MP who had headed in 2015 a parliamentary committee that favoured simultaneous polls, will also share his views with the panel.

The parliamentary committee's agenda for the February 25 meeting is briefly listed as "interaction with legal experts".

The high-level committee headed by former president Ram Nath Kovind was constituted by the Modi government on 'one nation one election' (ONOE) and it had in its voluminous report strongly batted for the concept.Subsequently, the Union Cabinet accepted the committee's recommendations and the government tabled two bills, including one seeking to amend the Constitution, in Lok Sabha.Lok Sabha Speaker Om Birla constituted a 39-member Joint Parliamentary Committee headed by BJP MP and former law minister P P Chaudhary.The parliamentary committee had so far held two meetings, excluding Tuesday's, in which prepared broad details of its agenda and the list of stakeholders and experts to be consulted is given.

GRAP 2 curbs revoked as AQI level improves

NEW DELHI. The Commission for Air Quality Management (CAQM) sub-committee on Monday lifted the Stage 2 anti-pollution curbs under the Graded Response Action Plan (GRAP) after a significant improvement in air quality, attributed to favourable meteorological conditions.Delhi's 24-hour average Air Quality Index (AQI) stood at 186 at 4 pm on Monday, well below the 300-mark that triggers Stage 2 restrictions. With the revocation, the national capital will now be under GRAP 1 restrictions until further notice.

The CAQM credited the improved air quality to better mixing height, ventilation coefficient, and other favorable atmospheric factors.The IMD and the Indian Institute of Tropical Meteorology (IITM) predict that the AQI will likely remain in the moderate to poor category, offering some relief to residents who have faced severe pollution levels in recent months.

Delhi court orders verification of medical documents in Swati Maliwal corruption case

NEW DELHI. A Delhi court on Monday directed the verification of medical documents submitted by Barkha Singh, the complainant in the corruption case against former Delhi Commission for Women (DCW) chairperson Swati Maliwal.

Barkha Singh's counsel sought an exemption from appearing in court, citing medical reasons and stating that she is bedridden and unable to testify. When the court inquired whether she could appear via video conferencing, her counsel asserted that this too was not feasible, adding that she had been advised to undergo surgery.Special Judge Jitendra Singh of the Rouse Avenue Court instructed the Investigation Officer (IO) to verify the authenticity of her medical records. The case pertains to alleged irregularities in recruitment within DCW during Maliwal's tenure.

Swati Maliwal, along with co-accused Promila Gupta, Sarika Chaudhary, and Farheen Malik, is facing trial on corruption charges.The court noted that as the complainant, Barkha Singh is required to depose, but she has repeatedly sought exemptions.The matter has now been scheduled for the examination of other prosecution witnesses on March 19.

Previously, on September 20, 2024, the Delhi High Court dismissed two appeals challenging the charges framed against Maliwal and her co-accused.

Case details

The case pertains to alleged irregularities in recruitment within DCW during Maliwal's tenure. Swati Maliwal, along with co-accused Promila Gupta, Sarika Chaudhary, and Farheen Malik, is facing trial on corruption charges.

Segregation of waste vital, says SC

NEW DELHI. The Supreme Court on Monday emphasised the importance of waste segregation for environmental health, directing the Central Pollution Control Board (CPCB) to submit a report on the impact of waste-to-energy projects on public health and the environment.The Court noted that waste segregation begins at home and is crucial for the well-being of the environment.

The two-judge bench, led by Justice Abhay S. Oka and Justice Ujjal Bhuyan, made the observation during a hearing on a petition filed by environmentalist MC Mehta, addressing pollution concerns in Delhi-NCR.The Court examined issues such as stubble burning, solid waste management, industrial pollution, and construction dust.

The bench raised questions to the National Capital Region (NCR) states, which comprises Delhi and certain districts of Haryana, Uttar Pradesh and Rajasthan, about their smart city projects and how they have implemented proper waste segregation at the source, as per the Solid Waste Management Rules, 2016.

During the hearing, Senior Advocate and Amicus Curiae, Aparajita Singh, highlighted that waste-to-energy projects, often seen as a solution to the city's garbage crisis, would fail without proper segregation. "NCR has a low percentage of waste segregation, with bio-waste being mixed with plastic in many households," she said.

In response, the apex court instructed the NCR states to file detailed affidavits by the end of March, outlining the level of compliance by their urban bodies with the 2016 rules.

The Court sought answers on the comprehensive waste management plans, including timelines and implementing agencies, from the states.

The SC had previously criticised the Delhi government for failing to comply with the Solid Waste Management Rules, 2016. In many hearings, the Court pointed out that Delhi's solid waste management was in a "sorry state" and could lead to a public health emergency.The Court had earlier noted that Delhi generates over 11,000 metric tonnes of solid waste daily, while waste treatment plants can process only 8,073 metric tonnes.

Mamata Banerjee raises government doctors' salaries, seeks action in RG Kar case

Kolkata. West Bengal Chief Minister Mamata Banerjee on Monday announced a salary hike for government doctors in the range of Rs 10,000 to Rs 15,000.

Banerjee, who is also the health minister of the state, announced a fund of Rs 2 crore for each medical college in the state for their cultural and sporting activities.The CM also demanded strict punishment for the culprit in the rape and murder of an on-duty medic inside state-run RG Kar Medical College and Hospital in August last year, which triggered widespread agitation by doctors who demanded justice for the deceased, workplace security and redressal of several grievances.

The trial court has sentenced Sanjay Roy to life imprisonment till death after he was convicted of rape and murder of an on-duty doctor at the state-run RG Kar Medical College and Hospital. The case is now pending in the Calcutta High Court.Banerjee, while addressing a gathering of senior and junior doctors and medical students here, highlighted her government's efforts to ensure justice and emphasised the introduction of the Aparajita Bill, which seeks capital punishment for rape convicts.

Lauding the roles of the medics in providing healthcare services, she announced a salary hike of Rs 15,000 for senior doctors, and Rs 10,000 for junior doctors including the interns, house staff and post-graduate trainees.

"Senior doctors teach the junior doctors many things. I will request the senior doctors not to leave everything on the juniors be it a C-section or a cardiac surgery. Give at least eight hours of your service for government hospitals and then carry on with your private practice. I don't have any problem with that," she said.

On track: Delhi-Meerut RRTS nears completion with trial runs and updates

NEW DELHI. The laying of the entire 82 km track on the Delhi-Ghaziabad-Meerut Regional Rapid Transit System (RRTS) corridor is nearing completion, as per the sources. Around 55 km of the corridor is already operational.

The corridor uses a precast slab track system instead of the traditional ballastless tracks used in metro and railway networks, which are designed for speeds up to 95 kmph. The Namo Bharat corridor, designed for high-speed trains, requires an advanced track system

"Final stages of track installation across the entire corridor are expected to be completed soon, marking a major milestone for the project," an official from the National Capital Region Transport Corporation (NCRTC), said. The NCRTC is responsible for executing the project.

Since the first section of the corridor began operations on October 21, 2023, Namo Bharat trains have carried approximately 66 lakh commuters."The trial run of Namo Bharat trains on the section beyond the operational section -- between Meerut South and Shatabdi Nagar -- began in February. Trial runs on the remaining section in Delhi from Anand Vihar and Sarai Kale Khan are also expected to begin soon," the official said.

Meerut will introduce a local metro service using the same infrastructure, with extensive trial runs already underway.

Authorities emphasise that rigorous testing is being conducted to ensure seamless operations. The integration of metro services with this corridor is expected to enhance regional connectivity and accessibility.

ED returns seized assets worth Rs 3,339 crore to ponzi scam victims

The Enforcement Directorate (ED) has restored attached properties worth approximately Rs 3,339 crore to victims of the Rs 6,380 crore AgriGold Ponzi scheme, which defrauded over 32 lakh investors across multiple states.

NEW DELHI. The Enforcement Directorate (ED) has returned attached properties worth approximately Rs 3,339 crore to the victims of a ponzi scheme in Andhra Pradesh, Telangana, Karnataka and other locations, the agency said on Monday.The current market value of these properties is estimated to exceed Rs 6,000 crore.The case involves the AgriGold Group of Companies, which allegedly collected deposits from around 19 lakh customers under the pretext of real estate investments, promising "high returns" or a residential plot, the federal agency said in a statement.

The ED launched a money laundering investigation into the case in 2018, based on multiple FIRs registered in Andhra Pradesh, Telangana, Karnataka, Odisha, and the Andaman and Nicobar Islands.The restored properties include over 2,300 parcels of agricultural land, residential and commercial plots, apartments, and the 'Haailand' amusement park in Guntur district of Andhra Pradesh. Of the 2,310 attached immovable properties, 2,254 are in Andhra Pradesh, 43 in Telangana, 11 in Karnataka, and 2 in Odisha.

The restoration was completed after a Special Court under the Prevention of Money Laundering Act (PMLA) in Hyderabad allowed the restitution on the ED's petition.

6,380 CRORE AGRIGOLD SCAM

The ED launched its investigation into the AgriGold group in 2018. The probe revealed that AgriGold operated a fraudulent collective investment scheme disguised as a real estate business. Over 130 shell companies were floated to collect deposits labelled as 'advances for plots,' despite the absence of corresponding land holdings.

The funds collected were then diverted to various sectors, including power, dairy, entertainment, health, and farmland ventures, without informing depositors. The scam amassed nearly Rs 6,380 crore from over 32 lakh investor accounts, aided by thousands of commission agents.

LEGAL ACTIONS AND ASSET SEIZURES

During its investigation, the central agency attached movable and immovable properties worth around Rs 4,141.2 crore across various states.In December 2020, the agency arrested key accused Avva Venkata Rama Rao, Avva Venkata Seshu Narayana Rao, and Avva Hema Sundara Vara Prasad. A prosecution complaint was filed in February 2021 before the Special PMLA Court in Nampally, Hyderabad, against 14 accused individuals and entities.

The court took cognisance of the money laundering charges in August 2023. A supplementary prosecution complaint was filed in March 2024, against 22 additional accused, with cognisance taken in November 2024.

SIGNIFICANCE OF RESTITUTION

This restitution marks a significant milestone in the ED's ongoing efforts to return proceeds of crime (POC) to victims of financial fraud.

NEWS BOX

Europe's participation 'needed' in ending conflict with Ukraine: Putin

World Russian President Vladimir Putin said on Monday that Russia was not opposed to Europe's involvement in Russia-US peace talks aimed at settling the conflict in Ukraine, but noted that Brussels had long rejected any dialogue with Moscow.Putin, interviewed on Russian state television, also said US President Donald Trump was approaching the Russia-Ukraine conflict rationally and not emotionally.Russia and the United States held an initial round of talks on Ukraine last week in Saudi Arabia. Ukraine and Kyiv's European allies were not invited, sparking objections from both.Putin said it was logical for Europe to take part in talks on a settlement to the three-year-old conflict."Their participation in the negotiating process is needed. We never rejected that, we held constant discussions with them," Putin said."At times, on the pretext of inflicting on Russia a battlefield defeat, they were the ones who refused contact with us. If they want to come back, that's fine."He said negative reactions to the talks in Riyadh had been "emotional and void of any kind of logic"."And why? Because in order to resolve complex and difficult questions, including the Ukrainian issue, Russia and the United States must make the first step. And that first step must be devoted to raising the level of trust between our countries. And that is what we did in Riyadh."The Ukraine conflict had been discussed, he said, "but not in its essence. We simply agreed that we get to it. And here we are not rejecting the participation of European countries."Putin also said he approved a suggestion that Russia and the United States could discuss deep cuts -- up to 50% -- in military spending.

"We could come to an agreement with the United States. We're not against that," Putin said.

"The idea seems like a good one to me. The United States reduces theirs by 50% and we reduce ours by 50%. And China could join us later if it wishes."

Nearly 40% of US government contracts cancelled by DOGE are expected to produce no savings

WASHINGTON. Nearly 40% of the federal contracts that the Trump administration claims to have cancelled as part of its signature cost-cutting program aren't expected to save the government any money, the administration's own data shows.he Department of Government Efficiency run by Elon Musk last week published an initial list of 1,125 contracts that it terminated in recent weeks across the federal government. Data published on DOGE's "Wall of Receipts" shows that more than one-third of the contract cancellations, 417 in all, are expected to yield no savings.That's usually because the total value of the contracts has already been fully obligated, which means the government has a legal requirement to spend the funds for the goods or services it purchased and in many cases has already done so."It's like confiscating used ammunition after it's been shot when there's nothing left in it. It doesn't accomplish any policy objective," said Charles Tiefer, a retired University of Baltimore law professor and expert on government contracting law. "Their terminating so many contracts pointlessly obviously doesn't accomplish anything for saving money."Dozens of them were for already-paid subscriptions to The Associated Press, Politico and other media services that the administration said it would discontinue. Others were for research studies that have been awarded, training that has taken place, software that has been purchased and interns that have come and gone.n administration official said it made sense to cancel contracts that are seen as potential dead weight, even if the moves do not yield any savings. The official was not authorized to discuss the matter publicly and spoke on condition of anonymity.

In all, DOGE data says the 417 contracts in question had a total value of $478 million. Dozens of other cancelled contracts are expected to yield little if any savings.

US refuses to blame Russia for Ukraine war, splitting with European allies in UN votes

UNITED NATIONS. In a dramatic shift in transatlantic relations under President Donald Trump, the United States split with its European allies by refusing to blame Russia for its invasion of Ukraine in votes on three UN resolutions Monday seeking an end to the three-year war.

The growing divide follows Trump's decision to open direct negotiations with Russia on ending the war, dismaying Ukraine and its European supporters by excluding them from the preliminary talks last week.

In the UN General Assembly, the US joined Russia in voting against a Europe-backed Ukrainian resolution that calls out Moscow's aggression and demands an immediate withdrawal of Russian troops.The US then abstained from voting on its own competing resolution after Europeans, led by France, succeeded in amending it to make clear Russia was the aggressor. The voting was taking place on the third anniversary of Russia's invasion and as Trump was hosting French President Emmanuel Macron in Washington.

It was a major setback for the Trump administration in the 193-member world body, whose resolutions are not legally binding but are seen as a barometer of world opinion.The US then pushed for a vote on its original draft in the more powerful UN Security Council, where resolutions are legally binding and it has veto power along with Russia, China, Britain and France.The vote in the 15-member council was 10-0 with five European countries abstaining—Britain, France, Denmark, Greece, and Slovenia.The dueling resolutions also reflect the tensions that have emerged between the US and Ukraine.

Money not seen in our records: Bangladesh official on $29 million USAID grant

On February 16, the Elon Musk-led US Department of Government Efficiency announced its decision to cut $723 million in foreign aid funding, which included $21 million for India and $29 million for Bangladesh.

World In its first reaction to the raging USAID funding controversy, Bangladesh said that the $29 million grant allotted to the South Asian nation to strengthen its political landscape "was not seen in our records".

In its announcement on February 16, the Elon Musk-led US Department of Government Efficiency announced its decision to slash $723 million in foreign aid funding as part of its broader budget overhaul plans.

The funding included the $29 million grant for Bangladesh, as well as $21 million for India aimed at "increasing voter turnout". The announcement has led to a massive political row in India, as Trump hinted at election interference and questioned the requirement of such funds.Meanwhile, Md Anwar Hossain, Director General of Bangladesh's NGO Affairs Bureau, said, "We have not seen the amount of money in our records".The bureau is a Bangladesh government body which facilitates the activities of NGOs operating across Bangladesh with foreign assistance.

"Donald Trump said about $29 million. We have not identified that amount come through the NGO Affairs Bureau. Because if they can tell which NGOs are involved, then we can identify them. But overall, the money is not yet seen in our NGO Affairs records. I cannot tell if they have sent money into the country without bypassing the NGO Affairs Bureau," he added.The Bangladesh government official also confirmed that more than 75 NGOs in the country not only receive funding from the American aid agency, but also donations from US-based donors."USAID mostly helps with projects involving the Rohingya and these are still in operation, not suspended," he stated.

Hossain went on to explain that "if foreign donors donate directly to the registered NGOs, only then can we keep a record of the money. USAID brings in money through government channels, which is then distributed to agencies. This is not reflected in our NGO Affairs records".

Five minutes to midnight, warns Germany's Merz as Trump moves US closer to Russia

World Germany's election winner Friedrich Merz warned the United States on Monday against turning its back on allies but also urged Europeans to build up their own defence capabilities, saying it was now "five minutes to midnight for Europe".His comments underscored the turmoil engulfing the transatlantic alliance since the re-election of US President Donald Trump and fears he could strike a deal with Russia over Ukraine while Kyiv and Europe just watch from the sidelines.

Merz's conservatives are looking to quickly form a government after winning a national election on Sunday but face tricky coalition talks and the prospect of an obstructive parliament after far-right and far-left parties surged.Time is pressing for Europe's ailing largest economy. German businesses are demanding help to remain globally competitive, society is split over migration and the new government must also deal with a confrontational Trump administration threatening tariffs as well as a hostile Russia and an assertive China.

"And what we also see with the greatest concern, of course, is the attempt (by Trump) to make a deal with Russia on Ukraine over the heads of the Europeans, over the heads of Ukraine," Merz told a press conference.

"It will come as no surprise to you when I say that this is unacceptable both for Ukraine and for Europe," Merz said, adding it would be difficult if those who put "America First" actually made their motto "America Alone".His conservative bloc wants to ally with Olaf Scholz's Social Democrats (SPD), who came in third, after the far-right Alternative for Germany (AfD) surged to a historic second place.

But Merz's bid for an alliance with the SPD comes after a bruising campaign that highlighted deep policy divisions, in particular over migration. The SPD, smarting from its worst post-war result, may set a high price for any deal.The AfD and the radical Left Party jointly secured one-third of seats in the new parliament, enough to block constitutional changes needed to loosen state borrowing limits - changes that some economists say are crucial to reviving the flagging economy.

I've done hideous things: French ex-surgeon on trial for mass child sex abuse

World A former French surgeon went on trial Monday charged with raping or sexually assaulting almost 300 patients, most of them children at the time, in one of the country's largest child sex abuse cases. Judge Aude Buresi declared the hearing in the western city of Vannes open as Joel Le Scouarnec, 74, took his place in the dock."I've done hideous things," Le Scouarnec told the court.He was "perfectly aware that these wounds cannot be erased or healed" and that he was ready to "take responsibility" for his actions.The former surgeon has already been in jail after being found guilty in 2020 of abusing four children, including two of his nieces.In the latest trial, Le Scouarnec faces allegations that he assaulted or raped 299 patients, many while waking up from anaesthetic or during post-op checkups, at a dozen hospitals between 1989 and 2014."I've been waiting for this moment for a long time," said one of the victims, Amelie Leveque, 42. She added, however, that she was "afraid" to see the former doctor.Two hundred and fifty-six of the victims were under 15, with the youngest aged one and the oldest 70.Le Scouarnec's lawyer, Maxime Tessier, told

the court his client admitted to the "vast majority" of the charges.The proceedings come just two months after Dominique Pelicot was convicted of enlisting dozens of strangers to rape his heavily sedated wife Gisele Pelicot, who has since divorced him and become a feminist hero for refusing to be ashamed.Like Pelicot, Le Scouarnec documented his crimes, noting his victims' names, ages and addresses and the nature of the abuse.

'MAJOR PERVERT'

In his notes, the doctor described himself as a "major pervert" and a "paedophile"."And I am very happy about it," he recorded.The trial will be held in public, but seven days of testimony from victims who were targeted while minors will be held behind closed doors.The victims "expect nothing from Mr. Le Scouarnec", lawyer Marie Grimaud told reporters.

But, she added, "they are hoping to regain a little dignity, humanity and above all consideration from the justice system, because until now, the judicial violence has been extremely significant."She expressed regret that the victims would be relegated to a separate room during the trial.If convicted, Le Scouarnec faces a maximum sentence of 20 years in prison. French law does not allow sentences to be added together even when there are multiple victims.

Democratic, Republican senators' resolution on Ukraine amid Trump's stance shift

Resolution expresses solidarity with Ukraine, seeks Kyiv's role in talks
Resolution reaffirms US support for Ukraine's sovereignty
This comes amid Donald Trump's major shift in stance on Ukraine war

Washington DC A group of Democratic and Republican US senators will offer a resolution backing Ukraine on Monday, amid fears that President Donald Trump could make a deal with Moscow that leaves Kyiv on the sidelines three years after Russia launched its full-scale invasion.The resolution, seen by Reuters, expresses solidarity with the people of Ukraine, offers condolences for the loss of tens of thousands of its citizens and seeks a role for Kyiv in any ceasefire talks.Its introduction comes as transatlantic relations are roiled by Trump's shifting stance on the war. The Republican President last week criticised Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy, suggesting Kyiv had started the war, and started talks on ending the war with Russian officials but without Kyiv or European allies.The resolution was led by Senator Jeanne Shaheen, the ranking Democrat on the Foreign Relations Committee, and Republican Senator Thom Tillis. The two lawmakers visited Ukraine last week, along with Democratic Senator Michael Bennet.It has at least 12 backers, including such senior Republicans as Mitch McConnell, the party's former Senate leader; Roger Wicker, chairman of the Armed Services Committee, and Chuck Grassley, chairman of the Judiciary Committee, as well as Democrats Dick Durbin, a member of the party's leadership, and Bennet, a Democratic foreign relations committee aide said."The Senate emphasises that Ukraine must be a participant in discussions with the Russian Federation about Ukraine's future," the resolution said.

The measure does not specifically back Nato membership, but reaffirms US support for Ukraine's sovereignty and territorial integrity, and "supports Ukraine's efforts to integrate into Euro-Atlantic structures".

In an emailed statement, Shaheen said, "As Vladimir Putin's illegal and brutal full-scale invasion enters its fourth year, I'm proud to introduce this bipartisan resolution that clearly states our unwavering support for and solidarity with the Ukrainian people and condemns Russia's aggression."

Fired US government workers hunt for new jobs but struggle to replace their old ones

NEW YORK: HIRING: Park ranger.SEEKING: Nuclear submarine engineer.WANTED: Sled dog musher.

If they seem unlikely postings, they probably are. But a laid-off federal worker can dream.Axed from jobs not easily found outside government, thousands of federal workers caught in President Donald Trump's cost-cutting efforts now face a difficult search for work."If you're doing, say, vegetation sampling and prescribed fire as your main work, there aren't many jobs," says Eric Anderson, 48, of Chicago, who was fired Feb. 14 from his job as a biological science technician at Indiana Dunes National Park.All the years of work Anderson put in—the master's degree, the urban forestry classes, the wildfire deployments—seemed to disappear in a single email dismissing him. He's hoping there's a chance he's called back, but if he isn't, he's not sure what he'll do next.He was so cnsumed with his firing that he broke a molar from grinding his teeth. But he knows he's caught in something larger than himself, as the new administration unfurls its chaotic cost-cutting agenda. "This is someone coming in and tossing a hand grenade and seeing what will happen," he says.The federal job cuts are the work of the Department of Government Efficiency, headed by billionaire Elon Musk, who has been tearing through agencies looking for suspected waste.No official tally of firings has been released, but the list stretches into the thousands and to nearly every part of the country. More than 80% of the federal government's 2.4-million-person civilian workforce is based outside of the Washington area.Cathy Nguyen, 51, of Honolulu, was laid off last month from her job at USAID, where she helped manage the PEPFAR program, which combats HIV/AIDS.Her firing not only brought the turmoil of finding new health insurance, halting saving for retirement and her kids' college education, and trimming spending for things like the family subscription to Disney Plus—it also has forced her to reconsider her career goals.

PEPFAR is a landmark effort that stretches across dozens of countries and is credited with saving some 26 million lives. Nothing rivals it. So where does a former PEPFAR worker go? "It's requiring me to rethink how I want to spend my professional life," Nguyen says.As specialized as Nguyen's work has been, Mitch Flanigan may have her beat. Flanigan, 40, was assigned to the sled dog kennels at Denali National Park and Preserve in Alaska until he was fired Feb. 14. It never brought a huge paycheck, but where else could he get to work as a dog musher against such a breathtaking panorama?He has appealed his firing with the US Merit Systems Protection Board.

"I still kind of want to fight for the job that I lost," he says. "I'm not really making much money, it's just fun and it's a unique thing to be a part of."A November report from the Federal Salary Council, which advises on government pay, found that federal salaries were one-fourth lower than those in the private sector.A Congressional Budget Office report released last year found pay disparities depended on workers' education. Federal workers with a high school diploma or less outearned their private-sector counterparts with 17% higher wages, the CBO found.

That edge disappeared among better-educated workers. Workers with bachelor's degrees had wages 10% lower than the private sector and those with professional degrees or doctorates earned 29% less.

Federal benefits were vastly better than the private sector for the lowest-educated workers, the CBO found, and about even for the highest-educated workers.

Many laid off from federal positions were drawn by stability, benefits and, more than anything, the opportunity to do work they might not be able to do anywhere else. Now, everyone from diplomats to public health workers are flooding the job market looking for suitable positions.

NEWS BOX

England's Brydon Carse out of Champions Trophy, Rehan Ahmed named replacement

New Delhi. England suffered a significant setback ahead of their crucial Champions Trophy clash against Afghanistan, as bowling all-rounder Brydon Carse has been ruled out of the remainder of the tournament due to a toe injury. Carse, who featured in England's match against Australia, has been struggling with a recurring left toe issue, forcing him to miss training on Monday. As a result, the England and Wales Cricket Board (ECB) confirmed that the 29-year-old will return to London for further assessment.In Carse's absence, England have named 20-year-old leg-spinner Rehan Ahmed as his replacement in the squad. However, Ahmed is not expected to arrive in Pakistan before England's upcoming must-win encounter against Afghanistan on February 26, making him unavailable for selection in that match. England's campaign has already been under pressure following a defeat to Australia, and their match against Afghanistan now becomes a do-or-die contest to keep their semi-final hopes alive.Carse's injury is a major blow for England, as the all-rounder had been seen as a key seam-bowling option. His toe issue has been a lingering concern, as it had previously ruled him out of the final two ODIs in England's series against India, initially believed to be just a minor blister

problem. With his exit, England will need to make a tactical adjustment in their playing XI.

For the Afghanistan clash, England might turn to Jamie Overton as a like-for-like replacement in the playing XI. Overton, who has been in the squad as a backup, is a strong seam option and could join Jofra Archer and Gus Atkinson in England's pace attack.

England now face an uphill battle to stay in the competition. With their semi-final hopes hanging in the balance, the Three Lions will need to regroup quickly and find the right balance in their bowling attack to overcome Afghanistan's challenge.

Champions Trophy: India reach semi-final, Pakistan suffer embarrassing early exit

- Pakistan suffered big losses to India and New Zealand
- New Zealand beat Bangladesh by 5 wickets
- Pakistan will face Bangladesh in Rawalpindi on February 27

New Delhi. India have made it to the semi-finals of the ICC Champions Trophy 2025 and Pakistan were shown the exit door from the competition after New Zealand defeated Bangladesh by 5 wickets in Rawalpindi on Monday, February 24. India defeated Pakistan by 6 wickets thanks to a disciplined bowling performance and Virat Kohli's magnificent hundred in Dubai on Sunday, February 23.For Pakistan, it's a huge embarrassment as the defending champions were not able to progress past the group stages in their first ICC tournament at home in 29 years. Reports claim Pakistan are set to sack Aaqib Javed, their coach, after just 3 months into the role. The loss to India saw the team get slammed by the legends.

"(It is) useless blaming the system, selectors and all that. The question is, are these selected players short on anything? Does not the PCB take care of them? Are they not paid enough? So where is the passion and fire and professionalism to perform in big matches and tournaments?" Javed Miandad was quoted by the PTI."Truth is, our players were under pressure even before the match began. Look at their body language, not one of them appeared to be in a mood to dominate Indian bowlers," he added.Champions Trophy: Full Coverage | Points Table

New Zealand needed a win to make it to the semi-finals themselves and were able to overcome a stern test from Bangladesh in the end with ease thanks to Rachin Ravindra's 4th ODI hundred. Bangladesh had started off brilliantly on the day and before Michael Bracewell was able to change the course of the game. Bracewell bowled 10 overs on the trot and picked up 4 wickets for 26 runs in his spell. Najimul Shanto top-scored for Bangladesh with 77 runs, while Jaker Ali's 45 got them to 236 runs for 9 wickets in 50 overs.The Blackcaps had a horrible start to their run-chase as they lost Will Young and Kane Williamson early. Rachin and Devon Conway would steady the ship with a 57-run stand. Tom Latham continued his fine run in the tournament with a well-made 55, which helped Rachin to continue and torment the Bangladeshi bowlers.The win also eliminated Bangladesh from the competition as they lost their 2 matches so far.Pakistan's horror show in Champions TrophyPakistan came into the tournament as the defending champions, with high hopes of retaining the crown on home soil. However, things would take a turn for the worse in the first game as New Zealand's Latham and Young hit hundreds as they scored 320.Pakistan would lose Fakhar Zaman to an injury and despite the opener coming on, the hosts' lack of intent came back to haunt them in the match. The India game was a do-or-die contest for them and once again slow batting was their undoing as they were bundled out for just 241 runs.The pace attack of Pakistan was toothless in their effort to stop India from reaching the target as Kohli's hundred got India home in the 44th over. This all but sealed Pakistan's exit from the competition and New Zealand's win sealed it.

From freak injury to Champions Trophy 100: Rachin Ravindra reflects on comeback

- Mirra Andreeva won the Dubai Tennis Championships
- Andreeva beat Clara Tauson 7-6 (1), 6-1
- Andreeva will also make her top 10 debut in the rankings

New Delhi. New Zealand batter Rachin Ravindra expressed gratitude towards the team's support staff, including coaches, doctors, and physios, as well as his family, for playing a key role in his comeback from injury. His return was nothing short of spectacular, as he smashed a match-winning century against Bangladesh in the Champions Trophy on February 24. Ravindra's brilliant knock ensured New Zealand's smooth passage into the semi-finals with a comfortable victory.The young left-hander registered his fourth ODI century as the Black Caps cruised into the semi-finals of the Champions Trophy 2025. This milestone was even more significant considering he had just recovered from a facial injury sustained during a Tri-Series game against Pakistan earlier this month. Speaking after the match, Ravindra credited the unwavering support from his team and family as the driving force behind his successful comeback. |NZ vs BAN, Highlights|"Yeah, definitely freak accident. I think things like that don't really happen too often. I'm very grateful to have a great support crew around me in terms of Black Caps set up, coaches and doc and physio that have been able to come out of it reasonably well and I'm extremely grateful for the love and support of everyone," Rachin Ravindra said."I've been showered with so much care and love and really it does make me seriously happy knowing how many people care about me, and I'm very grateful to everyone who's reached out and given their support so thank you for that," he added.

Asked to bat first, Bangladesh made a steady start with a 45-run opening stand between Najmul Hossain Shanto and Tanzid Hasan Tamim. However, New Zealand wrestled back control, reducing them to 118 for five in 26.1 overs.New Zealand's chase bean on a shaky note as Will Young was bowled by Taskin Ahmed for a duck, followed by Kane Williamson edging one to the keeper, leaving the team struggling at 15 for two in 3.3 overs. Ravindra then took charge alongside Devon Conway, stitching a 57-run stand before Conway departed for 30.

After Conway's dismissal, Ravindra and Tom Latham put on a game-defining 129-run partnership for the fourth wicket. Ravindra reached his half-century off 50 balls and accelerated to his century in 95 deliveries. His 112-run knock off 105 balls, laced with 12 fours and a six, also saw him surpass Nathan Astle's record for most centuries (4) by a New Zealand batter in ICC ODI events.

Champions Trophy exit in 6 days: Pakistan end 16-year tournament streak

New Delhi. The Pakistan cricket team's journey in the Champions Trophy 2025 came to an end on February 24 as New Zealand defeated Bangladesh by 5 wickets in Rawalpindi. With the win, the Blackcaps and India made it to the semi-finals of the tournament. Mohammad Rizwan and Co. never looked threatening during the 2 matches that they played and were left to rue a lot of mistakes.Pakistan suffered a big blow before the tournament as opener Saim Ayub was ruled out. His replacement, Fakhar Zaman, went on to suffer an injury during the second ball of the match against New Zealand and was subsequently ruled out of the tournament. The bowling attack also lacked bite in them as Shaheen Shah Afridi and Naseem Shah were ineffective and kept leaking runs. The lack of a proper spinner to support Abrar Ahmed was also another reason for Pakistan's poor show.

Champions Trophy: Full Coverage | Points TableThese factors all came together in their 2 matches as New Zealand scored 320 against them in the opening match, with Will Young and Tom Latham scored hundreds. The second match against India saw Pakistan get a good start but they failed to capitalise on it.

India came back strongly to restrict them to 241 runs. India chased the target down in 43.2 overs, with Virat Kohli starring for them.

Pakistan sets unwanted records

The exit from the tournament on Monday means that Pakistan set a couple of unwanted records. Firstly, this was the first time since 2009 that the host nation didn't make it out of the group stages of the Champions Trophy. The last time this happened when South Africa won one match and lost 2 matches to finish at the bottom of their group.Pakistan also became the 4th team to enter the Champions Trophy as defending champions and exit in the group stages. The first time this happened was in 2004, when India and Sri Lanka exited the tournament in the group stages. India and Sri Lanka were the joint-winners in 2002.

MS Dhoni set to use new bats for IPL 2025, says report

New Delhi. Former Chennai Super Kings captain MS Dhoni is rumoured to reduce the weight of his bat for the upcoming edition of the Indian Premier League (IPL) 2025. Dhoni, who has been retained by CSK as an uncapped player this season, has been training in Ranchi to get match-fit ahead of the season. The legendary wicketkeeper-batter is also expected to attend CSK's pre-IPL camp this year as usual.Dhoni, who usually plays with a bat weighing between 1250-1300 grams, is expected to reduce it by at least 10-20 grams, a *New Indian Express* report suggested while quoting sources. Dhoni used to play with one of the heaviest bats in the cricket circuit during his prime days.

"Four bats have been delivered to Dhoni recently by Sanspareils Greenlands Pvt. Ltd., the cricket equipment company from Meerut," a source in the know said."Each bat

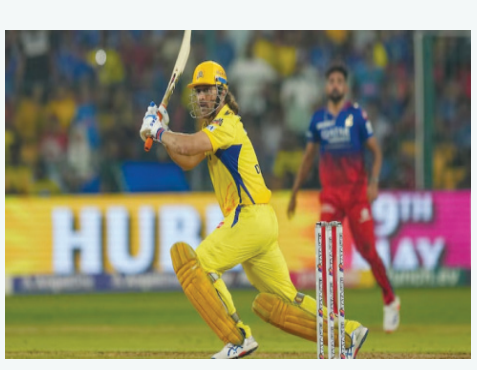

weighs around 1230 grams with the same shape as before," added the source.

IPL 2025: Full Schedule

Chennai Super Kings' camp at the MA Chidambaram Stadium is not expected to start before March 10. A source in the CSK management revealed that the Indian Cricket Board (BCCI) has strictly mentioned that the Chennai stadium cannot be used before March 9.The schedule of training has not been finalised yet. Anyway, the MA Chidambaram Stadium cannot be used for training purposes till March 9 as the BCCI has given strict instructions to maintain the venue in optimal conditions," a source from CSK management said.Dhoni, at the moment, is training in Ranchi. He has been working with the bowling machine to sharpen his skills. The wicketkeeper-batter played the full season in 2024 but was mostly used far down the order at No.8. Dhoni played several impactful innings, hitting a barrage of sixes in the final two overs of the match.

I haven't seen a better ODI player than Kohli, he can be the leading run-scorer: Ponting

DUBAI. Former Australian skipper Ricky Ponting said he has not seen a "better player" than Virat Kohli in ODIs, and backed the Indian batting star to go past legendary Sachin Tendulkar as the highest run-getter in the 50-over format.

Kohli made an exceptional unbeaten 100, his 51st in ODIs, to guide India to a six-wicket win over Pakistan in a Champions Trophy match here on Sunday."I don't think I've ever seen a better 50-over player than Virat Kohli. Now that he's gone past me (in run-maker's list) and only two (batters) ahead of him, I'm sure he would want to give himself the best chance to be remembered as the all-time leading run scorer in the game," Ponting told ICC Review.During the course of that hundred, Kohli went past the 14000-run mark in one-dayers, joining former Sri Lankan captain Kumar Sangakkara and Tendulkar in a rare club.Kohli (14085 runs) is still 4,341 runs behind Tendulkar (18426) and at 36, the champion batter has limited time in his hands to overhaul the latter's mark. Buat Ponting did not see it as an impossible task for Kohli.

"Obviously physical-wise, he's probably as fit as he's ever been and works exceptionally hard on that side of his game. It's crazy when you think about it, isn't it ? Just how good Virat's been over such a long period of time, yet he's still 4,000 runs behind Sachin," he said."It just goes to show how good Sachin was, but also his longevity in the game. But with someone like Virat, you never write him off. If the hunger's still there, then I'm never going to write him off (to overtake Tendulkar)," the Australian legend added.

Ponting said a match against Pakistan often brought the best in Kohli, and termed him as a big match player.

"Yeah, 2022 (T20 WC) and now, he stood up against the team that he would probably steel himself the most to play against. When Pakistan had batted first on a tricky wicket, it needed someone at the top of the order to play a match-winning innings like that," he said.

AUS vs SA: Run-fest on cards as Australia, South Africa aim to boost semis hopes

- Australia and South Africa come into the contest on the back of wins
- South Africa have the edge over Australia in ODI head-to-head stats
- The Proteas are waiting to see if Klaasen will be fit for the match

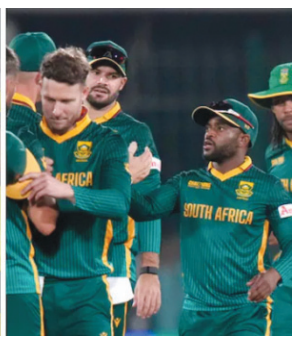

New Delhi. Australia and South Africa come into the contest on Tuesday, February 25 after big wins. The Aussies, were taken apart by Ben Duckett and the England batters for 351, expertly chased down the target to set an ICC event record, thanks to some brilliant batting from Josh Inglis and Alex Carey. South Africa, on the other hand, absolutely dominated dark horses Afghanistan in their opening match in all 3 departments.

Many would argue that the win for Australia against England was all about the aura the Aussies possess when it comes to ICC events. The Australian squad isn't a promising one at the moment as they are missing some big names and the pace attack is relatively inexperienced. Their pace trio of Nathan Ellis, Spencer Johnson and Ben Dwarshius has only 17 caps between them and are leading the charge in the Champions Trophy. In comparison to this, South Africa have a settled 4-member pace attack, led by Kagiso Rabada.The Proteas are also slowly improving when it comes to ICC events as they have reached the final of 2024 T20 World Cup and will take on the Aussies in the World Test Championship final later this year. This is another chance for them to erase the 'chokers' tag as they look to win a big event after the ICC Knockout in 1998."Yeah, we're quite bullish about our chances. I think - as much as in the Tri Series, we didn't have all our guys, it still was an opportunity for us to get whatever intel that we can on the conditions, share that information with all the other guys who came in. Fortunately, the guys who came in, they've come in on the back of some good cricket back home. Confidence is good. But yeah, we're quite optimistic about our chances and how far we can go in this competition," said Bavuma at the press conference.The Aussies have won eight ICC white-ball events since South Africa's achievement in 1998 and always back them in major tournaments.

South Africa await Heinrich Klaasen return

Probably one player South Africa would want while facing Australia is Heinrich Klaasen. Who can forget that 174 off just 83 balls at Supersport Park in 2023 from the wicketkeeper-batter that blew away Australia.South Africa skipper Temba Bavuma revealed that Klaasen will have a fitness test and a decision will be made accordingly."Well, I mean, they still have to assess his fitness. There's obviously still the practice today so he'll do his practice today. Mainly he is batting and I guess him and the medical team they'll make a decision accordingly," said Bavuma at the press conference.

Urvashi Rautela

Meets Puspha 2 Director Sukumar During India Vs Pak Match: 'Your Dedication Inspires Us'

Actress Urvashi Rautela bumped into filmmaker Sukumar at the India Vs Pakistan match in Dubai. She congratulated the director and said that she looked up to him with immense admiration. Urvashi took to her Instagram, where she shared a video of herself shaking hands with Sukumar at the stadium. In the clip, the two greet each other, exchange pleasantries and have a conversation. The actress captioned the post: "Heartiest congratulations on all your incredible achievements, #Sukumar garu! Your brilliance and dedication inspire us all, and we truly look up to you with immense admiration."

Sukumar's other notable films include Arya 2, 100% Love, 1: Nenokkadine, Nannaku Prematho, Rangasthalam, Pushpa: The Rise and Pushpa 2: The Rule. Rangasthalam became the third highest-grossing Telugu film at the time, behind the Baahubali films. Pushpa was the highest-grossing Indian film of 2021, while Pushpa 2 went on to become one of the highest-grossing Indian films of all time.

Talking about Urvashi, she received an early birthday surprise in the stands of Dubai International Cricket Stadium. She received a red cherry birthday cake from the staff during the India vs Pakistan match. "Thank you for the birthday surprise," Urvashi, who will turn 31 on February 25, wrote as the caption on Instagram.

On the work front, her latest release is Daaku Maharaaj. Made under the direction of Bobby Kolli, the film stars Nandamuri Balakrishna as the lead, alongside, Chandini Chowdary, Pradeep Rawat, Sachin Khedekar, Shine Tom Chacko, Viswant Duddumpudi, Aadukalam Naren, and Ravi Kishan in important roles. The film tells the story of a daring robber, striving for survival and establishing his own territory amid conflicts with powerful adversaries, battling to become a "king without a kingdom."

Sharvari

Gets 'Battle-Ready' For Alpha, Shares Pics From Intense Practice Sessions

Sharvari is gearing up for the release of her female spy thriller film, YRF's Alpha. The actress dropped major Monday Motivation for her fans by posting photos from her intense workout sessions. The film also stars Alia Bhatt in a leading role.

In an all-black athleisure outfit, Sharvari was seen sweating it out with battle ropes. "Battle ropes for today .. Battle ready for #Alpha soon! #MondayMotivation (sic)," she wrote, while sharing the pictures. Take a look:

In an exclusive chat with Showsha not long back, Sharvari spilled the beans on how she landed a role in Alpha. The actor said that she didn't even know that she was auditioning for the YRF film until much later. "I remember I had just finished Maharaj and I was doing a couple of other projects. I met Adi sir (Aditya Chopra; producer) and he wanted to audition me in the action space. So, I did an extensive action audition. I went to an action class and did two months of training. I didn't know what the film was called. All I knew is that it was a part of an audition that I had to train for," she had said.

Sharvari had also spoken about her rigorous training sessions for the film. She said, "At that time, from Monday to Saturday, I used to train for two to three hours every day. I was also trying to find out what kind of gymnastics movements, boxing and strength training I can do. It was basically an overview of action training. I recorded an audition kind of a tape at the end of each month and showed it to Adi sir. I kept talking to trainers so as to try and do something different and new in the tape."

Laxman Utekar Apologises After Chhaava Faces Rs 100 Cr Defamation Suit Threat From Shirke Descendants

Vicky Kaushal's Chhaava, which celebrates the legacy of Chhatrapati Sambhaji Maharaj, has struck a chord with audiences nationwide. It is doing an extremely good business at the box office. However, the film has sparked a new controversy now. Apparently, the descendants of Maratha warriors Ganoji and Kanhoji Shirke have raised objections claiming that the portrayal of their ancestors is unfair and misleading. They threatened a Rs 100 crore defamation lawsuit.

In response to the same, director Laxman Utekar issued a public apology. In Chhaava, a crucial moment in the story portrays Chhatrapati Sambhaji Maharaj's trusted allies, Ganoji and Kanhoji, betraying him by joining forces with Mughal emperor Aurangzeb. This leads to the Maratha ruler's death. However, this depiction hasn't gone down well with the warriors' descendants, who believe it unfairly tarnishes their legacy.

After the film's release, Laxmikant Raje Shirke, the 13th descendant of Ganoji and Kanhoji Shirke, strongly criticised the filmmakers for what he called a blatant "misinterpretation of historical facts." He expressed his disappointment, stating that the portrayal unfairly damages his family's legacy. He also announced that they had issued a legal notice to the director and would be filing a Rs 100 crore defamation lawsuit against him.

On February 20, the Shirke family formally sent a notice to Laxman Utekar, requesting a clarification regarding the film's portrayal of their ancestors. They also urged him to make the necessary corrections.

And now, according to reports, Laxman Utekar personally reached out to Bhushan Shirke, one of the descendants, to apologise for any unintentional hurt caused to the family. He also clarified that the film did not explicitly mention the last names or the village names of Ganoji and Kanhoji. "We have only mentioned the names of Ganoji and Kanhoji in Chhaava, without referring to their surname. We've also made sure to not disclose the village they belonged to. Our intention was not to hurt the sentiments of the Shirke family.

Shah Rukh Khan Produced Ittefaq Without Reading Script, Said It Was 'Haraam' To Charge Interest: Renu Chopra

Late filmmaker Ravi Chopra's wife Renu Chopra recently praised Shah Rukh Khan's generosity, and revealed that he backed her son Abhay Chopra's film 'Ittefaq' without even reading the script! The 2017 film, directed and written by Abhay Chopra, stars Akshaye Khanna, Sidharth Malhotra and Sonakshi Sinha. Renu Chopra recalled that SRK also refused to charge interest on the finances, saying that it is 'haraam'.

In a conversation with Pinkvilla, Renu said that a lot of people stood by her, and one of them is Shah Rukh Khan. "Now, Shah Rukh had only done guest appearances for us. When we had to make Ittefaq… Shah Rukh's office and our office – we share a wall. And we just decided to do it with him. I asked him, 'Main aa jaaoon?'. He said, 'Nahi nahi. Aap nahi aaoge Renu ji, main aata hoon. That respect, ki aap badi hain! Maine kaha, ' Shah Rukh, aate aate 3 hafte ho gaye hain, ab main hi aa jati hoon'. (I asked him, 'Should I come?' He said, 'No, no. You won't come, Renu ji, I will come'. Out of respect, since you are senior! I said, 'Shah Rukh, it's been three weeks since you said that, now I will come myself'). Because he is such a busy man!" she said. She further added that King Khan welcomed them very warmly with love and respect. "He called me and made me sit and asked what do I want. I said I do not have money to invest, and he said he will do it. I told him baaki mere bacche poori tarah se dil laga ke picture banayenge. (I told him my children will put their hearts into making the movie). It was my younger son's debut film Ittefaq. SRK said okay without reading the script. His funda was, 'I'll never back the horse, I'll back the jockey'. He said if your son is backing it, I'll back it," she further said. Speaking about his generosity, she said that till date, the money has been 50-50 down the line. "And when the picture wrapped up, like all other finances, there's an interest rate. He said, 'Nahi, ye haraam hai mere liye. Main nahi lunga.